बुधवार, 4 जून 2025

मौसम

तापमान	26 – 35
आर्द्रता	58%
सूर्योदय: 4:52	सूर्यास्त: 18:18

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष नवमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, प्रधानमंत्री मोदी ने हिमंत से ली स्थिति की जानकारी पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : सपनों को पूरा करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण चाहिए।

आईपीएल को मिला नया चैंपियन

आरसीबी का 18 सत्र का 'विराट' इंतजार खत्म

अहमदाबाद : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर आईपीएल 2025 ट्रॉफी जीत ली है। आईपीएल के 18 सालों के इतिहास में आरसीबी पहली बार चैंपियन बनी है। यह पहली बार है जब अहमदाबाद में कोई आईपीएल फाइनल खेला गया हो और पहले बैटिंग करने वाली टीम जीती हो। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले खेलते हुए 190 रन बनाए थे, जवाब में पंजाब की टीम 184 रन ही बना सकी। पंजाब किंग्स को 191 रनों का लक्ष्य मिला था। इस बड़े लक्ष्य का पीछा करने पंजाब ने ओपनिंग में 2 अनकैप्ड खिलाड़ियों को उतारा। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने अपनी टीम को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन प्रियांश 24 रन बनाकर आउट हो गए। फिल साल्ट ने गजब का कैच लपक कर प्रियांश को पवेलियन भेजा था। सबकुछ ठीक चल रहा था और पंजाब का स्कोर एक विकेट के नुकसान पर 72 रन हो गया था, लेकिन अगले 26 रन के भीतर पंजाब ने 3 महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए। इस महत्वपूर्ण मैच में कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 1 रन बना पाए। देखते-देखते पंजाब ने 98 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। नेहल वाढ़ेरा और शशांक सिंह ने धीरे-धीरे पारी को आगे बढ़ाते हुए मिलकर 38 रन जोड़े, लेकिन एक बार विकेटों का पतझड़ शुरू होने के बाद जैसे पंजाब के हाथ से मैच फिसलता ही चला गया। पंजाब ने महज 9 विकेट के भीतर 3 विकेट गंवा दिए थे।

ऑपरेशन सिंदूर: आईएएफ ने मार गिराए थे पाकिस्तान के छह लड़ाकू विमान

बड़ी संख्या में तबाह हुए चीनी ड्रोन-मिसाइलें

नयी दिल्ली : ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की ओर से पाकिस्तान में की गई सैन्य कार्रवाई का विश्लेषण किया गया है। इसमें सामने आया है कि पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) के छह लड़ाकू विमान, दो महंगे हवाई जहाज, 10 से ज्यादा मानवरहित लड़ाकू वाहन (यूसीएवी), एक सी-130 परिवहन विमान और कई क्रूज मिसाइलें भारतीय मिसाइल हमलों में तबाह कर दी गईं। इस ऑपरेशन में शामिल रहे सूत्रों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि भारतीय वायु सेना के पास मौजूद तकनीकी डाटा के आधार पर यह पुष्टि हुई है कि ये 6 पाकिस्तानी लड़ाकू विमान हवा में ही मार गिराए गए। उन्होंने बताया कि एक उच्च मूल्य की हवाई संपत्ति को सुदर्शन द्वारा करीब 300 किलोमीटर की दूरी पर एक लंबी दूरी के हमले में नष्ट कर दिया गया। यह हवाई संपत्ति एक इलेक्ट्रॉनिक काउंटर मेजर्स (ईसीएम) विमान या एक एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एईडब्ल्यूएंडसी) विमान हो सकती है। चार दिन चले इस संघर्ष में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के भोलारी एयरबेस पर हवा से सतह पर मार करने वाली क्रूज मिसाइलों से हमले किए, जिसमें स्वीडिश तकनीक पर आधारित एक और एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल विमान तबाह हुआ। सूत्रों के मुताबिक, इस एयरबेस के हैंगर में और भी फाइटर जेट मौजूद थे, लेकिन पाकिस्तान ने अब तक वहां से मलबा तक नहीं हटाया है। इसलिए फिलहाल जमीन पर खड़े विमानों की क्षति की पुष्टि नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायु सेना के रडार और वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को ट्रैक किया और जब मिसाइलें टकराईं तो ये विमान अचानक रडार से गायब हो गए, जिससे साफ है कि वे नष्ट हो गए। इसके अलावा, एक ड्रोन हमले में पाकिस्तान का एक सी-130 परिवहन विमान भी मार गिराया गया, जो पाकिस्तानी पंजाब में था।

केंद्र सरकार के अस्पतालों में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के चिकित्सकों से मिलने पर प्रतिबंध

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार के अस्पतालों में मरीजों के हितों की रक्षा और नैतिक मानकों को बनाए रखने के लिए मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के चिकित्सकों से मिलने पर रोक लगा दी गई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने सभी केंद्र सरकार अस्पतालों को निर्देश दिया कि वे अस्पताल परिसर में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव को प्रवेश न दें। आदेश के मुताबिक, यह अस्पताल परिसर में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के प्रवेश को अनुमति न देने के संबंध में पहले दिए गए निर्देशों के संदर्भ में है। इस संबंध में एक बार फिर निर्देश दिया जाता है कि मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव को अस्पताल परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। संस्थानों के प्रमुख इस मामले में सभी अधिकारियों को आवश्यक सख्त निर्देश देंगे। आदेश में बताया कि मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव से अनुरोध किया जा सकता है कि वे किसी भी उपचार, जांच या प्रक्रिया के बारे में हाल ही में हुई प्रगति को ईमेल या अन्य डिजिटल मीडिया के माध्यम से साझा करें। निर्देश के मुताबिक, इस मामले में आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया जाता है और कार्रवाई की रिपोर्ट निदेशालय को दी जाएगी।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

नवान्न में मुख्यमंत्री ममता अचानक वित्त विभाग पहुंचीं, कर्मचारियों से की बातचीत

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार की सुबह नवान्न में अचानक दौरा कर सबको चौंका दिया। आमतौर पर, उनका कार्यालय भवन की 14वीं मंज़िल पर स्थित है, लेकिन इस बार वे सीधे वहां न जाकर वित्त विभाग में पहुंच गईं, जिसे अब सरप्राइज़ विज़िट कहा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री जैसे ही नवान्न में प्रवेश करती हैं, बिना किसी पूर्व सूचना के वह सीधे वित्त विभाग की ओर रवाना हो जाती हैं। वहां पहुंचकर उन्होंने कर्मचारियों से संवाद किया और काम की रफ़्तार बढ़ाने के लिए सुझाव दिए। ममता बनर्जी ने विभागीय अधिकारियों से भी चर्चा की और विभिन्न प्रशासनिक कार्यों में सुधार लाने पर ज़ोर दिया। उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य था काम की निगरानी और यह सुनिश्चित करना कि वित्त विभाग में कार्य सुचारु रूप से हो रहा है या नहीं। करीब कुछ समय तक विभाग में रुकने और अधिकारियों से बातचीत करने के बाद, ममता बनर्जी 14वीं मंज़िल स्थित अपने कार्यालय के लिए रवाना हुईं। गौरतलब है कि इससे पहले भी मुख्यमंत्री को समय-समय पर राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में अचानक दौरा करते देखा गया है। इससे न सिर्फ प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आती है, बल्कि कर्मचारियों में भी जवाबदेही की भावना उत्पन्न होती है।

'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई जा सकती'

■ हाई कोर्ट ने शर्मिष्ठा पनोली की जमानत की खारिज, सरकार केस डायरी पेश करने का निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह कानून की पढ़ाई कर रही शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी से जुड़ी केस डायरी पांच जून को उसकी अंतरिम जमानत याचिका पर दोबारा सुनवाई के दौरान अदालत में पेश करे। न्यायमूर्ति पार्थ सारथी मुखर्जी की अवकाशकालीन पीठ ने आदेश दिया कि गार्डन रीच पुलिस थाने में दर्ज मामले की जांच की जाएगी, जिसके सिलसिले में पनोली को गिरफ्तार किया गया है, जबकि इस संबंध में दर्ज सभी अन्य प्राथमिकियों में कार्यवाही अगले आदेश तक स्थगित रहेगी। अदालत ने यह भी कहा कि राज्य सरकार पनोली की कथित कार्रवाई को लेकर अब कोई नया मामला दर्ज नहीं करे। अदालत ने राज्य सरकार को पांच जून को अगली सुनवाई के दौरान केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति मुखर्जी ने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। याचिकाकर्ता पनोली के वकील ने दावा किया कि पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सोशल मीडिया पर कथित तौर पर कुछ टिप्पणी करने के लिए उनके खिलाफ दायर शिकायत में कोई अपराध नहीं बनता है। उन्होंने दलील दी कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत और पाकिस्तान के सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के बीच 'वाक् युद्ध' हो रहा था। वकील ने अदालत से पनोली के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने तथा उसे जमानत देने की अपील की। पनोली के वकील ने दावा किया कि उन्हें शिकायत की जांच के लिए पुलिस के समक्ष उपस्थित होने के लिए कोई नोटिस नहीं दिया गया। वकील ने यह भी कहा कि शिकायत में यह उल्लेख नहीं किया गया है कि पनोली ने सोशल मीडिया पर आखिर कहा क्या था, और इसलिए यह किसी भी संज्ञेय अपराध को नहीं दर्शाता। उन्होंने बताया कि शिकायत 15 मई को दर्ज की गई थी और दो दिन बाद पुलिस ने गिरफ्तारी वारंट हासिल कर लिया था। उन्होंने यह भी कहा कि पनोली के परिवार ने पुलिस को यह भी सूचित किया था कि उसे जान का खतरा है, और कथित आपत्तिजनक पोस्ट को आठ मई को सोशल मीडिया से हटा लिया गया था, जिसे सात मई की रात को पोस्ट किया गया था। पनोली के वकील ने दावा किया कि राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में कम से कम चार प्राथमिकी दर्ज की गयी हैं।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुक्ला को आईएसएस ले जाने वाला 'एक्सिओम-4' मिशन 10 जून तक स्थगित

नयी दिल्ली : भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) ले जाने वाला एक्सिओम स्पेस का मिशन 10 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह घोषणा एक्सिओम-4 मिशन के चालक दल के सदस्यों के साथ ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन के दौरान की गई। चालक दल के सदस्य आईएसएस की यात्रा से पहले वर्तमान में पृथक-वास में हैं। यह मिशन फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित होगा। अब यह मिशन 10 जून को शाम 5:52 रवाना होगा। यह अंतरिक्ष उड़ान मूलतः 29 मई के लिए निर्धारित थी तथा बाद में इसे आठ जून के लिए पुनर्निर्धारित कर दिया गया। अब यह 10 जून को रवाना होगी।

एनबीई ने नीट-पीजी परीक्षा तीन अगस्त को आयोजित करने के लिए न्यायालय से अनुमति मांगी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर नीट-पीजी, 2025 परीक्षा को 15 जून की जगह शीर्ष अदालत के निर्देशों के अनुरूप तीन अगस्त को एक पाली में आयोजित करने के लिये अनुमति मांगी है। एनबीई की याचिका में कहा गया है कि वह परीक्षा को सुबह नौ बजे से अपराह्न 12:30 बजे के बीच आयोजित करेगा। एनबीई की याचिका में अन्य बातों के अलावा शीर्ष अदालत से "नीट-पीजी 2025 को तीन अगस्त, 2025 को निर्धारित करने की अनुमति मांगी गई है, जो इसके प्रौद्योगिकी साझेदार यानी 'मेसर्स टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड' (टीसीएस) द्वारा दी गई सबसे पहले उपलब्ध तिथि है।" याचिका में न्यायालय द्वारा 30 मई, 2025 के आदेश द्वारा पारित निर्देशों के अनुसार परीक्षा आयोजित करने का हवाला दिया गया है।

अमरनाथ यात्रा से पहले विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल से गुजरेगी वंदे भारत

पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

जम्मू : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह के अंत में बहुप्रतीक्षित कश्मीर रेल परियोजना का उद्घाटन करेंगे, जो क्षेत्र की कनेक्टिविटी में एक मील का पत्थर साबित होगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मोदी पहली बार जम्मू-कश्मीर जाएंगे। मोदी छह जून को चिनाब रेल पुल को जनता को समर्पित करके अपने दौरे की शुरुआत करेंगे। चिनाब रेल पुल 272 किलोमीटर लंबे उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक (यूएसबीआरएल) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह कश्मीर घाटी को सीधा रेल संपर्क प्रदान करेगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "इतिहास बनने में बस तीन दिन बाकी हैं! दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल, चिनाब पुल, जम्मू-कश्मीर में बनकर तैयार है... प्रधानमंत्री छह जून को चिनाब पुल का उद्घाटन करेंगे। नये भारत की शक्ति और दूरदर्शिता का गौरवपूर्ण प्रतीक।" अधिकारियों ने बताया कि चिनाब पुल का उद्घाटन करने के बाद मोदी संभवतः ट्रेन से कटरा जाएंगे और रास्ते में अंजी खड्ड पर बने भारत के पहले केबल पुल का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस परियोजना से जुड़े सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित रेलवे के इंजीनियरों से बातचीत भी करेंगे। प्रधानमंत्री शुक्रवार को कटरा से उत्तरी कश्मीर के बारामूला तक वंदे भारत ट्रेन और बारामूला से कटरा तक एक अन्य ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। कटरा को माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आधार शिविर के रूप में जाना जाता है। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कश्मीर आने-जाने वाले सभी यात्रियों को कटरा में उतरना होगा और ट्रेन बदलनी होगी। उद्घाटन के बाद मोदी एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे। कश्मीर को रेल मार्ग से जोड़ने की परियोजना पर काम 1997 में शुरू हुआ था तथा भूवैज्ञानिक, स्थलाकृतिक तथा मौसम संबंधी चुनौतियों के कारण इस परियोजना के पूरे होने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई। इसके कारण परियोजना की लागत बढ़ गई और इसे पूरा करने में 41,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई।

भारत-पाक संघर्ष पर राहुल गांधी का दावा

ट्रंप के फोन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने किया आत्मसमर्पण

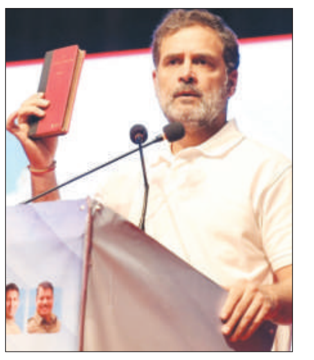

भोपाल : लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मसमर्पण' कर दिया। उन्होंने कहा कि 1971 के युद्ध में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी नहीं झुकीं, जबकि अमेरिका ने अपना सातवां बेड़ा भेजा था। उन्होंने यहां कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में पार्टी के 'संगठन सृजन अभियान' की शुरुआत करने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "ट्रंप का एक फोन आया और नरेन्द्र (मोदी) जी ने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया- इतिहास गवाह है। यही भाजपा-आरएसएस का चरित्र है, ये हमेशा झुकते हैं।" गांधी ने कहा, "भारत ने 1971 में अमेरिका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। कांग्रेस के बब्बर शेर और शेरनियां 'सुपरपावर्स' से लड़ते हैं, कभी झुकते नहीं।" पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि वह भाजपा-आरएसएस के लोगों को अच्छी तरह से जानते हैं। उन्होंने कहा, "यदि आप थोड़ा भी दबाव डालते हैं और उन्हें (भाजपा-आरएसएस) को थोड़ा सा धक्का देते हैं, तो वे डर के मारे भाग जाते हैं।" उन्होंने कहा कि 1971 के युद्ध के दौरान कोई फोन नहीं आया था, भले ही सातवां बेड़ा, हथियार और एक विमान वाहक आ गया, लेकिन इंदिरा गांधी ने आत्मसमर्पण नहीं किया और कहा कि वह जो चाहती हैं वह करेंगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, "गांधी (महात्मा), नेहरू (जवाहरलाल) और पटेल (वल्लभ भाई) ने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया, उन्होंने महाशक्तियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी।"

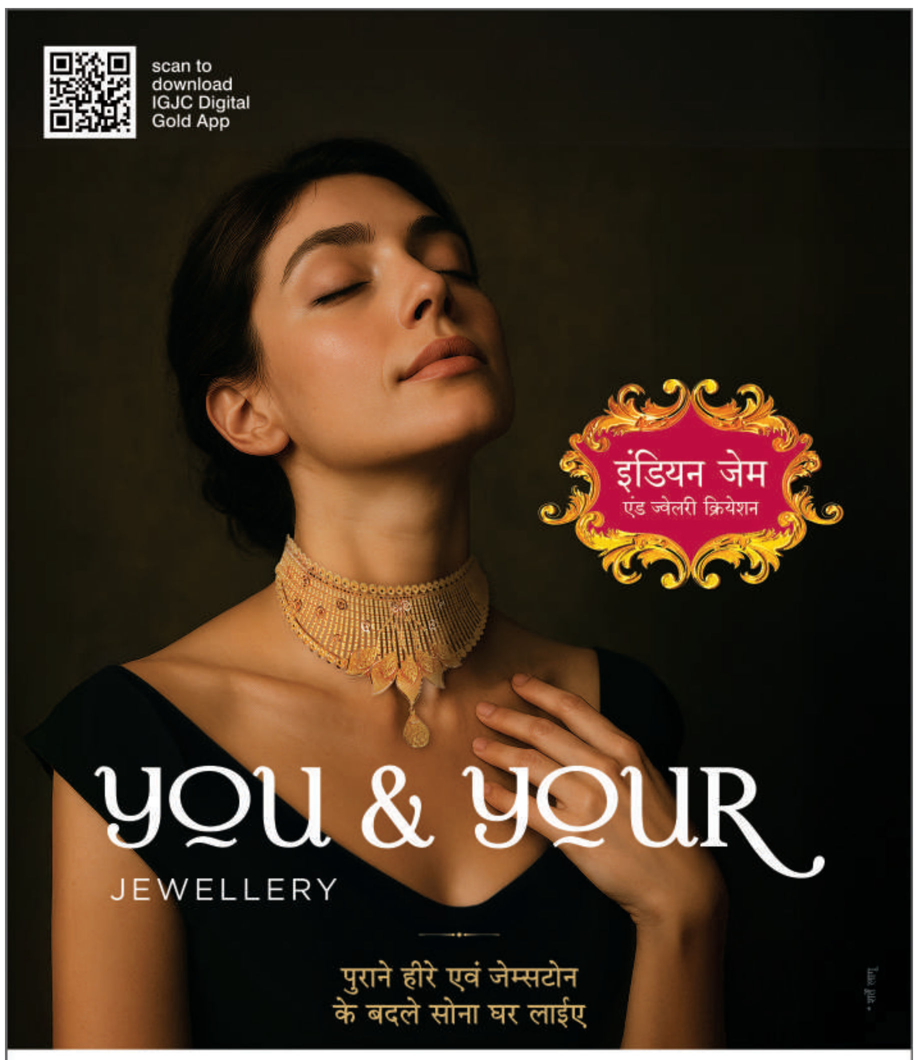

इंडियन जेम एंड ज्वेलरी क्रियेशन
टोल फ्री नंबर 1800 8891704

9B, वुड स्ट्रीट : ग्राउंड फ्लोर, कोलकाता 700 016 M +91 89810 89018 साउथ सिटी मॉल : ग्राउंड फ्लोर, 375, प्रिंस अनवर शाह रोड, कोलकाता 700 068 M +91 89810 89029 सिटी सेंटर II, राजारहाट : ब्लॉक - B', दूसरी मंजिल, शॉप नंबर 201, न्यू टाउन, कोलकाता 700 157 M +91 89810 89066 हावड़ा : जेपी'स एसी मार्केट (श्री विंध्याचल बिल्डिंग), 35, डॉ. अबनी दत्ता रोड (हावड़ा एसी मार्केट के पास) M +91 89810 89027 वरदान मार्केट : 106, वरदान मार्केट, पहली मंजिल, 25A, कैमक स्ट्रीट, कोलकाता 700 016 M +91 89810 89003 बागनान : ग्लोरियस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सीटीसी बस स्टैंड के पास, शॉप नंबर 4, पहली मंजिल, बागनान, हावड़ा 711 303 M +91 89810 89024 दुर्गापुर : शॉप नंबर 205, ड्रीमप्लेक्स मॉल, पहली मंजिल, सिटी सेंटर, दुर्गापुर 713 216 M +91 89810 89017 श्रीरामपुर : अग्निशा - II, ग्राउंड फ्लोर, 30, के एम शाह स्ट्रीट, श्रीरामपुर, हुगली 712 201 M +91 89810 89014

हीरे के आभूषण, सॉलिटेयर, हॉलमार्क वाले सोने के आभूषण, पोल्की, कुंदन जड़ाऊ और सार्टिफाइड रत्न, बाय-बैंक सुविधा के साथ

www.indiangem.com

अधिकृत रिटेलर : प्लैटिनम, एमएमटीसी गोल्ड और सिल्वर बार्स

संसद या राज्य विधानमंडल का बनाया कानून अवमानना नहीं : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया गया कोई भी कानून न्यायालय की अवमानना नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने समाजशास्त्री एवं दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर नंदिनी सुंदर तथा अन्य की ओर से 2012 में दायर अवमानना याचिका का निपटारा करते हुए यह टिप्पणी की। अवमानना याचिका में छत्तीसगढ़ सरकार पर सलवा जुडूम जैसे निगरानी समूहों का समर्थन रोकने तथा माओवादियों के खिलाफ लड़ाई में विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के नाम पर आदिवासियों को हथियार देने पर रोक लगाने संबंधी 2011 के न्यायालय के निर्देशों का पालन करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया था। याचिका में कहा गया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवमानना हुई है, क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ सहायक सशस्त्र पुलिस बल अधिनियम, 2011 पारित किया, जो माओवादी/नक्सल हिंसा से निपटने में सुरक्षाबलों की सहायता के लिए एक सहायक सशस्त्र बल को अधिकृत करता है तथा मौजूदा एसपीओ को सदस्य के रूप में शामिल करके उन्हें वैध बनाता है। छत्तीसगढ़ सरकार पर सलवा जुडूम संबंधी निर्देशों को न मानने का आरोप लगाने के अलावा याचिकाकर्ताओं ने कहा कि एसपीओ का उपयोग न करने और उन्हें निरस्त्र करने के बजाय राज्य सरकार ने 'छत्तीसगढ़ सहायक सशस्त्र पुलिस बल अधिनियम, 2011' पारित कर दिया, जिसके तहत पांच जुलाई, 2011 को शीर्ष अदालत के आदेश की तिथि से सभी एसपीओ को नियमित कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने सुरक्षाबलों के कब्जे से सभी स्कूल भवनों और आश्रमों को खाली नहीं कराया है और न ही सलवा जुडूम तथा एसपीओ की कार्रवाई के पीड़ितों को मुआवजा दिया है। शीर्ष अदालत ने 15 मई को कहा कि उसके आदेश के बाद छत्तीसगढ़ द्वारा कोई कानून पारित करना अवमानना का कार्य नहीं हो सकता।

भ्रामक-फर्जी सूचनाओं से जूझने की चुनौती

हाल ही में भारतीय चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल अनिल चौहान का एक चौंकाने वाला बयान सामने आया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना की पंद्रह फीसदी ऊर्जा भ्रामक सूचनाओं व फर्जी खबरों से जूझने में लगी। यह बयान न केवल चिंताजनक है बल्कि परेशान करने वाला भी है। यूं तो विश्व युद्धों के दौरान भी घातक व भ्रामक सूचनाओं के युद्ध परंपरागत युद्ध के साथ लड़े गए, लेकिन हाल के वर्षों में सूचना क्रांति व डिजिटल युग में यह चुनौती बेहद जटिल हो गई है। हिटलर के प्रचारतंत्र के मुखिया का वह बयान अकसर दोहराया जाता है कि सौ बार एक झूठी खबर को दोहराने से वह सच बन जाती है। इस बार 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भी कुछ ऐसा ही देखने में आया। यह हकीकत है कि भारत ने त्वरित व सटीक कार्रवाई से न केवल पाकिस्तान में बड़े आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए बल्कि पाक वायु सेना को भी भारी क्षति पहुंचायी। वहीं हमने हवाई हमलों की रूसी प्रतिरोधक प्रणाली व स्वदेशी रक्षा कवच से पाक के मिसाइल व ड्रोन हमले विफल कर दिये। इसके बावजूद फर्जी व भ्रामक सूचनाओं के जरिये पाकिस्तानी जनमानस को बताया गया कि जीत पाकिस्तान की हुई है। बाकायदा विजय जुलूस निकाले गए, मिठाइयां बांटी गई। इतना ही नहीं करारी शिकस्त के बावजूद सेना प्रमुख को फील्ड मार्शल बना दिया गया। भ्रामक-फर्जी सूचनाओं का यह सैलाब बाहर व भीतर दोनों तरफ से था। देश की जनता ऊहापोह में रही कि वास्तविकता क्या है। खबरों की तार्किकता के लिये सेना को भी जद्दोजहद करनी पड़ी। बाकायदा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के साथ सेना के अधिकारियों ने तथ्यों की तार्किकता के साथ अपनी बात रखी। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपने मित्रों व दुनिया के अन्य देशों को गलत सूचनाएं देकर बरगलाने का प्रयास किया। इस दिशा में तमाम राजनीतिक दलों के भारतीय सासंदों ने विभिन्न देशों में पहुंचकर भारत के पक्ष को मजबूती से रखा। इसके बाद ही कोलंबिया को पाक के पक्ष में दिए बयान को वापस लेने को बाध्य किया।

बहरहाल, अब वह वक्त आ गया है कि परंपरागत युद्ध के साथ-साथ नैरेटिव व सूचना युद्ध की भी तैयारी की जाए। तेज सूचना तंत्र और सोशल मीडिया के दौर में कैसी-कैसी खबरें निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा गढ़ी जाती हैं, ये हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा। एआई की मदद से काल्पनिक कथानक तैयार करके झूठ को सच बनाने की कवायद की गई। दरअसल, आईटी क्रांति ने सूचनाओं के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी है। ये काम पाकिस्तान इस दौरान करता रहा है। आधा दर्जन भारतीय फाइटर जेट गिराने के दावे पाक करता रहा तो चीन का सरकारी मीडिया पाकिस्तान के मंसूबों को हवा देता रहा। ये घटनाक्रम हमें सचेत करता है कि आने वाले वक्त में भारत को आक्रामक सूचना युद्ध के मुकाबले को फुलप्रुफ तंत्र विकसित करना पड़ेगा। निस्संदेह, ऐसी भ्रामक सूचनाएं सैन्य अभियानों के मार्ग में तो अवरोध खड़े करती ही हैं, साथ ही देश की जनता का मनोबल भी गिराती हैं। ये एक तरह से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी चुनौती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद देश में पाकिस्तान के लिये जासूसी के तमाम मामले प्रकाश में आए। यह भी एक तरह का सूचना युद्ध ही था। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसरों के जरिये भारत से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं जुटाई जा रही थी। साथ ही सोशल मीडिया के जरिये भारतीय सेना की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। वहीं दूसरी ओर इस तरह की फर्जी व भ्रामक सूचनाएं अंतर्राष्ट्रीय जनमत को भी प्रभावित करती हैं। यही वजह है कि आसन्न संकट को देखते हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने सूचना युद्ध के मुकाबले के लिये सेना की एक नई विंग बनाने की जरूरत पर बल दिया। दरअसल, युद्ध जैसी स्थितियों में भ्रामक सूचनाओं का तुरंत कारगर ढंग से तथ्यों के जरिये मुकाबला करने की सख्त जरूरत होती है। निस्संदेह, नये दौर में परंपरागत युद्ध के साथ आधुनिक तकनीक व सूचना माध्यमों की बड़ी भूमिका होती जा रही है। जितना जल्दी हम इस नये तरह के युद्ध के लिये खुद को तैयार कर लें, उतनी ही बढ़त हम युद्ध के दौरान ले सकते हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 4 जून, बुधवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष नवमी, 23:56 तक, नक्षत्र : उत्तर फाल्गुनी, 27:31 तक, योग : वज्र, 08:24 तक, सूर्योदय: 4:56, सूर्यास्त: 18:11, चन्द्रोदय : 12:30, चन्द्रास्त: 00:18, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : सिंह, राहू काल : 11:34 से 13:14

राशिफल

मेष : मेष राशि के लोगों के लिए दिन आर्थिक दृष्टि से प्रगतिशील हो सकता है। आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं, लेकिन खर्चों में अचानक बढ़ोत्तरी आपकी योजना पर असर डाल सकती है।

वृष : वृषभ राशि वालों को धन के मामले में संतुलन साधने की आवश्यकता का है। किसी पारिवारिक कार्य पर भारी व्यय हो सकता है, लेकिन इससे आपको सामाजिक प्रतिष्ठा भी मिलेगी।

मिथुन : मिथुन राशि वालों के लिए धन और करियर के लिहाज से दिन मिश्रित है। आर्थिक दृष्टि से कुछ हानिप्रद फैसले संभव हैं, यदि आप जल्दबाजी में निर्णय लेंगे।

कर्क : कर्क राशि वालों को करियर और धन दोनों ही मामलों में मिश्रित अनुभव मिल सकते हैं। व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं। नौकरीपेशा जातकों के लिए दिन महत्वपूर्ण है।

सिंह : सिंह राशि वालों के लिए करियर में सफलता के योग बन रहे हैं। जो करियर में प्रगति, पदोन्नति और सफलता के संकेत दे रहा है। आपको कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं।

कन्या : कन्या राशि वालों के लिए दिन आर्थिक रूप से उन्नति का संकेत दे रहा है। स्वास्थ्य में सुधार और ठप्प पड़े व्यापार में गति के योग बने हैं। अचानक से कोई बड़ा ऑर्डर या सौदा मिल सकता है।

तुला : तुला राशि के लोगों के लिए करियर के मामले में लाभ का दिन है। करियर में नई दिशा और रफ्तार दोनों मिल सकती है। नौकरी-पेशा जातकों को कोई प्रॉजेक्ट लीड करने का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लोगों का दिन आर्थिक दृष्टि से थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है, लेकिन विवेक और रणनीति से स्थितियों को संभाला जा सकता है। कोई निर्णय लेने का संकेत मिल रहा है।

धनु : धनु राशि के लोगों का दिन धन और करियर की दृष्टि से लाभकारी है। अति-उत्साह में लिए गए निर्णय हानि का कारण बन सकते हैं। घर या वाहन से संबंधित खर्च बढ़ सकते हैं।

मकर : ममकर राशि के लोगों का दिन विशेष लाभ और पद प्रतिष्ठा में वृद्धि लाने वाला हो सकता है। जमीन-जायदाद से अप्रत्याशित लाभ देने वाला है।

कुम्भ : कुंभ राशि धन संबंधित मामलों में गंभीर निर्णयों का संकेत दे रहा है। आय के नए स्रोतों का विकास संभव है। नौकरी में बदलाव या नई नौकरी के प्रयास करने वालों के लिए दिन शुभ है।

मीन : मीन राशि के लोगों का दिन आर्थिक और करियर दृष्टि से सकारात्मक रहने वाला है। आपको प्रभावशाली वाणी और आर्थिक स्थिरता प्रदान करेंगे। लंबित भुगतान मिलने के संकेत हैं।

पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

ललित गर्ग

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिस्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी। पाकिस्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है। लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा। इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है। भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है। अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी। भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें।

भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की? भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वस्त कर दिए गए। 11 पाकिस्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। इनमें राव-लपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी।

भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही। पाक दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए खुद प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस गए। वह जिस सी-130जे सुपर हरक्युलिस से उतरे वही पाक के दावों को झुठलाने के लिए बहुत था। पाक के झूठे दावे अनेक बार तार-तार हुए है। अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है कि आतंकियों और उनके आकाओं की कोई भी हरकत के परिणाम उनकी कल्पनाओं से भी परे होंगे। भारत कभी झूकेगा नहीं, युद्ध जैसी स्थितियां अस्तित्व बचाने के लिये ही है, किसी पर आधिपत्य करने के लिये नहीं।

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बेहूदा प्रदर्शन है।

भारत अभी भी पाक लिये सख्त बना हुआ है, क्योंकि उसकी भूलें अक्षम्य है। भारत की पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाइयों में मुख्य हैं सबसे प्रमुख सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, चूंकि पाक सिंचाई संबंधी आवश्यकता के लिए एक बड़ी हद तक सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी पर निर्भर है, इसलिए भारत के फैसले से उसे बड़ा झटका लगना स्वाभाविक है। पाक की कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए इस फैसले के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत ने पाक के साथ तमाम व्यापारिक रिश्ते समाप्त कर दिये हैं। जिससे पाक की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारत की ऐसी जवाबी कार्रवाइयों से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद पाक सुधरने को तैयार नहीं है। पाक की दुनियाभर में तीव्र भर्त्सना और निन्दा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले रेजिस्टेंस फोर्स की लानत-मलानत ही हुई, पाक की किसी भी बात को तवज्जो नहीं दी गयी, बल्कि उसे फटकार लगी। पाक का टूटना बिखरना खयाली पुलाव नहीं, बल्कि यह उसके आतंकी षडयंत्रों की नियति है।

पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से यह एक सोची-समझी आतंकी साजिश थी। इसका मकसद सांप्रदायिक तनाव को भड़काना और कश्मीर में फल-फूल रहे पर्यटन को नुकसान पहुंचाना था। वहां शांतिपूर्ण चुनाव होने एवं चुनी हुई सरकार का सफलतापूर्वक चलना भी पाक के लिये नागवार गुजर रहा था। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अथक प्रयासों से आ रही शांति एवं समृद्धि के दम पर हालात सामान्य होते जा रहे थे। उसे पाक आका एवं आतंकी छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 25 मई को स्काई न्यूज पर साक्षात्कार में आतंकी ढांचे से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, 'हम तीन दशकों से आतंक को पालना-पोसने का गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए करते आए हैं।' पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी आतंकी ढांचे के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिस्तान का एक अतीत रहा है। जबकि वास्तविकता यही है कि आतंक पाक का अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी है। यह उसकी मौजूदा नीति है, इसी के तहत पाक समय-समय पर भारत की शांति को क्षत-विक्षत करने की कुचेष्टा करता रहा है।

अपनी कार्रवाई में भारत ने नागरिक या सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन आतंकी ढांचे पर सटीक एवं प्रभावी प्रहार किया। अपनी विश्वसनीयता के लिए भारत ने साक्ष्य भी प्रस्तुत किए कि यह कोई खुफिया अभियान न होकर एकदम खुली चेतावनी थी। भारत अब भी अपनी बात पर कायम है कि अगर पाक शांति चाहता है, पडोसी धर्म को निभाना चाहता है तो पहले उसे अपने यहां आतंकी ढांचा समाप्त करना होगा। आतंक के साथ न वार्ता हो सकती है और न व्यापार। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते। भारत का रुख एकदम स्पष्ट है और अब पाक को तय करना है कि वह क्या चाहता है। भारत पाक और चीन की कुचालों को समझता है, इसीलिये रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं। दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की भी जरूरत है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा। इन्हीं जरूरतों को देखते हुए भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा है। लेकिन भारत युद्ध नहीं चाहता, शांति एवं अमन ही उसका लक्ष्य है। भारत ने वैसे भी 'नो फर्स्ट यूज' की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अखबार की साख और विश्वसनीयता आज भी कायम

बाल मुकुन्द ओझा

देश के नामी गिरामी न्यूज़ चैनलों पर अभद्रता, गाली गलौज और मारपीट की घटनाएं अब आम हो गई है। न्यूज चैनल्स की डिबेट्स की भाषाई मर्यादाएं और गरिमा तार तार हो रही है। ऐसा लगता है डिबेट्स में झूठ और नफरत का खुला खेल खेला जा रहा है। डिबेट्स और चैनलों का ये गिरता स्तर लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। प्रमुख पार्टियों के प्रवक्ता जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग कर रहे है वह निश्चय ही निंदनीय और शर्मनाक है। देश में कुकुरमुत्तों की तरह न्यूज़ चैनलों की बाढ़ सी आ गई है। इन चैनलों पर प्रतिदिन देश में घटित मुख्य घटनाओं और नेताओं की बयानबाजी पर टीका टिप्पणियों को देखा और सुना जा सकता है। राजनीतिक पार्टियों के चयनित प्रवक्ता और कथित विशेषज्ञ इन सियासी बहसों में अपनी अपनी पार्टियों का पक्ष रखते है। न्यूज़ चैनलों पर इन दिनों जिस प्रकार के आरोप प्रत्यारोप और नफरती बोल सुने जा रहे है उससे लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ते देखा जा सकता है। बड़े बड़े और धमाकेदार शीर्षकों वाली इन बहसों को सुनकर किसी मारधाड़ वाली फिल्मों की यादें जाग्रत हो उठती है। एंकर भी इनके आगे असहाय नज़र आते है। कई बार छीना झपटी, गाली गलौज और मारपीट की नौबत आ जाती है। सच तो यह है जब से टीवी न्यूज चैनलों ने हमारी जिंदगी में दखल दिया है तब से हम एक दूसरे के दोस्त कम दुश्मन अधिक बन रहे है। समाज में भाईचारे के स्थान पर घृणा का वातावरण ज्यादा व्याप्त हो रहा है। बहुत से लोगों ने मारधाड़ वाली और डरावनी बहसों को न केवल देखना बंद कर दिया है अपितु टीवी देखने से ही तौबा कर लिया है। लोगों ने एक बार फिर इलेक्ट्रॉनिक के स्थान पर प्रिंट मीडिया की ओर लौटना शुरू कर दिया है। आज भी अखबार की साख और विश्वसनीयता अधिक प्रामाणिक समझी जा रही है। डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की अपेक्षा आज भी प्रिंट मीडिया पर लोगों की विश्वसनीयता बरकरार है। आज भी लोग सुबह सवेरे टीवी न्यूज़ नहीं अपितु अखबार पढ़ना पसंद करते है। प्रबुद्ध वर्ग का कहना है प्रिंट मीडिया आज भी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन कर रहा है।

इस समय देश के न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया पर नफरत और घृणा के बादल मंडरा रहे है। देश में हर तीसरे महीने कहीं न कहीं चुनावी नगाड़े बजने शुरू हो जाते है। इस साल बिहार में चुनाव होने वाले है। चुनावों के आते ही न्यूज़ चैनलों की बांछें खिल जाती है। चुनावों पर गर्मागरम बहस शुरू हो जाती है। राजनीतिक दलों के नुमाइंदे अपने अपने पक्ष में दावे प्रतिदावे शुरू करने लग जाते है। इसी के साथ ऐसे ऐसे आरोप और नफरत पैदा करने वाली दलीले दी जाने लगती है कि कई बार देखने वालों का सिर शर्म से झुक जाता है। यही नहीं देश में दुर्भाग्य से कहीं कोई घटना दुर्घटना घट जाती है तो न्यूज़ चैनलों पर बढ़चढ़कर ऐसी ऐसी बातों की झड़ी लग जाती है जिन पर विश्वास करना नामुमकिन हो जाता है। इसीलिए लोग इलेक्ट्रॉनिक के स्थान पर प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता को अधिक प्रमाणिक मानते है। इसी कारण लोगों ने टीवी चैनलों पर होने वाली नफरती बहस को देखनी न केवल बंद कर दी अपितु बहुत से लोगों ने टीवी देखने से ही तौबा कर ली।

नफरत और घृणा के इस महासागर में सभी सियासी पार्टियां डुबकी लगा रही है। न्यूज चैनलों पर विभिन्न सियासी दलों के प्रतिनिधि जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते है उन्हें देखकर लगता नहीं है की यह गाँधी, सुभाष, नेहरू, लोहिया और अटलजी का देश है। देश की सर्वोच्च अदालत कई बार इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर नियामकीय नियंत्रण की कमी पर अफसोस ज़ाहिर कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने नेताओं के भाषण और टीवी चैनलों को नफरती भाषण फैलाने का जिम्मेदार ठहराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच मामले में कई बार टेलीविजन चैनलों को जमकर फटकार लगाई।

गंगा जमुनी तहजीब से निकले भारतीय घृणा के इस तूफान में बह रहे हैं। विशेषकर नरेंद्र मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद घृणा और नफरत के तूफानी बादल गहराने लगे है। हमारे नेताओं के भाषणों, वक्तव्यों और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुचिता के स्थान पर नफरत, झूठ, अपशब्द, तथ्यों में तोड़-मरोड़ और असंसदीय भाषा का प्रयोग धड़ल्ले से होता देखा जा सकता हैं। हमारे नेता अब आए दिन सामाजिक संस्कारों और मूल्यों को शर्मसार करते रहते हैं। स्वस्थ आलोचना से लोकतंत्र सशक्त, परंतु नफरत भरे बोल से कमजोर होता है, यह सर्व विदित है। आलोचना का जवाब दिया जा सकता है, मगर नफरत के आरोपों का नहीं।

आज पक्ष और विपक्ष में मतभेद और मनभेद की गहरी खाई है। यह अंधी खाई हमारी लोकतान्त्रिक परम्पराओं को नष्ट भ्रष्ट करने को आतुर है। देश में व्याप्त नफरत के इस माहौल को खत्म कर लोकतंत्र की ज्वाला को पुर्नस्थापित करने की महती जरूरत है और यह तभी संभव है जब हम खुद अनुशासित होंगे और मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन नहीं करेंगे।

-वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

विदेश की खबरें

आतंकवाद पर भारत के रुख से अवगत कराने के लिए मलेशिया ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल को धन्यवाद दिया

कुआलालंपुर : मलेशिया ने मंगलवार को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पर भारत के रुख से अवगत कराने के लिए वहां से आए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल को धन्यवाद करते हुये शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। भारतीय उच्चायोग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में पोस्ट में कहा कि जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मलेशिया की संसद के प्रतिनिधि सदन के अध्यक्ष (दीवान राक्यत) वाईबी तन श्री दातो (डॉ.) जोहरी बिन अब्दुल से मुलाकात की और आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति के बारे में जानकारी दी। उच्चायोग ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक लड़ाई में मलेशियाई सांसदों से सहयोग मांगा। अध्यक्ष ने शांति के लिए मलेशिया की प्रतिबद्धता को दोहराया और आतंकवाद से निपटने में भारतीय रुख से अवगत कराने के लिए प्रतिनिधिमंडल को धन्यवाद दिया।

भूकंप के बाद निकासी के दौरान पाकिस्तान की जेलों से 200 से अधिक कैदी भागे

कराची : पाकिस्तान में भूकंप के बाद एहतियात के तौर पर वहां की एक जेल से कैदियों को निकाले जाने के दौरान मची अफरा-तफरी के बाद कम से कम 216 कैदी जेल से भाग गए। मंगलवार को मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, कराची की मलीर जेल में सोमवार रात हुई घटना में एक कैदी की मौत हो गई और अर्द्धसैनिक फ्रंटियर कोर के तीन जवान तथा एक जेल कर्मचारी घायल हो गया। जेल अधिकारियों के अनुसार, 80 से अधिक कैदियों को फिर से पकड़ लिया गया। कराची में पिछले 24 घंटे में कई बार भूकंप के झटके आए। जेल अधीक्षक अरशद शाह ने कहा कि भूकंप के दौरान 600 से अधिक कैदियों को उनके बैरक से बाहर निकाला गया था। शाह के हवाले से खबर में कहा गया है, 'अफरा-तफरी के बीच 216 कैदी भाग निकले।' उन्होंने कहा कि 135 से अधिक कैदी अब भी फरार हैं तथा तलाश अभियान जारी है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने फरार कैदियों का पता लगाने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया है। खबर में कहा गया है कि सिंध के गृह मंत्री जिया-उल-हसन लंजर ने इसे हाल के वर्षों में 'जेल तोड़कर कैदियों के भागने की सबसे गंभीर' घटना करार दिया है। मंत्री ने कहा कि सभी फरार कैदियों की पहचान कर ली गई है तथा उनके आवास और आस-पास के इलाकों में लक्षित छापेमारी की जा रही है।

वर्ग पहेली नं. 3112

1			2	■	3		4	■	5
	■	■	6	7		■	8		
9		10	■	11		12	■	■	
■	■	13			■	14		15	
16	17		■	■	18		■		■
■		■	19			■	20		
21				■	22	23		■	■
24		■	25	26	■	27		28	29
	■	30					■	31	

बायें से दायें:- 1) कुपरिस्थिति; असमानता, 3) विगत; शुरु-आती, 6) गुज़ारा; जीवननिर्वाह, 8) अस्वीकृति, 9) टीका, 11) सुंदर; प्रेमपात्र, 13) नवनीत, 14) शरारत, 16) भोर, 18) बोझ, 19) कठिन, 20) एक वाद्य, 21) भेदभावहीनता, 22) सांत्वना, 24) प्रत्येक, 25) एक प्रशंसासूचक शब्द, 27) इरादा, 30) प्रभावी, 31) छिलका; त्वचा.

ऊपर से नीचे:- 1) महिमायुक्त; वैभव; दौलत; भभूत, 2) हिम्मत, 3) कुल्हाड़ी, 4) घासयुक्त समतल मैदान (अंग्रेजी), 5) दुरुस्ती, 7) एक-सा, 10) कक्ष, 12) विपत्ति; आपदा, 15) भुना हुआ मांस, 17) अगणित, 18) एक देश, 19) किसी देश के राजदूत का कार्यालय, 20) मग्न, 21) भोगना, 23) युद्ध, 26) शिव, 28) जलहीन, 29) छोटा लड़का.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

आ	गा	ह	■	ज़	■	माँ	झी	■	च
म	■	म	न	मा	ना	■	ना	का	म
ने	व	ला	■	न	र	म	■	■	च
सा	■	■	म	त	■	क़	ले	आ	म
म	क	रं	द	■	ख़ा	स	■	दे	■
ने	म	■	द	र्रा	■	द	ह	श	त
■	ल	हँ	गा	■	पि	■	त	■	ह
ढो	■	स	र	ग़	ना	■	ब	■	सी
ल	गा	ना	■	■	क	म	ल	ना	ल

सुडोकू-पहेली-3069

	3					6		
7	2		4		1			3
					5			
1		6	3	2	8	5		
			9					
		3	5			4		
		7		8				
9							2	1
2								

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3068 का उत्तर

7	4	6	1	8	5	3	9	2
3	1	5	2	6	9	8	7	4
2	8	9	4	7	3	1	5	6
5	2	3	6	4	1	9	8	7
6	9	8	3	2	7	4	1	5
4	7	1	5	9	8	2	6	3
8	3	2	9	5	6	7	4	1
9	5	4	7	1	2	6	3	8
1	6	7	8	3	4	5	2	9

शिक्षा कर्मियों को भत्ता क्यों दे रही है राज्य सरकार? हाई कोर्ट में मामला दायर

वादियों ने कहा... 'अगर भत्ता देना है तो सभी को दिया जाना चाहिए'

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट में एक बार फिर बेरोजगार ग्रुप सी और ग्रुप डी शिक्षा कर्मियों को भत्ता देने के राज्य के फैसले को चुनौती देते हुए मामला दायर किया गया है। रवींद्रनाथ घोष और शिशिर विश्वास समेत कई वंचित नौकरी चाहने वालों ने मामला दायर किया है। उनकी मांग है कि अगर भत्ता देना ही है तो उस साल आवेदन करने

वाले सभी नौकरी चाहने वालों को भत्ता दिया जाए। अन्यथा राज्य के फैसले को रद्द किया जाए। नौ जून के बाद मामले में सुनवाई होने की संभावना है। इस संबंध में, वादियों के वकील फिरदौस शमीम ने कहा कि अगर भत्ता दिया जाना है तो यह सभी को दिया जाना चाहिए। किसी एक का इस पर विशेष अधिकार नहीं हो सकता। उनमें से कई लोगों ने भ्रष्टाचार के जरिए नौकरी पाई है। यह कैसे कहा जा सकता है कि वे अपात्र नहीं हैं? अदालत के आदेश से पूरा पैनल रद्द हो गया है। उन्हें फिर से भत्ता कैसे दिया जा रहा है? लेकिन जो लोग वंचित हैं, जिन्हें भ्रष्टाचार न होने पर नौकरी मिल सकती थी, उन्हें भत्ता क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? उल्लेखनीय है कि इस साल अप्रैल की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने करीब 26 हजार एसएससी शिक्षकों और शिक्षा कर्मियों की नौकरी रद्द कर दी थी। साथ ही, राज्य को इस साल 31 दिसंबर तक नई नियुक्तियां करने का निर्देश दिया था। तब से बेरोजगार शिक्षक और शिक्षा कर्मी आंदोलन कर रहे हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री ने कुछ सप्ताह पहले बेरोजगार ग्रुप सी और ग्रुप डी कर्मचारियों को भत्ता देने का फैसला किया था। उन्होंने कहा कि फिलहाल राज्य सरकार ग्रुप सी के कर्मचारियों को 25 हजार रुपये और ग्रुप डी के कर्मचारियों को 20 हजार रुपये प्रतिमाह देगी। राज्य का तर्क है कि सरकार बेरोजगारों के प्रति संवेदनशील है। नौकरी जाने से उनके परिवार प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए पूरा मामला सुलझने तक भत्ते के तौर पर यह राशि देने का फैसला किया गया है।

एसएससी भर्ती नियमों को चुनौती, उच्च न्यायालय में याचिका दायर

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में राज्य के स्कूल सेवा आयोग द्वारा 44,000 से अधिक शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती के नियमों और अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका दायर करने की अनुमति दी। खुद को उम्मीदवार बताने वाले याचिकाकर्ताओं ने अदालत के समक्ष यह दावा किया कि नियम और अधिसूचना सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप नहीं हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने 2016 की भर्ती प्रक्रिया में अवैधताओं के आधार पर राज्य में 25,000 से अधिक स्कूल नौकरियों को रद्द कर दिया था। याचिकाकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि 2016 की भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए उम्र सीमा में छूट के निर्देशों का पालन 2025 की अधिसूचना में नहीं किया गया है। इसके अलावा, उन्होंने नई अधिसूचना में पिछली नौकरी के अनुभव के आधार पर 10 अंक दिए जाने के प्रावधान को भी चुनौती दी। इस मामले की अगली सुनवाई 5 जून को उच्च न्यायालय की अवकाश पीठ के समक्ष होने की संभावना है।

Name Change

I Khatun Bibi D/o Reasat Hussain and W/o Md. Farooque R/o 12/15, Kamarhati Puratan Line, Kamarhati, North 24 Paraganas, West Bengal-700058, have changed my name to Farhin Begum

गोपालनगर में सर्विस रिवॉल्वर से कांस्टेबल ने खुद को मारी गोली

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के गोपालनगर थानांतर्गत दस माइल इलाके में नाका चेकिंग चौकी पर प्रभारी अधिकारी की सर्विस रिवॉल्वर से एक कांस्टेबल ने खुद को सिर में गोली मारकर आत्महत्या करने की कोशिश की। सोमवार की रात हुई इस घटना में घायल कांस्टेबल का नाम बिभास घोष है। वह गोपालनगर थाने के सैप दो नंबर बटालियन का कांस्टेबल है। गंभीर रूप से घायल अवस्था में बिभास को तत्काल बनगांव महकमा अस्पताल ले जाया गया। खबर मिलते ही बनगांव जिला पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार बनगांव महकमा अस्पताल पहुंचे। हालांकि, बिभास की हालत बिगड़ने पर उसे बाद में कोलकाता के पीजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि घायल कांस्टेबल बिभास काफी समय से नर्व ड्रग्स ले रहा था। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसने खुद को सिर में गोली मारने जैसा कदम क्यों और किस कारण से उठाया।

आजाद हुसैन को भारतीय वीजा कैसे मिला? ईडी ने विदेश मंत्रालय से मांगी जानकारी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में कथित पासपोर्ट धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार एक पाकिस्तानी नागरिक पर ईडी का शिकंजा कसता जा रहा है। खबर के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अब विदेश मंत्रालय का दरवाजा खटखटाया है। बता दें कि ईडी ने पासपोर्ट धोखाधड़ी मामले में उत्तर 24 परगना जिले के बिराटी से गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक आजाद मलिक के भारतीय वीजा के बारे में जानकारी मांगने के लिए विदेश मंत्रालय से विशेष अनुरोध किया है। पाकिस्तानी आजाद ने कथित तौर पर करीब छह साल पहले बांग्लादेश से भारतीय वीजा

हासिल किया था। केंद्रीय एजेंसी को यह बात आसपास के साक्ष्यों की जांच करने और गिरफ्तार शख्स से पूछताछ करने के बाद पता चली। आजाद का असली नाम आजाद हुसैन है। ईडी के अधिकारियों को यह भी पता चला है कि आजाद 2016 के बाद 'मलिक' उपनाम के साथ भारत आया था। यह कहा जा सकता है कि उसने भारत आने के लिए, खासकर कोलकाता में 'मलिक' उपनाम रखा था। लेकिन ईडी जांचकर्ताओं के सामने पाकिस्तानी नागरिक को लेकर कई सवाल हैं। जैसे आजाद ने वीजा कैसे हासिल किया। उसने वीजा किन दस्तावेजों के साथ हासिल किया। क्या उसके आवेदन का सही तरीके से सत्यापन किया गया था। अगर सत्यापन किया गया था, तो इतनी बड़ी गलती कैसे हुई। दस्तावेजों का सत्यापन किसने किया। ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब हासिल करने के लिए अब ईडी ने विदेश मंत्रालय से संपर्क किया है।

बंगाल में कोविड-19 के 41 नए मामले सामने आए, एक मरीज की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में कोविड-19 के 41 नए मामले सामने आए और कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती एक मरीज की मौत हो गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हावड़ा की रहने वाली 43 वर्षीय महिला को नेफ्रोलॉजिकल समस्याएं और एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम समेत अन्य बीमारियां भी थीं। सोमवार की देर रात अस्पताल के पृथक-वास वार्ड में उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि 43 वर्षीय महिला जो पहले से ही गंभीर बीमारियों से जूझ रही थी, को अलीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला सी.एम.आर.आई. में वेंटिलेशन पर थी और उसे एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम, सेप्टिक शॉक तथा एक्यूट किडनी इंजरी जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं भी थीं।

Khanakul-II Panchayat Samity
Senhat, Rajhati, Bandar, Hooghly

NOTICE INVITING TENDER

The EO Kh-II PS, **NIeT No.- 12/ E.O. Kh-II/ 2025-26 (2nd Call), Date: 03.06.2025. Tender ID: 2025_ ZPHD_857855_1** for Hebo Hana culvert. Last date of bids ends on **20.06.2025 up to 06:00 PM.** For detail visit **www.wbtenders.gov.in**

Sd/-
EXecutive Officer
Khanakul-II Panchayat Samity

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा सं. 25_2025-26 (खुली निविदा) के संबंध में शुद्धिपत्र जो कि वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (एच.क्यू.), पूर्व रेलवे, हावड़ा, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा पूर्व में प्रकाशित की गई थी, उक्त निविदा का **विज्ञापित मूल्य** रु. 44,75,48,482.67 के बदले **रु.44,75,48,482.74** पढ़ा जाना चाहिए। इसके अलावा, कागजात के विवरण में नए आइटम इस प्रकार जोड़े गए हैं **"सिगनल एवं टेलीकम का तकनीकी स्पेसिफिकेशन"**। उक्त निविदा सूचना के सभी अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।
HWH-118/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सं.: सीओएम/ई-ऑक्शन/एचडब्ल्यूएच/2025 **दिनांक 02.06.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चतुर्थ तल, यात्री निवास, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा 03 वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों पर पार्किंग लॉट के परिचालन के लिए अनुबंध प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। ई-नीलामी की अधिक जानकारी एवं भागीदारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल** के माध्यम से देखें। **कैटलॉग सं.: पीएआरके-एचडब्ल्यूएच-एमएवाई-7, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय** : दिनांक 16.06.2025 को 14.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं.** और **स्टेशनों के नाम** निम्नानुसार हैं: **(1)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-आरडब्ल्यू-278-25-1 (पार्किंग-थ्री व्हीलर) और हावड़ा। **(2)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एएमपी-एमएक्स-155-23-1 (पार्किंग-टू मिक्स्ड) और अहमदपुर। **(3)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-पीएलएई-टीडब्ल्यू-251-24-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और पालसिट। **(4)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एनजीएक्स-टीडब्ल्यू-258-24-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और निगन। **(5)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-सीडब्ल्यूएलई-टीडब्ल्यू-273-25-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और चौरीगाछा। **(6)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-केओजी-टीडब्ल्यू-262-24-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और कोन्नगर। **(7)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एसआईयू-टीडब्ल्यू-154-25-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और सिंगुर।
HWH-116/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

पानीहाटी में तृणमूल पार्षद का करीबी हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के खड़दह थाना क्षेत्र में सोमवार की रात एक बड़ी पुलिस कार्रवाई में भारी मात्रा में अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए गए हैं। खड़दह और कमारहट्टी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने यह छापेमारी गुप्त सूचना के आधार पर की, जिसमें मौलाना सलीम रोड निवासी नईम अंसारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपित के आवास से चार देशी पाइप गन, चार राउंड 8 एमएम कारतूस, पांच राउंड .38 कैलिबर कारतूस, तीन राउंड 7.62 एमएम कारतूस और एक राउंड .318 नाइट्रो कारतूस जब्त किए हैं। यह बरामदगी इलाके में सक्रिय

किसी संगठित आपराधिक नेटवर्क की ओर संकेत करती है, जिसे लेकर पुलिस ने जांच तेज कर दी है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने पानीहाटी के नयाबस्ती इलाके में स्थित नईम के घर पर सोमवार की देर रात को छापा मारा। छापेमारी की भनक लगते ही आरोपित ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे आगरपाड़ा से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपित से हथियारों की आपूर्ति, खरीद-फरोख्त और उनके संभावित इस्तेमाल को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि हथियार कहां से लाए गए और किस उद्देश्य से इतने लंबे समय तक घर में छुपाकर रखे गए थे। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि इस गतिविधि से कोई बड़ा आपराधिक गिरोह तो नहीं जुड़ा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क किया गया है।

चालक और खलासी सहित गायब आम लदा ट्रक, शिकायत दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा

अच्छे दाम मिलने की उम्मीद में व्यापारियों ने आठ टन पके हिमसागर आम से लदा एक ट्रक बिहार भेजा था। बीच रास्ते में चालक और दोनो खलासी सहित आम लदा ट्रक गायब हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तर 24 परगना के माटिया थाने की पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, बशीरहाट के माटिया थाना अंतर्गत बांकी बाजार के आम व्यापारियों ने रविवार की रात एक लॉरी किराए पर ली और उसमें आठ टन उन्नत किस्म के हिमसागर आम लाद दिए। बिहार के बाजार में इन आमों की भारी मांग है। ट्रक भेजते समय व्यापारियों ने चालक और दो खलासियों को यात्रा खर्च के तौर पर 25 हजार नकद दिए थे। आम से लदे ट्रक को सोमवार की शाम बिहार के बेथुआबाजार पहुंचना था। आम व्यापारियों ने वहां पूछताछ की तो पता चला कि आम से लदा ट्रक उस बाजार में पहुंचा ही नहीं है। तब उन्होंने चालक और दो खलासियों के मोबाइल पर फोन किया तो उनके मोबाइल फोन बंद थे। आम का ट्रक का कोई सुराग नहीं मिल रहा है। व्यापारियों ने आम किसानों को आश्वासन दिया था कि वे सोमवार की रात को आम की कीमत चुका देंगे। आम का ट्रक गायब होने से वे परेशान हैं। उन्होंने माटिया थाने में ट्रक मालिक और चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. : ईएनजीजी/डब्ल्यूएसए-आईबीएच-एसआरआईएनएस-एसटैंक पार्क-बैडमिंटन-कॉलोनी रोड , दिनांक 31.05.2025, मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज एवं वैगन वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए रेलवे के ख्यातिप्राप्त, अनुमोदित एवं योग्य ठेकेदारों और साथ ही सरकारी विभाग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की उपयुक्त सूची वाले ठेकेदारों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. 1, निविदा सं. एवं कार्य का नाम: एईएन-एसएचओपीडब्ल्यूएसए-25-26-एलएलएच** एवं सीडब्ल्यूएम/लिलुआ/वर्कशॉप के अधीन लिलुआ में स्पोर्ट्स गैलेरी एवं स्पोर्ट्स ऑफिसर चैंबर आदि के साथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन बिल्डिंग (दो तल्ला) का निर्माण एवं वर्कशॉप स्पोर्ट्स ग्राउंड का उन्नयन । **निविदा मूल्य:** रु. 1,39,45,355.07, **बयाना राशि:** रु. 2,19,700/- **क्रम सं. 2, निविदा सं. एवं कार्य का नाम: ईएनजीजी-म्यूजियमआईबीएच-24-25-एलएलएच** एवं एलएलएच - लिलुआ वर्कशॉप में हेरिटेज म्यूजियम का नवीनीकरण एवं आईबीएच कॉम्प्लेक्स का उन्नयन। **निविदा मूल्य:** रु. 3,00,76,473.08, **बयाना राशि:** रु. 3,00,400/-, **क्रम सं. 3, निविदा सं. एवं कार्य का नाम: ईएनजीजी-एचईआरएसआरआईएनएस24-25 एलएलएच** एवं एलएलएच-लिलुआ वर्कशॉप में मौजूदा जीर्ण-शीर्ण हेरिटेज बिल्डिंग/इंस्टीट्यूट का नवीनीकरण/सुधार। **निविदा मूल्य:** रु. 4,69,13,597.52, **बयाना राशि:** रु. 3,84,600/- **क्रम सं. 4, निविदा सं. एवं कार्य का नाम: एईएन एसटैंकपार्क-25-26-एलएलएच** एवं एलएलएच-लिलुआ में साउथ टैंक पार्क का विकास। **निविदा मूल्य:** रु. 1,26,19,281.10, **बयाना राशि:** रु. 2,13,100/-, **क्रम सं. 5, निविदा सं. एवं कार्य का नाम: बैडमिंटनकोर्ट** एवं एलएलएच-लिलुआ में नए इनडोर बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण । **निविदा मूल्य:** रु. 1,41,21,369.43, **बयाना राशि:** रु. 2,20,600/-, **क्रम सं. 6, निविदा सं. एवं कार्य का नाम: ईएनजीजी-कॉलोनी रोड-25-26-एलएलएच** एवं सीडब्ल्यूएम/लिलुआ के अधीन मतवाला चौरास्ता से खारी लाइन बैरक तक शिवनाथ बनर्जी रोड सहित लिलुआ रेलवे कॉलोनी में सड़क सतह के नवीनीकरण एवं उन्नयन के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 3,91,81,851.85, **बयाना राशि:** रु. 3,45,900/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य (प्रत्येक हेतु)। **समापन अवधि:** 270 दिन (क्रम सं. 1, 2 एवं 3 हेतु) और 180 दिन (क्रम सं. 4, 5 एवं 6 हेतु)। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 23.06.2025 को 12.00 बजे तक। निविदा का विवरण वेबसाइट **https:// www.ireps.gov.in** पर शुद्धिपत्र (यदि कोई है) के साथ उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव को ऑनलाइन जमा करें। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।
MISC-81/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

खुली ई-निविदा

निम्नलिखित **ई-निविदाएँ** लिंक **www.ireps.gov.in** के अधीन प्राप्त की जा सकती हैं। ऐसी ई-निविदा के लिए प्रस्ताव लिंक **www.ireps.gov.in →login→E-Tender Stores/Supply** एक्सेस करते हुए केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जमा किया जा सकता है। किसी विशेष निविदा के बारे में कोई स्पष्टीकरण पाने के लिए या आईआरईपीएस संबंधित जानकारी, यदि कोई है, के लिए विक्रेतागण निम्नलिखित अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं: उप सीएमएम/मुख्यालय/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन, 9163340711 या एसएमएम/कॉन/मुख्यालय, 0341-2535631। **कार्यालय का पता:** पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन का कार्यालय। **[क] सं. सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई-निविदा/19/0162 दिनांक: 26/05/2025। क्रम सं.; निविदा सं.; सामग्री का संक्षिप्त विवरण; मात्रा; बयाना राशि जमा (रुपये); निविदा की अंतिम तिथि और समय (आईएसटी)** निम्नानुसार हैं: [1]; 75253828; (i) सीएलडब्ल्यू के ड्रॉ./स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/एमएस/3/062 ऑल्ट-10 के अनुसार डब्ल्यूएजी-9एचसी लोको के लिए गैस्केट (नॉन-मेटालिक)। (संलग्न सेट विवरण के अनुसार)। [**वारंटी की अवधि:** डिलीवरी की तिथि के बाद 30 माह], (ii) सीएलडब्ल्यू के ड्रॉ./स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/एमएस/3/062 ऑल्ट-10 के अनुसार ईएलएएयू/डानकुनी के लिए गैस्केट (नॉन-मेटालिक)। (संलग्न सेट विवरण के अनुसार)। [**वारंटी की अवधि:** डिलीवरी की तिथि के बाद 30 माह]; (i) **1089.00 सेट,** (ii) **288.00 सेट;** ₹136490.00; **16/06/2025 को सुबह 11.00 बजे।** [2]; 75254082; ड्रॉ. नं. 1209-11-235-173 ऑल्ट .1 और 1209-11-235-174 ऑल्ट.1, कैट. नं.आर/9/0078 के अनुसार डब्ल्यूएजी-9एचसी लोको के लिए फिल्टर फ्रेम असेंबली (फ्लाई स्क्रीन)। [**वारंटी की अवधि:** डिलीवरी की तिथि के बाद 30 माह];**806.00 सेट;** ₹162820.00; **30/06/2025 को सुबह 11.00 बजे।** [3]; 75255046; ड्रॉ. नं. 1209-08.130-616 और सीएलडब्ल्यू स्पेसिफिकेशन नं. सीएलडब्ल्यू/ एमएस/3/160 ऑल्ट. शून्य के तहत डब्ल्यूएजी-9एचसी लोकोमोटिव के लिए ड्राइवर कैब हेतु थर्मल सह साउंड इन्सुलेशन की आपूर्ति और स्थापना (01 लोको सेट में दो कैब शामिल हैं)। [**वारंटी की अवधि:** डिलीवरी की तिथि के बाद 30 माह]; **250.00 सेट;** ₹702100.00; **18/06/2025 को सुबह 11.00 बजे।** [4]; 75254016; ड्रॉ. 1209-01.315-018 ऑल्ट-2 के अनुसार डब्ल्यूएजी-9एचसी के लिए एक्सल होल्डर [**वारंटी की अवधि:** डिलीवरी की तिथि के बाद 30 माह];**4094.00 अदद;** ₹85020.00; **02/07/2025 को सुबह 11.00 बजे।** **[ख] सं. सीओएस/सीआरजे/ पीयूबी/ ई-निविदा/19/0162 दिनांक: 27/05/2025। क्रम सं.: [1]। निविदा सं.:** 70255006। **सामग्री का संक्षिप्त विवरण:** (i) संपूर्ण थ्री फेज डब्ल्यूएपी-7 लोकोमोटिव के लिए आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नं. आरडीएसओ/ 2008/ईएल/एसपीईसी/0071, रिव.5 (ट्रैक्शन कन्वर्टर को छोड़कर प्रोपल्शन इक्विपमेंट) और सीएलडब्ल्यू स्पेसिफिकेशन नं. सीएलडब्ल्यू/ ईएस/3/ आईजी/0/0518 ऑल्ट. सी (डब्ल्यूएपी-7 के लिए रेटिंग 2X600 केवीए के एचएलसी पार्ट वाला ट्रैक्शन कन्वर्टर) के अनुसार डब्ल्यूएपी-7 के लिए कम्पोजिट कन्वर्टर के साथ आईजीबीटी आधारित 3-फेज ड्राइव प्रोपल्शन सिस्टम के साथ फिजिकल मीडियम अर्थात आईईसी-61375 के अनुसार सभी बस स्टेशनों को इंटर-कनेक्ट करने के लिए मल्टी फंक्शनल वेहिकल बस (एमवीबी) हेतु ईएसडी/ ईएमडी/ओएफजी, टर्मिनल ब्रैकेट, बस बार लिंक और कॉपर ब्रेड जो मेन ट्रांसफॉर्मर और ट्रैक्शन कन्वर्टर, ऑग्जिलरी कन्वर्टर, इंटरफेसिंग कनेक्टर के बीच कनेक्शन के लिए आवश्यक है, वीसीयू1/2 से एसबी1/2 पैनल तक कनेक्शन के लिए आवश्यक कनेक्टर के साथ केबल एवं केबल लूम, ट्रैक्शन मोटर स्पीड सेंसर, दोनों सीएबी के लिए ड्राइवर डिस्प्ले यूनिट (एस) और इंटरफेस के साथ फिट किए हुए संपूर्ण असेंबल्ड एवं वायर्ड पैनल सी के साथ, जो निम्नलिखित स्पेसिफिकेशन के अनुसार है: (I) ट्रैक्शन कन्वर्टर को छोड़कर आईजीबीटी आधारित 3-फेज ड्राइव प्रोपल्शन इक्विपमेंट के लिए आरडीएसओ/ 2008/ईएल/एसपीईसी/ 0071,रिव.5, (II) कम्पोजिट कन्वर्टर के लिए सीएलडब्ल्यू/ ईएस/3/आईजीबीटी/ 0518 ऑल्ट. सी, (III) आईजीबीटी ट्रैक्शन कन्वर्टर के लिए टीएम स्पीड सेंसर हेतु सीएलडब्ल्यू/ ईएस/3/0528 ऑल्ट-ए, (IV) कॉपर ब्रेड के लिए सीएलडब्ल्यू/ ईएस/3/ 0138 ऑल्ट-ए, (V) कंट्रोल केबल के लिए सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0458 ऑल्ट.ई, (VI) स्क्रीन्ड केबल के लिए सीएलडब्ल्यू/ईएस/ 3/0459 ऑल्ट.सी, (VII) कनेक्टर के सेट के लिए सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0124 ऑल्ट 'ओ' (VIII) पैनल सी (डायग्नोस्टिक टर्मिनल के बिना) के लिए सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0240 ऑल्ट-बी, (IX) आरडीएसओ मॉडिफिकेशन शीट नं. आरडीएसओ/2012/एमएस/0413 रिव 1 (X) आरडीएसओ मॉडिफिकेशन शीट नं. आरडीएसओ/2020/ ईएल/एमएस/0482, रिव '1' (XI) आरडीएसओ मॉडिफिकेशन शीट नं. आरडीएसओ/2017/ ईएल/एमएस/0457 रिव-0 (XII) आईजीबीटी आधारित 3-फेज ड्राइव प्रोपल्शन इक्विपमेंट के सब-कम्पोनेंट के लिए लागू सभी प्रासंगिक आरडीएसओ मॉडिफिकेशन शीट कार्यान्वित किए जाने चाहिए। उपर्युक्त विवरण के अलावा, कम्पोजिट कन्वर्टर के साथ प्रोपल्शन सिस्टम को "आवश्यकता की अनुसूची" (एसओआर) में उल्लिखित आवश्यकता का भी अनुपालन करना चाहिए, निविदा कागजातों के साथ प्रति संलग्न है। [**वारंटी की अवधि:** डिलीवरी की तिथि के बाद 72 माह], (ii) अप्रैल-2025 में जारी किए गए स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ एएमसी/सी-डी एंड डी/08 के तहत कम्पोजिट कन्वर्टर के साथ आईजीबीटी आधारित प्रोपल्शन सिस्टम का तीन वर्ष के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) [**वारंटी की अवधि:** 5 वर्ष, **एएमसी की अवधि:** 3 वर्ष, **डिस्काउंटिंग की दर:** 10%]। **मात्रा:** (i) **20.00 सेट,** (ii) **20.00 सेट। बयाना राशि जमा (रुपये):** ₹5000000.00। **निविदा की अंतिम तिथि और समय (आईएसटी): 17/06/2025 को सुबह 11.00 बजे।**

PR3-059 पीसीएमएम/चिरेका/चित्तरंजन

हमें: www.facebook.com/clwrailways पर लाइक करें

आम तोड़ने को लेकर दो दोस्तों के बीच हुआ झगड़ा, एक की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के गोबरडांगा थाना अंतर्गत मल्लिकपुर रोड झंझनिया इलाके में सोमवार को आम तोड़ने को लेकर दो दोस्तों के बीच हुए झगड़े में एक युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान बशीर मंडल (33) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बशीर मंडल अपने कुछ दोस्तों के साथ पास के एक बगीचे में आम चुनने गया था। वहीं मौजूद उसके पुराने दोस्त राजीबुल मंडल से किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में तब्दील हो गई। आरोप है कि राजीबुल ने बशीर पर लाठी से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। झगड़े के दौरान अन्य दोस्तों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की और बशीर के परिवार को सूचना दी। बशीर को गंभीर अवस्था में हाबरा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को गंभीर बताते हुए बारासात मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान सोमवार की शाम को उसकी मौत हो गई। मेडिकल जांच में यह सामने आया कि बशीर की रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई थीं, जिसके चलते उसके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। मृतक के परिवार ने इस घटना को लेकर गोबरडांगा थाने में राजीबुल मंडल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी फरार है और उसकी तलाश के लिए इलाके में छापेमारी की जा रही है। बशीर मंडल का शव पोस्टमार्टम के लिए बारासात मेडिकल कॉलेज के शवगृह में भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह मामला आपसी विवाद से उपजा हिंसक झगड़ा था।

सचिव स्तर पर फेरबदल, राजीव कुमार की जिम्मेदारी कमी

कोलकाता, समाज्ञा : आईपीएस में बदलाव के साथ ही सचिव स्तर पर कुछ सचिवों का फेरबदल किया गया है। कुछ सचिवों को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है तो कुछ को पद से हटाया गया है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सूत्रों के अनुसार, डीजी राजीव कुमार को सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव पद से मुक्त कर दिया गया है। मंगलवार से अनूप अग्रवाल यह जिम्मेदारी संभालेंगे। इससे पहले राज्य के एडीजी (सीआईडी) के पद पर रहते हुए आईपीएस अधिकारी राजीव कुमार को 2019 में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव का पद दिया गया था।

उधर, सुधारात्मक संस्थान विभाग के नए अतिरिक्त मुख्य सचिव हृदेश मोहन हैं। वे अब तक सामान्य शिक्षा एवं पुस्तकालय विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब से यह जिम्मेदारी आईपीएस राजेश कुमार संभालेंगे। अभी तक यह आईपीएस सुधारात्मक संस्थान विभाग के सचिव थे। तकनीकी शिक्षा विभाग के इस अतिरिक्त मुख्य सचिव के जिम्मे सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग अतिरिक्त जिम्मेदारी होगी।

पुलिस महकमा में बड़ा फेरबदल, विनीत गोयल समेत कई आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी

राज्य में पुलिस महकमा में बड़ा फेरबदल हुआ है। कई पुलिस अधिकारियों को एक पद से दूसरे पद पर स्थानांतरित किया गया है। कई आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह किसी को दूसरे विभाग में भेजा गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, पूरा मामला रूटीन फेरबदल है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विनीत गोयल को एडीजी-आईजी एसटीएफ के साथ-साथ एडीजी-आईजी प्रशासन की भी जिम्मेदारी दी गई है। अजय रानाडे का तबादला होमगार्ड में किया गया है। इसके साथ ही श्याम सिंह को डीजी और आईजी साइबर सेल के पद पर लाया गया है। दमयंती सेन को एडीजी-आईजी पॉलिसी से एडीजी-आईजी एपी बनाया गया है। हरि किशोर कुसुमाकर को एडीजी साइबर से एडीजी-आईजी कोस्टल सिक्योरिटी में भेजा गया है। आनंद कुमार को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। एडीजी लीगल सेल के साथ ही उन्हें एडीजी-आईजी पॉलिसी की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। शंखशुभ्र चक्रवर्ती को आईजी सीआईडी खख और आईजी साइबर सेल की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।

हत्या के आरोपियों को हाई कोर्ट ने दी जमानत, ट्रायल में देरी को बताया वजह

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए हत्या के दो आरोपी विचाराधीन कैदियों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। बता दें कि दोनों आरोपी बीते 12 वर्षों से जेल में बंद थे। अदालत ने कहा कि मुकदमे में देरी हुई है, जिसके चलते आरोपी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जमानत पाने के अधिकारी हैं। आरोपियों मुन्ना ढाली और नबू ढाली समेत चार लोगों पर साल 2012 में दक्षिण 24 परगना में चार लोगों की हत्या का आरोप है। जस्टिस सुव्रा घोष ने 15 मई को दिए अपने फैसले में कहा कि 'बिना मामले के गुण दोष को छुए, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जमानत की अपील को स्वीकार किया जाता है।' फैसले की विस्तृत जानकारी अब सामने आई है। एक अन्य आरोपी राजेश दास को भी इसी आधार पर पूर्व में जमानत दी जा चुकी है। वहीं चौथे आरोपी सत्तार मंडल को अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत देने से मना कर दिया गया। चारों पर 6 सितंबर, 2012 में दीपक भट्टाचार्य, उसकी मां और उसके घर में काम करने वाली दो सहायिकाओं की हत्या करने का आरोप है। ये हत्याएं दीपक के घर पर की गईं थी। पुलिस ने 9 सितंबर 2012 को इन चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। जस्टिस घोष ने कहा कि आरोपी मुन्ना ढाली और नबू ढाली ने 12 साल जेल में बिताने के बाद पहली बार जमानत देने की अपील की है। साथ ही जज ने माना कि इस मुकदमे में फिलहाल कोई प्रगति नहीं हो रही है। ऐसे में आरोपियों को जमानत देने का आदेश दिया। आदेश में जज ने याचिकाकर्ताओं को 10,000 रुपये के बांड और दो जमानतदारों के 10 हजार रुपये के बॉन्ड लेकर जमानत पर रिहा किया जाए। शर्त के मुताबिक जमानतदारों में से एक स्थानीय होना जरूरी है। आरोपियों को जमानत देते हुए जज ने हिदायत दी कि वे गवाहों को धमकाने या सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश न करें।

मोबाइल चोरी के आरोप में किशोर को उल्टा लटकाकर दिया इलेक्ट्रिक शॉक, फैक्ट्री मालिक फरार

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता संतोषपुर के रवींद्रनगर थाना क्षेत्र में मोबाइल चोरी के आरोप में एक किशोर के साथ बर्बरता का मामला सामने आया है। आरोप है कि किशोर को बांधकर उल्टा लटकाया गया और उस पर इलेक्ट्रिक शॉक दिया गया। पीड़ित किशोर उत्तर दिनाजपुर के इस्लामपुर इलाके का निवासी है, जो लगभग एक महीने पहले अपने चाचा के साथ रवींद्रनगर की एक फैक्ट्री में काम करने गया था। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह मामला उजागर हुआ है।

जानकारी के अनुसार, रवींद्रनगर थाना क्षेत्र के महेशतला पुरसवर के 8 नंबर वार्ड के कानकुली पूर्वपाड़ा में जीन्स पेंट रंगने की एक फैक्ट्री है, जिसे लगभग तीन साल पहले शहनशाह नामक व्यक्ति ने किराए पर लिया था। पीड़ित किशोर और उसका चाचा इसी फैक्ट्री में काम करते थे। मोबाइल चोरी के आरोप में किशोर को दोषी ठहराकर उसकी निर्मम पिटाई की गई, हाथ-पांव बांधकर उल्टा लटकाया गया और इलेक्ट्रिक शॉक देकर पीटा गया। इस्लामपुर में पीड़ित के परिवार ने पुलिस से संपर्क किया है और पुलिस ने फैक्ट्री के कर्मचारियों से पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी फैक्ट्री मालिक फरार है और उसकी तलाश जारी है। फैक्ट्री को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अनदेखी कर शिक्षक भर्ती विज्ञप्ति

4 शिक्षा अधिकारियों को अवमानना नोटिस

कोलकाता : 2025 में शिक्षक नियुक्ति को लेकर जारी की गई नई विज्ञप्ति को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के विरुद्ध मानते हुए कोलकाता हाई कोर्ट में पहले से ही एक याचिका दायर है, जिसकी सुनवाई 5 जून को निर्धारित है। इसी सिलसिले में अब चार शीर्ष शिक्षा अधिकारियों को अदालत की अवमानना का नोटिस भेजा गया है।

सूत्रों के अनुसार, एक वकील द्वारा यह नोटिस स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव, विभाग के आयुक्त, स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) के चेयरमैन तथा माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष को भेजा गया है। नोटिस में आरोप है कि इन अधिकारियों ने जानबूझकर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना की है।

गौरतलब है कि 2016 की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था और राज्य सरकार को आदेश दिया था कि 26,000 शिक्षक और गैर-शिक्षकीय कर्मियों की नई प्रक्रिया से पुनर्नियुक्ति की जाए। इसके अनुसार ही 30 मई 2025 को नई भर्ती विज्ञप्ति जारी की गई थी। लेकिन आरोप है कि इस विज्ञप्ति में सुप्रीम कोर्ट के सभी निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

याचिकाकर्ता और कुछ वकीलों का कहना है कि:

- ❑ पैसे वापसी की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हुई है।
- ❑ ओएमआर शीट प्रकाशित नहीं की गई।
- ❑ जिन उम्मीदवारों को सुप्रीम कोर्ट ने 'अयोग्य' ठहराया था, उन्हें भी फिर से आवेदन की अनुमति दी जा रही है।
- ❑ 2025 की नई नियमावली के तहत अनुभव को अतिरिक्त अंक देने का प्रावधान है, जो कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ है।

नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि नियुक्ति प्रक्रिया में कई नियमों का उल्लंघन किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि शीर्ष अदालत के आदेशों को नजरअंदाज किया गया।

अब देखना होगा कि आगामी 5 जून को इस मामले की सुनवाई में कोलकाता हाई कोर्ट क्या रुख अपनाता है।

केंद्र की मंजूरी नहीं मिलने पर ताजपुर बंदरगाह परियोजना से आदानी समूह को हटाया गया

राज्य मंत्रिमंडल का निर्णयः अब इस परियोजना के लिए नए सिरे से टेंडर निकाला जाएगा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने ताजपुर में गहरे समुद्री बंदरगाह बनाने की परियोजना से आदानी समूह को हटा दिया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार की विभिन्न परीक्षण प्रक्रियाओं में आदानी समूह विफल होने के कारण यह निर्णय लिया गया है।

राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को नबन्ना में हुई बैठक में इस परियोजना को फिर से टेंडर के माध्यम से शुरू करने का अंतिम निर्णय लिया। पहले राज्य मंत्रिमंडल ने इस परियोजना के लिए आदानी समूह को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) जारी करने की मंजूरी दी थी, जिसे अब रद्द कर दिया गया है। मंत्रिमंडल के इस फैसले के बाद मंगलवार को सरकार की ओर से आधिकारिक अधिसूचना भी जारी कर दी गई।

नबन्ना सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, ताजपुर बंदरगाह निर्माण की निविदा प्रक्रिया में एपीएसईज़ेड (अडानी पोर्ट्स और विशेष आर्थिक क्षेत्र) ने सबसे ऊंची बोली लगाई थी। इसके बाद केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और जहाजरानी मंत्रालय से आवश्यक मंज़ूरी मांगी गई थी। लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, आदानी समूह सभी शर्तों को पूरी तरह पूरा नहीं कर पाया, जिससे केंद्र की तरफ से अनुमोदन नहीं मिला।

इस कारण अंततः राज्य सरकार ने इस परियोजना को आदानी समूह के हवाले रखने का फैसला वापस ले लिया है। अब राज्य सरकार इस परियोजना को नए टेंडर के ज़रिये आगे बढ़ाना चाहती है।

मालदह में सड़क दुर्घटना में पुलिस कांस्टेबल की मौत

मालदह : सड़क दुर्घटना में सोमवार की देर रात राज्य पुलिस के एक कांस्टेबल की मौत हो गई। मृत कांस्टेबल का नाम विश्वजीत घोष (40) है। वह कालियाचक के नाजिरपुर इलाके के निवासी थे। वह मालदह जिला पुलिस लाइन में कार्यरत थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विश्वजीत घोष सोमवार की रात अपनी बाइक से साहापुर इलाके में जा रहा था। तभी, तेज रफ्तार एक कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे विश्वजीत घोष गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय निवासियों ने पुलिस कर्मी को बरामद कर मालदा मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मालदह थाने की पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

वक्फ कानून के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने राज्यपाल से की मुलाकात

कोलकाता, समाज्ञा : वक्फ संशोधन विधेयक 2025 का विरोध कर रहे ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को कोलकाता में राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें राष्ट्रपति का ध्यान इस विधेयक के विरोध की ओर आकर्षित करने की मांग की गई है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड देशभर में वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा की मांग कर रहा है और वक्फ संशोधन विधेयक 2025 का पुरजोर विरोध कर रहा है। अपनी इस मांग को और मजबूत करने के लिए, बोर्ड 13 तारीख को राज्यव्यापी मानव श्रृंखला के माध्यम से इस विरोध प्रदर्शन को तेज करने की योजना बना रहा है।

16 अवैध घुसपैठिए दिनहाटा में बांग्लादेश लौटने से पहले गिरफ्तार

कूचबिहार : कूचबिहार के दिनहाटा इलाके में सोमवार रात 16 अवैध घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है। जो दिल्ली में प्रवासी मजदूर के रूप में काम करने के बाद बांग्लादेश लौटने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने फोलिमारी स्टेशन के पास इन्हें दबोचा, जिनमें छह पुरुष, चार महिलाएं और छह नाबालिग शामिल थे। मंगलवार को गिरफ्तार आरोपियों को दिनहाटा अदालत में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, ये सभी पांच-छह साल पहले अवैध रूप से बांग्लादेश से भारत में दाखिल हुए थे और उसके बाद देश के विभिन्न हिस्सों में काम करते रहे। हाल ही में कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी हमले के बाद विभिन्न राज्यों की पुलिस-

प्रशासन ने घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तेज कर दी है, जिसके चलते सीमा क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी बीच ये घुसपैठिए सीमा पार करके बांग्लादेश लौटने की योजना बना रहे थे। जांच में पता चला कि ये सभी कुरीग्राम इलाके के निवासी हैं और इनके पास से कुछ दस्तावेज भी बरामद हुए हैं, जिनके नकली होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की जांच जारी रखे हुए है।

मालदह अस्पताल में इलाज के दौरान विचाराधीन कैदी की मौत

मालदह : मालदह मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में मालदह संशोधनागार के एक कैदी ने मंगलवार के तड़के दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान प्रबीर मंडल (21) के रूप में हुई है। वह शारीरिक बीमारी के कारण मालदह मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में भर्ती था। मालदह संशोधनागार सूत्रों के अनुसार, युवक 31 मई को जेल में अचानक बीमार पड़ गया था। उसे बहुत उल्टी हो रही थी। उसे तुरंत मालदह मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को उसकी शारीरिक हालत बिगड़ने पर उसे सीसीयू में शिफ्ट किया गया था। हालांकि, उसकी जान नहीं बच सकी। मृत युवक मालदह जिले के मानिकचक थाना अंतर्गत भुटनी का रहने वाला है। होली के दिन उसका अपने भाई से खेत में मवेशी घुसने को

लेकर झगड़ा हुआ था। उस समय प्रबीर मंडल, उसकी मां, पिता और बहन पर अपने भाई की धारदार हथियार से हत्या करने का आरोप लगा था। प्रबीर मंडल के भाई मानिकचक पंचायत समिति के हीरानंदपुर ग्राम पंचायत के सचिव के पद पर कार्यरत थे। इस घटना में पुलिस ने प्रबीर मंडल को उसके माता-पिता के साथ गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने बताया कि कुछ समय पुलिस हिरासत में बिताने के बाद तीनों को एक अप्रैल को मालदह संशोधनागार लाया गया था।

नदिया में सड़क हादसे में महिला की मौत, आरोपी ट्रैक्टर चालक फरार

कोलकाता : नदिया जिले में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई। मरुटिया थाना अंतर्गत बेराम चंद्रपुर ठाकुरपाड़ा की निवासी सुलेखा सरकार अपने पति प्रणव सरकार के साथ करीमपुर से बाजार करके मोटरसाइकिल से घर लौट रही थीं। इसी दौरान, मोटरसाइकिल अनियंत्रित होते हुए सड़क के किनारे चल रहे ईंटों से भरे ट्रैक्टर के नीचे आ गईं और ट्रैक्टर के पहिए के नीचे दब गईं। यह हादसा होगलबाड़िया थाना क्षेत्र के नटन और बांशबेड़िया जाने वाले कालवर्ट के पास हुआ। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जो घटनास्थल पर पहुंची और घायल दंपती को प्राथमिक उपचार के लिए करीमपुर अस्पताल भेजा। वहां ड्यूटी

पर तैनात डॉक्टर ने सुलेखा सरकार को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनके पति प्रणव सरकार का इलाज जारी है। घटनास्थल से ट्रैक्टर चालक फरार हो गया है, लेकिन पुलिस ट्रैक्टर को जब्त कर थाने ले गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। करीमपुर अस्पताल प्रशासन ने मृतका का शव करीमपुर थाना को सौंप दिया है, जिसे पोस्टमार्टम के लिए शक्तिनगर जिला अस्पताल भेजा गया है।

पर्पल लाइन मेट्रो सेवा 04 जून 2025 को 40 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध रहेगी

कोलकाता : तकनीकी कारणों के चलते पर्पल लाइन मेट्रो की सेवाएं कल, 04 जून 2025 को सामान्य 24 मिनट की बजाय 40 मिनट के अंतराल पर संचालित की जाएंगी। इस दिन कुल 38 सेवाएं (19 अप और 19 डाउन) चलाई जाएंगी, जबकि सामान्य दिनों में कुल 62 सेवाएं चलाई जाती हैं। जोका से पहली सेवा सुबह 08:00 बजे शुरू होगी, माझेरहाट से पहली सेवा सुबह 08:20 बजे चलेगी, जोका से अंतिम सेवा रात 20:00 बजे दी जाएगी वहीं माझेरहाट से अंतिम सेवा रात 20:20 बजे रवाना होगी।

चेन पुलिंग से ट्रेनों में देरी, जिम्मेदारी से करें उपयोग

सियालदह मंडल ने दुरुपयोग पर दिखाई सख्ती

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने ट्रेनों में अनावश्यक अलार्म चेन खींचने की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया है। रेलवे के मुताबिक, अलार्म चेन का उद्देश्य केवल आपातकालीन स्थितियों जैसे चिकित्सकीय आपदा या तत्काल सुरक्षा संकट के समय सहायता के लिए है। परंतु हाल के समय में यह देखा गया है कि कुछ यात्री इसे निजी कारणों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, जो कानूनन गलत और खतरनाक दोनों है।

आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में सियालदह मंडल में 120 मामलों में यात्रियों ने अनावश्यक रूप से अलार्म चेन खींचा, जिनमें से सभी पर 1.1 लाख का कुल जुर्माना लगाया गया। वहीं, 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 207 तक पहुंची और 1.89 लाख का जुर्माना वसूला गया। हाल ही में, 1 अप्रैल से 30 मई 2025 के बीच 26 नए मामले सामने आए, जिन पर 17,250 का जुर्माना लगाया गया। पूर्व रेलवे द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे अलार्म चेन का प्रयोग केवल अत्यावश्यक परिस्थितियों में करें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जल संरक्षण और जनजागरूकता के लिए चलाए गए कार्यक्रम

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने मंगलवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के तहत प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें थीम पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए। मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार के मार्गदर्शन में इन प्रयासों का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जल बचाव और जनजागरूकता को बढ़ावा देना रहा। बंडेल में वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण प्रणाली स्थापित की गई, जिससे रेलवे परिसरों में जल की आत्मनिर्भरता बढ़े। इसके साथ ही बंडेल व धात्रिग्राम में जल निकायों की सफाई कर पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया। साथ ही, पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने के लिए एनजीओ के सहयोग

से नुक्कड़ नाटक और संवाद सत्रों का आयोजन किया गया। आजिमगंज और रामपुरहाट में छात्रों व स्थानीय नागरिकों को प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। वर्दवान में संवाद कार्यक्रमों के जरिए युवाओं को पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित किया गया। कतवा में नुक्कड़ नाटक ने सामुदायिक सहभागिता की भूमिका को उजागर किया, जबकि बामनगाछी रेलवे कॉलोनी में बच्चों के साथ संवाद कर जल संरक्षण की आवश्यकता पर चर्चा हुई।

इन्फोसिस फाउंडेशन ने 'आरोहण सोशल इनोवेशन अवार्ड 2025' का चौथा संस्करण किया लॉन्च

कोलकाता/दुर्गापुर : इन्फोसिस फाउंडेशन ने 'आरोहण सोशल इनो-वेशन अवार्ड 2025' के चौथे संस्करण की घोषणा की है। यह पुरस्कार टेक्न-ोलॉजी-आधारित ऐसे सामाजिक नव-ाचारों को पहचान और सहयोग देने का माध्यम है, जो वंचित समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इस वर्ष कुल 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी, जिसमें प्रत्येक विजेता को 50 लाख रुपये तक दिए जाएंगे। ट्रस्टी सुमित विरमानी ने बताया कि फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देना चाहता है। आवेदन 24 अप्रैल से 15 जून, 2025 तक किए जा सकते हैं। भारत में रहने वाले 18 वर्ष से ऊपर के नागरिक पात्र होंगे। तीन श्रेणियों-शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण में आवेदन आमंत्रित हैं। आवेदन में वीडियो प्रस्तुति अनिवार्य है और केवल कार्यशील प्रोटोटाइप या पूर्ण प्रोजेक्ट पर आधारित प्रविष्टियां स्वीकार की जाएंगी।

नंदीग्राम में करंट लगने से सिविक वॉलंटियर की मौत

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के नंदीग्राम में एक सिविक वॉलेंटियर उमा शंकर करण की करंट लगने से मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब वे अपने घर में सब्जी की बागवानी के लिए टुल्लू पंप चला रहे थे। घटना नंदीग्राम ब्लॉक-1 के गोकुलनगर ग्राम पंचायत क्षेत्र के जम्बारी गांव की है, जहां उमा शंकर करण अपने घर पर पंप बंद करने के दौरान बिजली की लाइन को ठीक कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें अचानक तेज करंट लगा और वे बेहोश होकर गिर पड़े। परिजनों ने तुरंत उन्हें नंदीग्राम सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उमा शंकर पेशे से सिविक वॉलंटियर थे और उनकी तैनाती पूर्व मेदिनीपुर जिला खुफिया शाखा (आईबी कार्यालय) में थी। वे ड्यूटी के बाद अपने गांव लौटकर खेती-बाड़ी का काम करते थे। उमा शंकर करण के आकस्मिक निधन से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वे घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे।

डोमकल में आम के बगीचे से ताजा बम बरामद, पुलिस जांच में जुटी

मुर्शिदाबाद : जिले के डोमकल क्षेत्र में एक आम के बगीचे से जार में भरे ताजा बम बरामद होने से हड़कंप मच गया है। इस घटना को लेकर सोमवार रात से ही डोमकल थाने के बाजितपुर इलाके में काफी सरगर्मी देखी जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, डोमकल थाने की पुलिस को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर सोमवार की रात बाजितपुर गांव में एक आम के बगीचे में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान, एक घर के पास से जार में भरे हुए ताजा बम बरामद किए गए। हालांकि, जिस घर के पास से ये बम मिले हैं, उस परिवार के सदस्यों का दावा है कि उन्हें इस बारे में कुछ भी पता नहीं था। किसने या किस मकसद से इतनी बड़ी संख्या में बम इस जगह पर रखे थे, यह मामला अभी भी रहस्य बना हुआ है। डोमकल थाने ने इस घटना की पूरी जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन बमों को किसने और किस उद्देश्य से यहां छिपाया था, और क्या इसका संबंध किसी आपराधिक या राजनीतिक गतिविधि से है।

तत्काल बुकिंग पर नए दिशानिर्देशों का प्रभावः टिकट दलालों पर सख्ती, यात्रियों को राहत

खड़गपुर : टिकट दलाली पर लगाम लगाने के उद्देश्य से खड़गपुर मंडल ने 3 जून 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया में कुछ नए दिशानिर्देशों को प्रयोगात्मक तौर पर लागू किया है। इन नए नियमों के तहत अब तत्काल टिकट बुकिंग करवाने वाले यात्री को अपना आधार कार्ड या मतदाता पहचान पत्र अपने साथ लाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही उस पहचान पत्र की स्वयं-सत्यापित फोटोकॉपी भी बुकिंग काउंटर पर जमा करनी होगी, जो कार्यालय अभिलेखों के लिए रखी जाएगी।

इन नए नियमों की जानकारी पहले ही प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से आम जनता को दी गई थी। इसके अतिरिक्त, पीआरएस केंद्रों और बुकिंग काउंटरों पर भी नोटिस बोर्ड पर स्पष्ट सूचना चिपकाई गई थी।

नए दिशानिर्देशों का प्रभाव पहले ही दिन देखने को मिला। 3 जून को जब खड़गपुर स्टेशन पर निरीक्षण दल ने तत्काल बुकिंग खिड़की का दौरा किया, तो उन्होंने देखा कि कई लोग कतार में खड़े थे। लेकिन जैसे ही टीम ने उनसे पहचान पत्र की स्वयं-सत्यापित प्रतिलिपि और टिकट आवेदन पत्र मांगा, तो उनमें से अधिकांश लोग कतार छोड़कर भाग गए। केवल दो ही व्यक्ति वैध दस्ता-वेजों के साथ खड़े पाए गए।

इस पहल से न सिर्फ बुकिंग खिड़की पर भीड़ में कमी आई है, बल्कि असली यात्रियों को राहत मिली है और टिकट दलालों की गतिविधियों पर सख्ती से अंकुश भी लगा है। रेल प्रशासन ने संकेत दिया है कि यदि यह प्रयोग सफल रहा, तो भविष्य में इसे अन्य स्टेशनों पर भी लागू किया जा सकता है।

पूर्व रेलवे ने जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त परिवेश का दिया संदेश

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर विविध कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया। इस वर्ष की थीम जल संरक्षण और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन रही, जिसके अंतर्गत स्टेशन परिसरों में वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण प्रणालियों की स्थापना को बढ़ावा दिया गया। रेलवे परिसरों के पास स्थित जलाशयों की सफाई व पुनर्जीवन कार्य भी किया गया, जिससे जल संसाधनों के सतत उपयोग का संदेश दिया जा सके। सामान्य जनता तक जागरूकता फैलाने हेतु स्थानीय एनजीओ के सहयोग से नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए, जिनमें प्लास्टिक उपयोग को कम करने और जल प्रदूषण को रोकने का संदेश प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। स्कूली बच्चों के लिए आयोजित संवादात्मक कार्यक्रमों में उन्हें पर्यावरणीय समस्याओं और उनके समाधान के सरल तरीकों से अवगत कराया गया। यह संपूर्ण अभियान पूर्व रेलवे की हरित सोच को दर्शाता है, जो यात्रियों, कर्मचारियों और विक्रेताओं में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की दिशा में एक सशक्त पहल है।

दक्षिण पूर्व रेलवे ने दो नई मेमू पैसेंजर ट्रेन सेवाओं की शुरूआत की

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए दो नई मेमू पैसेंजर ट्रेन सेवाएं शुरू की जा रही हैं। जो 6 जून 2025 से प्रभावी होंगी। इसके तहत, ट्रेन संख्या 68137/68138 टाटानगर-चाईबासा-टाटानगर मेमू पैसेंजर, हर रात 20:55 बजे टाटानगर से रवाना होकर 23:00 बजे चाईबासा पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन सुबह 03:20 बजे चाईबासा से चलकर 05:45 बजे टाटानगर पहुंचेगी। इस रूट पर ट्रेन आदित्यपुर, गम्हरिया, बिरबंस, सिनी, महालिमारूप, राजखरसावां और पंद्रासाली स्टेशनों पर रुकेगी। दूसरी सेवा, ट्रेन संख्या 68128/68127 टाटानगर-चाकुलिया-टाटानगर मेमू पैसेंजर, सुबह 11:00 बजे टाटानगर से चलकर दोपहर 12:45 बजे चाकुलिया पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 15:00 बजे चाकुलिया से रवाना होकर शाम 17:00 बजे टाटानगर लौटेगी। इस रूट पर ट्रेन सालगाझड़ी, गोविंदपुर, आसनबोनी, राखा माइंस, गलूडीह, घाटशिला, चिरुगोड़ा, दलभूमगढ़ और कोकपाड़ा स्टेशनों पर ठहरेगी।

कांग्रेस सेवादल ने लाइसेंस के मूल्य वृद्धि के विरोध में केएमसी मुख्यालय के सामने किया प्रदर्शन

'भारत में निवेश' पर पुस्तक का विमोचन

कोलकाता, समाज्ञा : 'भारत में निवेश' नामक पुस्तक का विमोचन हुआ। पुस्तक का विमोचन एक मई को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी द्वारा यायमूर्ति एन. वजारी, वरिष्ठ अधिवक्ता अमल कुमार गांगुली, राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश और राज्यसभा सदस्य शमिक भट्टाचार्य के साथ किया गया। इस अवसर पर भारत के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति बी.एन. श्रीकृष्ण, स्वच्छ न्यालय के पूर्व न्यायाधीश हमत गुस्सा, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा, भारत के रजपूती के प्रेस सचिव, वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश खन्ना, जोय बासु, अतुल चिताले

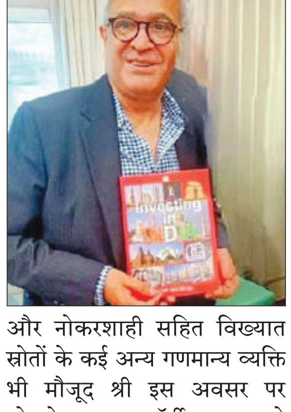

और नोकरशाही सहित विख्यात स्रोतों के कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद श्री इस अवसर पर बोलते हुए, अटॉर्नी जनरल ने पुस्तक के विषय के अनुरूप पर जोर दिया और भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति पर प्रकाश डाला।

मनीषिका द्वारा स्काउट एवं गाइड छात्र - छात्राओं को प्रशिक्षण

कोलकाता : पुष्करलाल केडिया स्काउट्स एंड गाइड्स ग्रुप द्वारा मनीषिका के सहयोग से ओरिएंटल सेमिनरी स्कूल में 2 दिवसीय पेट्रोल लीडर प्रशिक्षण शिविर में राज्य के ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर प्रबोध रंजन विश्वास, असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर विजय ठाकुर, समाजसेवी मनमोहन केडिया, श्री विट्ठल नाथ विद्यालय के प्रिंसिपल जोगेश कुमार सिंह, डॉक्टर सपन दत्त, संगीता केडिया, कुमकुम सिंह ने छात्र - छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। मनमोहन केडिया, संगीता केडिया एवम् अतिथियों ने छात्र - छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा स्काउट एवम् गाइडस ग्रुप छात्र - छात्रा के जीवन में अनुशासन, राष्ट्रीय चेतना, चरित्र निर्माण, सांस्कृतिक सद्भावना से जोड़ता है, संस्कार निर्माण करता है।

इस अवसर पर पिरामिड एवम् सांस्कृतिक कार्यक्रम की सभी ने सराहना की। पवन केडिया, मोहन केडिया, ग्रुप लीडर पवन खेमका, विनेश जोशी, गणेश सिंह, किशन झा, उत्सव वर्मा, विनय पाण्डेय एवं छात्र - छात्राओं ने अतिथियों का स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया। 15 अगस्त 2025 को पुष्करलाल केडिया स्काउट्स एंड गाइड्स ग्रुप के 5 वर्ष पूर्ण होंगे। मनीषिका के सचिव अमित केडिया, सचिन केडिया, विनय मस्करा, डॉक्टर कमलेश जैन एवम् कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

भाजपा में अंदरूनी कलह : तृणमूल नेता के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान आपस में ही भिड़े भाजपा कार्यकर्ता

तृणमूल नेता के गाली वाले ऑडियो के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई धक्का-मुक्की

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल नेता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान आवास में भी भाजपा कार्यकर्ता एक दूसरे भिड़ गए। वैसे भी बंगाल भाजपा में गुटबाजी सर्वविदित है। मंगलवार की सुबह कोलकाता के साल्टलेक के करुणामयी इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं आपस में ही मारपीट करने लगे। यह घटना उस समय घटी जब भाजपा कार्यकर्ता तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल की पुलिस अधिकारी को गाली देने वाले कथित वायरल

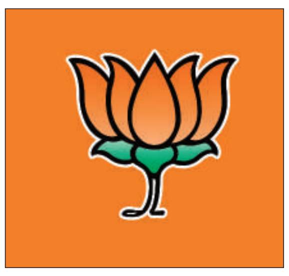

ऑडियो क्लिप को लेकर उनकी गिरफ्तारी की मांग पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस प्रदर्शन का आयोजन विधाननगर के भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया था। प्रदर्शन के दौरान, लेकटाउन क्षेत्र के भाजपा नेता पीयूष कनारिया के नेतृत्व में एक अन्य गुट वहां पहुंचा। इसके बाद दोनों गुटों के बीच शुरू हुई बहस देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। चश्मदीदों के अनुसार, कुछ कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर न केवल गाली दे रहे थे बल्कि धक्का-मुक्की और मारपीट तक की नौबत आ गई। विधाननगर के भाजपा नेतृत्व ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि पीयूष कनारिया, जो उनके अनुसार एक निलंबित भाजपा कार्यकर्ता हैं, अपने समर्थकों के साथ प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और वहां अशांति फैलाने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कनारिया का मकसद विरोध प्रदर्शन को भटकाना और संगठन में अशांति फैलाना था। वहीं दूसरी ओर, पीयूष कनारिया ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि हमारी पार्टी बड़ी हो रही है, इसलिए कुछ लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मतभेद पार्टी के अंदर है, लेकिन इन्हें मिल बैठकर सुलझाया जा सकता है। घटना ने पार्टी की आंतरिक अनुशासन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहले भी भाजपा की बंगाल इकाई में गुटबाजी की खबरें आती रही हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से इस प्रकार की हाथापाई पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली कही जा सकती है। ऐसे समय में जब पार्टी राज्य में विपक्ष के तौर पर खुद को मजबूत करने का प्रयास कर रही है, कार्यकर्ताओं का यह बर्ताव नेतृत्व के लिए बड़ी सिरदर्दी बन सकता है।

बेलगछिया भगाड़ में आपदा को लेकर हावड़ा नगर निगम को लगा जुर्माना

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के बेलगछिया भगाड़ में आपदा को लेकर हावड़ा नगर निगम मुश्किल में पड़ गई है। राष्ट्रीय पर्यावरण न्यायालय ने जुर्माने का आदेश दिया है। यह आदेश राष्ट्रीय हरित अधिकरण की पूर्वी जोन बेंच ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का उल्लंघन करने पर जारी किया है। साथ ही, कोर्ट ने हावड़ा नगर निगम के कमिश्नर वंदना पोखरियाल को अगली सुनवाई में सशरीर उपस्थित रहने को कहा है। बता दें कि गत 20 मार्च को बेलगछिया भगाड़ में भयंकर आपदा आई थी। भगाड़ से सटा इलाका भूस्खलन की चपेट में आ गया था। लंबे समय तक लाखों मीट्रिक टन कचरा जमा रहने से भगाड़ से सटे इलाके में दरारें पड़ गईं। नतीजतन, सैकड़ों परिवार बेदखल हो गए। हालांकि, इस घटना से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। विपक्ष ने राज्य सरकार की ला-परवाही के खिलाफ आवाज उठाई। दबाव में सरकार ने भगाड़ से सटे निवासियों के पुनर्वास और मुआवजे की व्यवस्था की। इसके साथ ही उस भगाड़ में कचरा डालना भी पूरी तरह से बंद कर दिया गया। इसके स्थान पर वैकल्पिक स्थानों की व्यवस्था की गई। इस बीच, इस घटना के बाद पर्यावरण कार्यकर्ता सुभाष दत्ता ने राष्ट्रीय पर्यावरण न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उस मामले में उन्होंने पर्यावरण न्यायालय के आदेश पर बेलगछिया इलाके का दौरा किया। रिपोर्ट में, उन्होंने कहा कि वहां लंबे समय से अनियोजित तरीके से कचरा फेंका जा रहा है, जिसमें 2016 के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स की पूरी तरह अनदेखी की गई है। इस जानकारी के आधार पर पर्यावरण न्यायालय ने 29 मई को मामले की सुनवाई में हावड़ा नगर निगम के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। जज ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को इस जुर्माने की राशि निर्धारित करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि पर्यावरण को होने वाले नुकसान की राशि निर्धारित की जाए और उसी के अनुसार जुर्माना लगाया जाए। इसकी जिम्मेदारी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को है। उस दिन, ट्रिब्यूनल ने यह भी आदेश दिया है कि हावड़ा नगर निगम के कमिश्नर के अलावा राज्य नगरपालिका व शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव को भी इस मामले में शामिल किया जाए।

अवैध रूप से चल रहे कॉल सेंटर पर पुलिस ने मारा छापा, 6 गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस ने पर्नश्री थाना क्षेत्र के डायमंड हार्बर रोड स्थित एक फ्लैट में चल रहे गैरकानूनी कॉल सेंटर पर छापा मारा है। यह कॉल सेंटर माइक्रोसॉफ्ट और नॉर्टन जैसी कंपनियों की तकनीकी सहायता देने का दिखावा करके अमेरिकी नागरिकों को धोखा देता था। पुलिस के अनुसार, इस कॉल सेंटर के माध्यम से वीओआईपी कॉल के जरिए विदेशी नागरिकों को ठगी का शिकार बनाया जाता था। पुलिस की गुप्तचर शाखा ने मौके से छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये धोखेबाज तकनीकी सहायता के बहाने पीड़ितों के कंप्यूटर और लैपटॉप का एक्सेस अपने कब्जे में लेकर उनकी निजी जानकारियां चुराते थे और फिर उनके बैंक खातों से पैसे निकाल लेते थे। छापे के दौरान पुलिस ने लगभग 3.5 लाख रुपये नकद, पांच लैपटॉप, नौ मोबाइल फोन और कई अन्य डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

प्रधानमंत्री को विशेष सत्र बुलाने की मांग, 16 दलों ने भेजा पत्र... संसद में खुली चर्चा की अपील

नई दिल्ली/कोलकाता : पुंछ, उरी और राजौरी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर संसद में खुली बहस की मांग को लेकर 16 विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। इस पत्र में संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की गई है।

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने सोशल मीडिया मंच पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा था कि, सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है और संसद जनता के प्रति। इसी कारण हम संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं।

पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सरकार को इन संवेदनशील क्षेत्रों में हो रही घटनाओं पर संसद को विश्वास में लेना चाहिए और एक पारदर्शी चर्चा की अनुमति देनी चाहिए। विपक्षी नेताओं का कहना था कि संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है और वहां देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा आवश्यक है।

यह पहल ऐसे समय में हुई जब जम्मू-कश्मीर के इन क्षेत्रों में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक हलकों में गंभीर चर्चा चल रही थी। विपक्ष का मानना है कि इन विषयों को लेकर केवल सरकार द्वारा बयान जारी करने से बात नहीं बनेगी, बल्कि संसद के मंच से विस्तृत बहस ज़रूरी है।

विशेष सत्र की इस मांग को लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई और अब यह देखना होगा कि सरकार इस पर क्या रुख अपनाती है।

प्रतिरोध के दौरान महिला पुलिसकर्मियों को जबरन सिंदूर लगवाने के मामले में भाजपा फंसी

❑ **6 कार्यकर्ताओं को थाने तलब**

हुगली : हुगली के चुचुड़ा इलाके में महिला पुलिसकर्मियों के सिर पर बिना उनकी सहमति के जबरन सिंदूर लगाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना को लेकर जिले की राजनीति गरमाई हुई है। पुलिस ने इस घटना में शामिल 6 भाजपा कार्यकर्ताओं को तलब किया है, जिनमें पांच महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। उनके खिलाफ पुलिस को कामकाज में बाधा पहुंचाने और कार्यरत पुलिसकर्मियों की मर्जी के बिना सिंदूर लगवाने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस की तलब के बाद

मंगलवार को सभी आरोपी भाजपा कार्यकर्ता थाने पहुंचे और अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने इस पुलिस तलब को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित करार दिया है और बताया कि वे कानून के तहत इसका मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि आगे की कानूनी कार्रवाई वकील की सलाह के बाद की जाएगी।

इस मामले ने राज्य की राजनीति में भी हलचल मचा दी है। भाजपा नेतृत्व का आरोप है कि पुलिस इस कार्रवाई को सरकार के दबाव में कर रही है और इसका मकसद राजनीतिक विरोध को दबाना है। वहीं, शासक दल का कहना है कि पुलिस केवल कानून के दायरे में रहकर अपनी जिम्मेदारी निभा रही है और सभी कार्यवाही विधि सम्मत हो रही है। यह मामला क्षेत्र में राजनीतिक तनाव बढ़ाने वाला बन गया है और आगे की जांच जारी है।

कर्ज से तंग आकर कर्मचारी ने की आत्महत्या, मची सनसनी

पूर्व वर्दवान : पूर्व वर्दवान में कर्ज के दबाव में एक व्यक्ति ने आत्महत्या का रास्ता चुना। उसने मरने से पहले एक खत लिखा था। इस घटना ने पूर्व वर्दवान के आउशग्राम में सनसनी मचा दी है। मृतक का नाम पार्थसारथी बारिक (44)

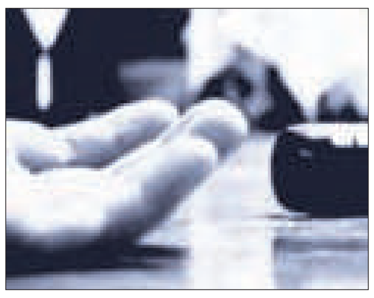

बताया जा रहा है। उनका घर भी आउशग्राम में ही था। वे आउशग्राम विद्यालय के चौथे दर्जे के कर्मचारी थे। जानकारी मिली है कि जिनके नाम शिकायत है, उनमें से एक स्वप्न सेन के पास दो साल पहले उन्होंने एक गाड़ी गिरवी रखाकर तीन लाख रुपये लिए थे। आरोप है कि वही व्यक्ति कल उनके घर आया और मारपीट की। हालांकि, स्वप्न सेन ने कहा कि वे ब्याज नहीं लेते और गाड़ी भी गिरवी नहीं रखी थी। उन्होंने कई बार पैसे मांगे लेकिन नहीं मिले, इसलिए कल पैसे मांगने गए थे, लेकिन उन्होंने मारपीट नहीं की। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस जांच शुरू कर चुकी है।

सीबीआई की रडार पर फिर अनुब्रत मंडल, गवाही प्रभावित करने की आशंका तेज

कोलकाता, समाज्ञा : पशु तस्करी मामले में दो साल तिहाड़ जेल में बिताने के बाद हाल ही में जमानत पर रिहा हुए तृणमूल कांग्रेस के दिग्गज नेता और बीरभूम के पूर्व जिलाध्यक्ष अनुब्रत मंडल एक बार फिर सीबीआई के निशाने पर हैं। एक आपत्तिजनक ऑडियो क्लिप वायरल होने के बाद उन पर न सिर्फ पुलिस ने मामला दर्ज किया है, बल्कि पार्टी नेतृत्व ने भी सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई, जिसके बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ी। ऑडियो क्लिप में अनुब्रत मंडल एक जिला पुलिस अधिकारी को धमकाते हुए सुने गए, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर अधिकारी की मां और पत्नी के साथ बलात्कार की धमकी दी थी। इस घटना ने न सिर्फ राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी, बल्कि सीबीआई की पशु तस्करी मामले की

जांच भी एक बार फिर तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई अब उन गवाहों से संपर्क कर रही है जिन्होंने पहले मामले में बयान दिए थे, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं उन्हें भी अनुब्रत मंडल द्वारा धमकाया या बयान बदलने के लिए मजबूर तो नहीं किया गया। सीबीआई ने सभी गवाहों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि यदि उन्हें अनुब्रत मंडल या उनके किसी करीबी की ओर से कोई धमकी या मध्यस्थता का प्रयास किया जाए, तो उसकी सूचना तुरंत एजेंसी को दें।

जीआरएसई ने पहला स्वदेशी माड्यूलर फुट सस्पेंशन ब्रिज किया लांच

❑ **कंपनी का दावा... यह ब्रिज राष्ट्रीय अधोसंरचना को देगा मजबूती, आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य से प्रेरित**

❑ **100 प्रतिशत स्वदेशी है अपनी तरह का यह इकलौता माड्यूलर ब्रिज**

कोलकाता, समाज्ञा : रक्षा पीएसयू गार्डनरीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई), कोलकाता ने हावड़ा स्थित बेलूर इकाई में देश का पहला पूर्णत: स्वदेशी माड्यूलर फुट सस्पेंशन ब्रिज (एफएसबी) लांच कर दिया है। कंपनी की ओर से मंगलवार को एक बयान में बताया गया कि 400 फीट तक के लंबे स्पैन के लिए डिजाइन किया गया यह ब्रिज जीआरएसई की अधोसंरचना के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस ब्रिज का शुभारंभ नटराजन पार्थीपन, महाप्रबंधक (बेली ब्रिज), जीआरएसई द्वारा किया गया। इस अवसर पर कमोडोर रमेश मेनन, मुख्य महाप्रबंधक (बेली ब्रिज एवं डीईपी) सहित जीआरएसई के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बयान में बताया गया कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवाचार और विविधीकरण के प्रति जीआरएसई की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 31 मई को लांच किया गया माड्यूलर ब्रिज स्टील डेकिंग कैरिजवे से युक्त है, जिसकी चौड़ाई 1.8 से 2.2 मीटर के बीच है। यह इंडियन रोड कांग्रेस (आइआरसी) लोड क्लास 18आर और 400 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर लाइव लोड मानकों के अनुरूप है। अधिकारियों ने बताया कि यह ब्रिज 100 प्रतिशत स्वदेशी है और अपनी तरह का इकलौता माड्यूलर ब्रिज है, जो वर्तमान में भारत में उपलब्ध है।

त्वरित प्रतिक्रिया के लिए एक आदर्श समाधान

इस नवाचार की सबसे बड़ी विशेषताओं में एक है इसका त्वरित निर्माण। 400 फीट लंबा यह ब्रिज बिना पियर्स के 30 दिनों से कम समय में स्थापित किया जा सकता है। यह सीमा क्षेत्रों में सड़क संपर्क सुधारने, सुरक्षा बलों की तत्परता बढ़ाने और आपदा स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए एक आदर्श समाधान है। अधिकारियों ने कहा कि जीआरएसई जहां पोत निर्माण एवं मरम्मत के लिए प्रसिद्ध है, वहीं यह एकमात्र रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की शिपयार्ड है जिसने सफलतापूर्वक इंजीनियरिंग क्षेत्र, विशेष रूप से प्री-फैब्रिकेटेड स्टील ब्रिज निर्माण में विविधता लाई है।

5,900 से अधिक बेली ब्रिज बना चुका है जीआरएसई

जीआरएसई की बेली ब्रिज इकाई ने भारत और विदेशों के दुर्गम क्षेत्रों में ब्रिज डिज़ाइन, निर्माण और स्थापना का समृद्ध अनुभव प्राप्त किया है। जीआरएसई भारतीय सेना, बीआरओ, एनएचआईडीसीएल, विभिन्न राज्य और केंद्र सरकार के लोक निर्माण विभागों के अलावा बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों को अब तक 5,900 से अधिक बेली ब्रिज सफलतापूर्वक प्रदान कर चुका है।

12 साल की नाबालिग से यौन शोषण के आरोप में वृद्ध गिरफ्तार

हुगली : हुगली जिले के चंडीतला में 12 साल की नाबालिग पर लगातार यौन शोषण का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक वृद्ध 12 साल की नाबालिग को डरा-धमका कर लंबे समय से उसका यौन शोषण कर रहा था। इसी बीच कुछ दिन पहले नाबालिग बीमार पड़ गई। परिवार के लोग उसे डॉक्टर के पास ले गए, लेकिन वहां डॉक्टर की बातें सुनकर उनकी आंखें फटी की फटी रह गईं। डॉक्टर ने बताया कि नाबालिग फिलहाल 9 सप्ताह की गर्भवती है। इसके बाद नाबालिग ने सारी बात परिवार वालों को बता दी। वहीं, पुलिस ने शिकायत मिलने पर आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी को मंगलवार को श्रीरामपुर कोर्ट में पेश किया गया। मामले की जांच जारी है।

मेकमायट्रिप ने ट्रेन यात्रियों के लिए नया 'सीट अवेलेबिलिटी फोरकास्ट' फीचर लॉन्च किया

कोलकाता : भारत में रिज़र्व्ड ट्रेन टिकट यात्रा से 60 दिन पहले बुक किए जा सकते हैं। मेकमायट्रिप के डेटा से पता चलता है, कि लगभग 40% लोग कई बार और कई दिनों तक कोशिश करके टिकट बुक करते हैं। इनमें से करीब 70% लोगों को वेटिंग लिस्ट वाले टिकट लेना पड़ता है, क्योंकि उनका प्लान पक्का होने तक कन्फर्म सीटें खत्म हो जाती हैं। राजेश मैगो, सह-संस्थापक और ग्रुप सीईओ, मेकमायट्रिप का कहना है, हम भारतीय रेल यात्रियों की छोटी सी छोटी जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने पर फोकस कर रहे हैं। सीट अवेलेबिलिटी फोरकास्ट इसी कोशिश का नतीजा है, जो डेटा साइंस पर आधारित है। यह एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगा, और इसे लाखों यूजर्स के लिए योजना बनाने में आने वाली वास्तविक चुनौती को हल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उत्तरपाड़ा में फिर से एक युवती पर एसिड से हमला

हुगली : हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में फिर से युवती पर एसिड फेंकने का गंभीर मामला सामने आया है। कुछ दिन पहले शाम के वक्त घर लौट रही एक युवती के ऊपर पीछे से किसी ने तरल पदार्थ फेंका था, जो उसके बालों पर गिर गया था। इसी घटना के बाद मंगलवार को रात साढ़े आठ बजे काठाल बागान इलाके में एक छात्रा अपने दोस्तों के साथ जा रही थी, तभी फिर उसी प्रकार से उस पर तरल पदार्थ फेंका गया। इस घटना के दौरान एक आरोपी को स्थानीय जनता ने पकड़ लिया और उसे जमकर पीटा। वहीं, गलती से वहां से गुजर रहे टिटागढ़ वागन फैक्ट्री के दो मजदूरों को भी आरोपी का साथी समझकर भीड़ ने पीटा। दोनों मजदूरों को उत्तरपाड़ा अस्पताल ले जाया

गया, जहां से एक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है जबकि दूसरे का इलाज जारी है। घायल युवती ने बताया कि यह घटना रात में नहीं बल्कि शाम के वक्त हुई है। घटना की शिकायत युवती ने उत्तरपाड़ा थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने पुष्टि की है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे श्रीरामपुर अदालत में पेश किया जाएगा।

चंडीतला में भारी मात्रा में प्रतिबंधित पटाखों के साथ एक गिरफ्तार

हुगली, समाज्ञा : जिले में अवैध पटाखा कारोबारियो पर कड़ी कार्रवाई करते हुए चंडीतला थाने की पुलिस ने सोमवार की रात भारी मात्रा में प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए। पुलिस ने हरिपाल के बाबूपाड़ा निवासी हराधन दास (36) को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रात करीब 8:15 बजे बेगमपुर के 20 नंबर रेलगेट के पास छापेमारी की और एक इंजन वैन से 130 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे बरामद किए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह खेप आगामी त्योहारों के दौरान स्थानीय बाजारों में अवैध रूप से बेचने के लिए लाई जा रही थी। पुलिस के अनुसार, यह पटाखे असुरक्षित इकाइयों में तैयार

किए गए थे, जो जनसुरक्षा और पर्यावरण दोनों के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। आरोपी से पूछताछ जारी है और सप्लाई चैन से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ यह कार्रवाई कड़ा संदेश है कि कानून से बचना संभव नहीं।

तिल के खेत में युवती का अर्धनग्न शव, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

मुर्शिदाबाद : मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज में तिल के खेत में सुबह एक युवती का अर्धनग्न शव मिलने से सनसनी फैल गयी। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की सुबह मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज के रानीनगर पंचायत के भटुपाड़ा निवासी तिल के खेत से गुजर रहे थे। उस दौरान उन्होंने युवती का अर्धनग्न, क्षत-विक्षत शव देखा और पुलिस को तुरंत सूचित किया। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जंगीपुर अस्पताल भेज दिया। स्थानीय लोगों का दावा है कि मृतका इलाके की रहने वाली नहीं थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतका की उम्र 18-19 साल थी। माना जा रहा है कि दूसरे गांव की रहने वाली युवती के साथ दुष्कर्म कर हत्या कर दी गई है। मृतका की पहचान का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय साइकिल दिवस : महानगर की सड़कों दिखी अनोखी साइकिल

सेना ने दिखाया बड़ा दिल, रेड रोड पर नमाज के चलते बदला अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम

❑ **पूर्वी कमान ने प्रस्तावित सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम को दूसरी जगह स्थानांतरित किया**

कोलकाता, समाज्ञा : सेना की अनुमति के बाद कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आगामी सात जून को इस साल भी ईद-उल-अजहा (बकरीद) की नमाज अदा की जाएगी। दशकों पुरानी इस परंपरा का सम्मान करते हुए और सभी धर्मों का सम्मान करने की अपनी रीति के मुताबिक भारतीय सेना के पूर्वी कमान ने बड़ा दिल दिखाते हुए नमाज की अनुमति देने का फैसला किया है और इसके चलते उसे अपने महत्वपूर्ण सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा है। सेना सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम को दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया है। रेड रोड, जो विजय दुर्ग (पूर्व नाम फोर्ट विलियम) स्थित पूर्वी कमान मुख्यालय के समीप स्थित एक संवेदनशील रक्षा संपत्ति है, वहां हर साल ईद के मौके पर हजारों लोग एक साथ नमाज अदा करते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी इस अवसर पर वहां मौजूद रहती हैं। भले ही ईद की नमाज मजहबी मंच है, लेकिन इसका इस्तेमाल जमकर राजनीतिक बयान बाजी के लिए भी होता है।

कुछ महीने पहले इसी स्थान पर कुछ हिंदू संगठनों ने भी धार्मिक आयोजन की अनुमति मांगी थी, जिसे सेना और अदालत दोनों ने अस्वीकार कर दिया था। लेकिन वर्षों से वहां ईद की नमाज को देखते हुए सेना ने परंपरा का सम्मान करते हुए अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया है। मालूम हो कि आपरेशन सिंदूर के बाद मौजूद परिस्थिति के मद्देनजर अपनी तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से बीते 31 मई को सेना की

पूर्वी कमान ने कलकत्ता खिलाफत समिति को सूचित किया था कि सैन्य प्रशिक्षण के कारण रेड रोड पर इस बार नमाज अदा करने की अनुमति संभव नहीं है। यह जानने के बाद राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय के एक वर्ग ने रोष व्यक्त किया था। राज्य के मंत्री और खिलाफत समिति के अध्यक्ष जावेद अहमद खान ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की थी, जिसके बाद नमाज की अनुमति के लिए राज्य सचिवालय ने पूर्वी कमान से संपर्क किया। दो दिनों के गतिरोध के बाद आखिरकार सेना ने अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम बदलकर नमाज की सोमवार को अनुमति दे दी।

एक सूत्र ने बताया कि भारतीय सेना सभी धर्मों के प्रति सम्मान की अपनी परंपरा के अनुरूप काम करती है। रेड रोड पर नमाज की अनुमति इसी परंपरा के तहत दी गई है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह स्थान एक अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्र है, जहां सेना की गतिविधियां देश की सुरक्षा से जुड़ी होती हैं। दरअसल, इस समय सेना आपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ जारी तनातनी और देश के पूर्वोत्तर हिस्से में चीन व बांग्लादेश की मिलीभगत से उत्पन्न चुनौतियों से भी सतर्क है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, ऐसे में किसी भी चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सैन्य प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है और उसकी जगह को किसी अन्य आयोजन के लिए इस्तेमाल करना, ऐसे गंभीर समय में सेना की गतिविधियों में बाधा उत्पन्न करने की तरह है।

❑ **सुरक्षा को दी जानी चाहिए प्राथमिकता**

चाहे वह नमाज हो या कोई और आयोजन, उसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है, लेकिन सेना की ट्रेनिंग अपने ही निर्धारित स्थान पर हो सकती है। इसके अलावा हाल में कोलकाता में पूर्वी कमान मुख्यालय व इसके आसपास महत्वपूर्ण स्थानों के ऊपर कई संदिग्ध ड्रोन देखे गए हैं, जो सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंता का विषय हैं। एक वरिष्ठ रक्षा विशेषज्ञ ने यह स्पष्ट किया कि देश की सुरक्षा और सेना की तैयारियों को हर भारतीय नागरिक को प्राथमिकता देनी चाहिए, जो नैतिक कर्तव्य है।रेड रोड और आसपास का क्षेत्र सेना का इलाका है और उसका उपयोग मिलिट्री कार्यों के लिए ही होना चाहिए। रेड रोड पर नमाज की अनुमति के सेना के इस कदम को एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें परंपरा का सम्मान और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया गया है।

सेल के बोकारो इस्पात संयंत्र में हुई दुर्घटना में पांच कर्मचारी झुलसे

रांची : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के बोकारो इस्पात संयंत्र में हुई दुर्घटना में कम से कम पांच कर्मचारी झुलस गए। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। घटना बोकारो इस्पात संयंत्र के 'स्टील मेल्टिंग शॉप-2' (एसएमएस-दो) में हुई जहां एक गर्म धातु का रिसाव हुआ। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'सामान्य प्रक्रिया के तहत रिसने वाले पदार्थ को ठंडा करने के लिए पानी का छिड़काव किया गया जिसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में भाप पैदा हुई। सभी पांच कर्मचारी भाप के संपर्क में आकर झुलस गए। उन्हें बोकारो के सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज किया गया।' उन्होंने बताया कि सभी सुरक्षित हैं और उन्हें छुट्टी दे दी गई है।

सुधाकर ने लालू से तेज प्रताप को पार्टी से निकालने के फैसले पर पुनर्विचार का आग्रह किया

पटना : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद से बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव को पार्टी से निकालने के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। किसी अन्य महिला से कथित संबंध को लेकर लालू प्रसाद ने तेज प्रताप यादव को पार्टी से निकाले जाने की घोषणा की थी। तेज प्रताप यादव लालू प्रसाद के बड़े बेटे हैं। उन्होंने 24 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वह '12 साल से एक महिला के साथ संबंध में हैं।' हालांकि वह विवाहित हैं और यहां एक अदालत में उनकी तलाक की अर्जी लंबित है।

राजस्थान के कृषि मंत्री मीणा ने गंगानगर में नौ कारखानों का औचक निरीक्षण किया

जयपुर : राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने मंगलवार को गंगानगर में नौ कारखानों और बीज भंडारों का औचक निरीक्षण किया जहां कथित तौर पर नकली बीज मिले। मीणा के निर्देश पर आठ कारखानों को सीज कर दिया गया। मंत्री ने कहा कि इन कारखानों से किसानों को नकली बीज की आपूर्ति की जा रही थी। मीणा अधिकारियों और विशेषज्ञों की टीम के साथ बीज भंडारों व कारखानों में पहुंचे और वहां संग्रहीत बीजों के बारे में पूछताछ की। विशेषज्ञों ने बीजों की जांच की और उन्हें नकली पाया। उन्होंने कहा, यह किसानों के साथ धोखा है।

जन-जन तक पहुंचे मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां, 'बूथ' स्तर तक संवाद करें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए 'बूथ' स्तर तक संवाद करने की अपेक्षा की है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यहां आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष' थीम पर हुई इस कार्यशाला की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि से हुई। योगी ने कहा कि आजादी के अमृत काल में देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में प्रभावशाली नेतृत्व प्राप्त होना 'हम सभी का सौभाग्य है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं को 'बूथ' स्तर पर संवाद का मंत्र देते हुए कहा कि मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाना 'हम सब की जिम्मेदारी है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर वर्ग को इस अभियान से जोड़ने और लाभार्थियों के अनुभव साझा करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत काल में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां गर्व का विषय हैं तथा उन्हें प्रदेश, जनपद, मंडल और शक्ति केंद्र स्तर पर जनता तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कार्यशाला में प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की रूपरेखा का उल्लेख करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं ने पहले भी उत्तर प्रदेश सरकार की आठ वर्षों की उपलब्धियों को हर 'बूथ' तक पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि अब केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को अखिल भारतीय स्तर पर प्रचारित करने का समय है, जिसमें राज्य और राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियां शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने आयुष्मान भारत योजना की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले किसी परिवार में बीमारी संकट बन जाती थी, लेकिन आज देश के 50 करोड़ और उत्तर प्रदेश के 10 करोड़ लोग इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं।

खाटूधाम में 12 जून को होगा द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह

जोरों से चल रही है तैयारी

राजस्थान : अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह 12 जून (गुरुवार) को बाबा श्याम की पावन नगरी खाटूधाम स्थित श्याम अर्पण छत्तीसगढ़ भवन, कोतवाली रोड, सीकर (राजस्थान) में आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक समारोह को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और लगभग 500 समाज बंधुओं के उप-स्थित होने की संभावना है। कार्यक्रम में प्रवेश केवल अग्रिम पंजीकरण एवं डेलीगेट कार्ड के माध्यम से होगा।यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में एवं मथुरा तथा मथुरा महानगर जिला इकाई के आतिथ्य में हो रहा है। राष्ट्रीय संरक्षक अजय कांत गर्ग, संस्थापक कोषाध्यक्ष गणेश भरतिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री पवन मित्तल तथा महिला इकाई की राष्ट्रीय संयोजिका सुशीला फरमानिया कार्यक्रम की सफलता के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। चयन प्रक्रिया का निर्देशन कृष्ण कन्हैया गोयल एवं उमा बंसल ने किया। समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, राज्यसभा सांसद डॉ. नरेश बंसल, जयपुर विधायक कालीचरण सराफ सहित कई प्रतिष्ठित राजनैतिक और सामाजिक हस्तियां शामिल होंगी। कार्यक्रम के दौरान 12 व 13 जून को परंपरागत राजस्थानी भोजन और हाई-टी की व्यवस्था भी रहेगी।

उत्तर प्रदेश में क्रिकेट मैच के दौरान गेंद लगने से किशोर की मौत

फिरोजाबाद (उप्र) : उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जिले के टूंडला थाना क्षेत्र में क्रिकेट मैच के दौरान चमड़े की गेंद लगने से 12 साल का एक किशोर बेहोश हो गया और बाद में एक निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृत बच्चे की पहचान फिरोजाबाद निवासी अंश के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हादसे के दौरान वह बल्लेबाजी कर रहा था। नगर पुलिस अधीक्षक रविशंकर प्रसाद ने कहा कि नारखी थाना क्षेत्र के गढ़ी रंछोर मोहल्ले का रहने वाला अंश सोमवार शाम फ्यूचर क्रिकेट अकादमी की ओर से टूंडला में फाइनल मैच खेलने गया था। प्रसाद ने बताया कि मैच खेलते समय विरोधी गेंदबाज की गेंद अंश के सीने में लगी, जिससे वह बेहोश हो गया। अधिकारी ने बताया कि उसे तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पंजाब: मुख्यमंत्री मान के 'एक राष्ट्र, एक पति' बयान पर विवाद

चंडीगढ़ : पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के 'एक राष्ट्र, एक पति' वाले बयान को लेकर मंगलवार को राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन पर पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों की विधवाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। मान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर मंगलवार को भाजपा पर कटाक्ष किया और उसपर सिंदूर के नाम पर वोट मांगने का आरोप लगाया। मान ने पूछा कि क्या उसने 'एक राष्ट्र, एक पति' योजना शुरू की है। मान की टिप्पणी को अपमानजनक बताते हुए केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों की विधवाओं का अपमान किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। मान ने मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से वार्ता में ये टिप्पणी की। लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा द्वारा कथित रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' के नाम पर वोट मांगने के बारे में पूछे जाने पर मान ने कहा, 'वे सिंदूर के नाम पर वोट मांग रहे हैं। उन्होंने सिंदूर को मजाक में बदल दिया है। क्या आपने यह नहीं देखा?' मान ने कहा, 'अगर वे आपके घर सिंदूर लेकर आएं तो क्या आप मोदी के नाम का सिंदूर लगाएंगे। क्या यह 'एक राष्ट्र, एक पति' योजना है?' पंजाब की लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर उपचुनाव 19 जून को होगा जबकि 23 जून को यहां मतगणना होगी। भाजपा की पंजाब इकाई ने मान की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने 'सारी सीमाएं पार कर दी हैं।' भाजपा प्रवक्ता प्रीतपाल सिंह बलियावाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह ऑपरेशन आतंकवाद, शहादत और भारतीयों के जीवन की रक्षा के बारे में था।

मेरे और परिवार के खिलाफ साजिश रच रही झारखंड सरकार: बाबूलाल मरांडी

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने झामुमो की अगुवाई वाली झारखंड सरकार पर उनके और उनके परिवार के खिलाफ 'षड्यंत्र रचने' का आरोप लगाया है। दूसरी ओर सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने मरांडी के दावे को 'सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का साधन' करार दिया। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता मरांडी ने सोमवार को जारी एक बयान में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार नहीं, बल्कि एक 'संगठित गिरोह' संचालित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह 'राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार, उत्पीड़न और भय की राजनीति' से प्रभावित जनता की आवाज उठाते रहेंगे। मरांडी ने आरोप लगाया कि 'सरकार के करीबी आपराधिक प्रवृत्ति वाले शीर्ष अधिकारी' उनके, उनके परिवार और करीबी सहयोगियों के खिलाफ साजिश रचने में लगे हुए हैं। उन्होंने दावा किया, 'इन अधिकारियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है... वे मुझे डराने-धमकाने में लगे हुए हैं, जिसमें मुझे झूठे मामलों में फंसाना और चरित्र हनन करना शामिल है।' पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार उनके खिलाफ सक्रिय हो गई है क्योंकि उन्होंने विभिन्न घोटालों को उजागर किया है। मरांडी ने पिछले दिनों दुमका के शिकारीपाड़ा में अपने ऊपर नक्सली हमले की साजिश होने का दावा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने खुफिया जानकारी का संज्ञान लेकर उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई थी। मरांडी ने कहा कि कोई भी उन्हें झुका नहीं सकता।

आगरा में यमुना नदी में एक ही परिवार की छह लड़कियों की डूबने से मौत

आगरा (उप्र) : आगरा जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र में नगला नाथू गांव के पास मंगलवार को यमुना नदी में नहाने गईं एक ही परिवार की छह लड़कियों की डूबने से मौत हो गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को छह लड़कियां सुबह करीब 10 बजे नहाने के लिए नदी में उतरी थीं, लेकिन वे सभी डूबने लगीं। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने उनमें से दो को बचा लिया, जबकि चार डूब गईं। पुलिस का कहना है कि स्थानीय लोगों ने चारों के शवों को बाहर निकाला और उनकी पहचान दिव्या (14), संध्या (12), शिवानी (17) और नैना (14) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक बचा ली गईं दो लड़कियों-- सोनम (12) और मुस्कान (18) को एक नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गयी। नगला नाथू के निवासी दीपेश ने कहा कि वह दोस्तों के साथ नदी पर गया था, जब उसने लड़कियों को डूबते हुए देखा। उन्होंने कहा, 'वे हमसे थोड़ा आगे नहा रही थीं। अचानक, वे सभी डूबने लगीं। मैं उन्हें बचाने के लिए नदी में कूद गया लेकिन पानी बहुत गहरा था।

न्यूज अपडेट

बिहार सरकार ने विमान ईंधन पर वैट घटाकर चार प्रतिशत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी

पटना : बिहार सरकार के मंत्रिमंडल ने मंगलवार को विमान ईंधन (एटीएफ) पर मूल्य-वर्धित कर 29 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में एटीएफ पर वैट को कम करने के वाणिज्य कर विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई, ताकि और अधिक वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन हो सके। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जारी बयान में कहा, 'कैबिनेट ने क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) के तहत एटीएफ पर वैट को 29 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत करने को मंजूरी दे दी है। सरकार के इस फैसले से विमान टिकटों की कीमतें और कम होंगी और इससे राज्य में वाणिज्यिक उड़ानें भी बढ़ेंगी....इससे राज्य का राजस्व बढ़ेगा और रोजगार भी पैदा होगा।' वित्त विभाग का कामकाज भी देख रहे चौधरी ने कहा कि इससे पहले केवल गया हवाई अड्डे पर एटीएफ पर चार प्रतिशत वैट लागू था। उन्होंने कहा कि एटीएफ पर वैट की घटी हुई दर अब राज्य के सभी विमानपत्तनों पर लागू होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार पुलिस विभाग में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देगी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य पुलिस बल में कांस्टेबल, घुड़सवार पुलिस और फायरमैन सहित कई पदों पर सीधी भर्ती में अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का मंगलवार को निर्णय लिया। राज्य के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में वित्त मंत्री खन्ना ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य अग्निपथ योजना के तहत अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले पूर्व अग्निवीरों को सार्थक सेवा के बाद अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा, 'यह एक महत्वपूर्ण निर्णय है। आरक्षण सभी श्रेणियों - सामान्य, एससी (अनुसूचित जाति), एसटी (अनुसूचित जनजाति) और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) पर लागू होगा। अगर कोई अग्निवीर एससी श्रेणी से संबंधित है, तो आरक्षण एससी के भीतर लागू होगा; अगर ओबीसी है, तो ओबीसी के भीतर।' खन्ना ने कहा कि इन पदों के लिए आवेदन करने वाले अग्निवीरों को तीन साल तक की विशेष आयु छूट भी प्रदान की जाएगी। इस संबंध में भर्ती की चार श्रेणियां हैं- कांस्टेबल पुलिस, कांस्टेबल पीएसी, घुड़सवार पुलिस और फायरमैन, जिनमें अग्निवीरों की भर्ती की जाएगी।

समाज्ञा

मनोरंजन

एक गाँव में एक किसान रहता था। उसका गाँव के बाहर एक छोटा सा खेत था। एक बार फसल बोने के कुछ दिनों बाद उसके खेत में चिड़िया ने घोंसला बना लिया।

कुछ समय बीता, तो चिड़िया ने वहाँ दो अंडे भी दे दिए। उन अंडों में से दो छोटे-छोटे बच्चे निकल आये। वे बड़े मज़े से उस खेत में अपना जीवन गुजारने लगे।

कुछ महीनों बाद फसल कटाई का समय आ गया। गाँव के सभी किसान अपने खेतों की फ़सल की कटाई में लग गए। अब चिड़िया और उसके बच्चों का वह खेत छोड़कर नए स्थान पर जाने का समय आ गया था।

एक दिन खेत में चिड़िया के बच्चों ने किसान को यह कहते सुना कि कल मैं फ़सल कटाई के लिए अपने पड़ोसी से पूछूंगा और उसे खेत में भेजूंगा। यह सुनकर चिड़िया के बच्चे परेशान हो गए। उस समय चिड़िया कहीं गई हुई थी। जब वह वापस लौटी, तो बच्चों ने उसे किसान की बात बताते हुए कहा, माँ, आज हमारा यहाँ अंतिम दिन है। रात में हमें दूसरे स्थान के लिए यहाँ से निकला होगा।

चिड़िया ने उत्तर दिया, इतनी जल्दी नहीं बच्चों। मुझे नहीं लगता कि कल खेत में फसल की कटाई होगी।

चिड़िया की कही बात सही साबित हुई। दूसरे दिन किसान का पड़ोसी खेत में नहीं आया और फ़सल की कटाई न हो सकी।

शाम को किसान खेत में आया और खेत को जैसे का तैसा देख बुदबुदाने लगा कि ये पड़ोसी तो नहीं आया। ऐसा करता हूँ कल अपने किसी रिश्तेदार को भेज देता हूँ।

चिड़िया के बच्चों ने फिर से किसान की बात सुन ली और परेशान हो गए। जब चिड़िया को उन्होंने ये बात बताई, तो वह बोली, तुम लोग चिंता मत करो। आज रात हमें जाने की ज़रुरत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि किसान का रिश्तेदार आएगा।

ठीक ऐसा ही हुआ और किसान का रिश्तेदार अगले दिन खेत नहीं पहुँचा। चिड़िया के बच्चे हैरान थे कि उनकी माँ की हर बात सही हो रही है।

अगली शाम किसान जब खेत आया, तो खेत की वही स्थिति देख बुदबुदाने लगा कि ये लोग तो कहने के बाद भी कटाई के लिए आते नहीं है। कल मैं ख़ुद आकर फ़सल की कटाई शुरू करूंगा।

चिड़िया के बच्चों ने किसान की ये बात भी सुन ली। अपनी माँ को जब उन्होंने ये बताया तो वह बोली, बच्चों, अब समय आ गया है ये खेत छोड़ने का। हम आज रात ही ये खेत छोड़कर दूसरी जगह चले जायेंगे।

दोनों बच्चे हैरान थे कि इस बार ऐसा क्या है, जो माँ खेत छोड़ने को तैयार है। उन्होंने पूछा, तो चिड़िया बोली, बच्चों, पिछली दो बार किसान कटाई के लिए दूसरों पर निर्भर था। दूसरों को कहकर उसने अपने काम से पल्ला झाड़ लिया था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। इस बार उसने यह जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली है। इसलिए वह अवश्य आएगा।

उसी रात चिड़िया और उसके बच्चे उस खेत से उड़ गए और कहीं और चले गए।

सीख –

दूसरों की सहायता लेने में कोई बुराई नहीं है। किंतु यदि आप समय पर काम शुरू करना चाहते हैं और चाहते हैं कि वह समय पर पूरा हो जाये, तो उस काम की ज़िम्मेदारी स्वयं लेनी होगी। दूसरे भी मदद उसी की करते हैं, जो अपनी मदद करता है।

एक जंगल में एक शेर रहता था। वह जंगल का राजा था और बड़ा बलशाली था। सारे जानवर भय के कारण उसका गुणगान किया करते थे। उसी जंगल में एक बुद्धिमान बंदर रहता था। वो शेर से डरता नहीं था और व्यर्थ में उसका गुण-गान नहीं करता था। शेर की यह बात बुरी लगती थी। एक बार उसने बंदर को बुलाया और कहा, जंगल के सारे जानवर मेरी प्रशंसा करते हैं, तुम नहीं? ऐसा क्यों?'

मैं किस बात पर आपकी प्रशंसा करूं? बंदर ने पूछा।

मैं बलशाली हूँ। जंगल के सारे जानवर मुझसे डरते हैं। शेर ने उत्तर दिया।

वनराज! मैं बल को नहीं बुद्धि को श्रेष्ठ मानता हूँ। इसलिए मात्र बल के कारण मैं आपका गुणगान नहीं करूंगा। बंदर बोला।

यह बात शेर को बुरी लगी और दोनों में विवाद हो गया। विवाद का विषय था - 'बुद्धि श्रेष्ठ है या बल'

शेर की दृष्टि में बल श्रेष्ठ था, किंतु बंदर की दृष्टि में बुद्धि। दोनों के अपने-अपने तर्क थे। अपने तर्क देकर वे एक-दूसरे के सामने स्वयं को सही सिद्ध करने में लग गये।

बंदर बोला, शेर महाराज, बुद्धि ही श्रेष्ठ है। बुद्धि से संसार का हर कार्य संभव है, चाहे वह कितना ही कठिन क्यों न हो? बुद्धि से हर समस्या का निदान संभव है, चाहे वह कितनी ही विकट क्यों न हो? मैं बुद्धिमान हूँ और अपनी बुद्धि का प्रयोग कर किसी भी मुसीबत से आसानी से निकल सकता हूँ। कृपया यह बात मान लीजिये।

बंदर का तर्क सुन शेर भड़क गया और बोला, चुपकर बंदर, तू बल और बुद्धि की तुलना कर बुद्धि को श्रेष्ठ बता रहा है। बल के आगे किसी का ज़ोर नहीं चलता। मैं बलवान हूँ और तेरी बुद्धि मेरे बल के सामने कुछ भी नहीं। मैं चाहूं, तो इसी क्षण इसका प्रयोग कर तेरे प्राण ले सकता हूँ।

बंदर कुछ क्षण शांत रहा और बोला, महाराज, मैं अभी तो जा रहा हूँ। किंतु मेरा यही मानना है कि बुद्धि बल से श्रेष्ठ है। एक दिन मैं आपको ये प्रमाणित करके दिखाऊंगा। मैं अपनी बुद्धि से बल को हरा दूंगा।

मैं उस दिन की प्रतीक्षा करूंगा, जब तुम ऐसा कर दिखाओगे। उस दिन मैं अवश्य तुम्हारी इस बात को स्वीकार करूंगा कि बुद्धि बल से श्रेष्ठ है। किंतु, तब तक कतई नहीं। शेर ने उत्तर दिया।

इस बात को कई दिन बीत गए। बंदर और शेर का आमना-सामना भी नहीं हुआ।

एक दिन शेर जंगल में शिकार कर अपनी गुफ़ा की ओर लौट रहा था। अचानक वह पत्तों से ढके एक गड्ढे में जा गिरा। उसके पैर में चोट लग गई। किसी तरह वह गड्ढे से बाहर निकला, तो पाया कि एक शिकारी उसके सामने बंदूक ताने खड़ा है। शेर घायल था। ऐसी अवस्था में वह शिकारी का सामना करने में असमर्थ था।

तभी अचानक कहीं से शिकारी पर पत्थर बरसने लगे। शिकारी हड़बड़ा गया। इसके पहले कि वो कुछ समझ पाता, एक पत्थर उसके सिर पर आकर पड़ा। वह दर्द से तिलमिला उठा और अपने प्राण बचाने वहाँ से भाग गया।

शेर भी चकित था कि शिकारी पर पत्थरों से हमला किसने किया और किसने उसके प्राणों की रक्षा की। वह इधर-उधर देखते हुए ये सोच ही रहा था कि सामने एक पेड़ पर बैठे बंदर की आवाज़ उसे सुनाई दी, महाराज, आज आपके बल को क्या हुआ? इतने बलवान होते हुए भी आज आपकी जान पर बन आई।

बंदर को देख शेर ने पूछा, तुम यहाँ कैसे?

महाराज, कई दिनों से मेरी उस शिकारी पर नज़र थी। एक दिन मैंने उसे गड्ढा खोदते हुए देखा, तो समझ गया था कि वह आपका शिकार करने की फ़िराक में है। इसलिए मैंने थोड़ी बुद्धि लड़ाई और ढेर सारे पत्थर इस पेड़ पर एकत्रित कर लिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर इनका प्रयोग शिकारी के विरुद्ध कर सकूं।

बंदर ने शेर के प्राणों की रक्षा की थी। वह उसके प्रति कृतज्ञ था। उसने उसे धन्यवाद दिया। उसे अपने और बंदर में मध्य हुआ विवाद भी स्मरण हो आया। वह बोला, बंदर भाई, आज तुमने सिद्ध कर दिया कि बुद्धि बल से श्रेष्ठ होती है। मुझे अपनी गलती का अहसास हो गया है। मैं समझ गया हूँ कि बल हर समय और हर परिस्थिति में एक सा नहीं रहता, लेकिन बुद्धि हर समय और हर परिस्थिति में साथ रहती है।

बंदर ने उत्तर दिया, महाराज, मुझे प्रसन्नता है कि आप इस बात को समझ गए। आज की घटना पर ध्यान दीजिये। शिकारी आपसे बल में कम था, किंतु बावजूद इसके उसने अपनी बुद्धि से आप पर नियंत्रण पा लिया। उसी प्रकार मैं शिकारी से बल में कम था, किंतु बुद्धि का प्रयोग कर मैंने उसे डराकर भगा दिया। इसलिए हर कहते हैं कि बुद्धि बल से कहीं श्रेष्ठ है।

शेर और बंदर की कहानी की सीखबुद्धि का प्रयोग कर हर समस्या का निराकरण किया जा सकता है। इसलिए बुद्धि को कभी कमतर न समझें।

सड़क पर कितने मोड़

फ़ारस के शहंशाह और बादशाह अकबर गहरे मित्र थे। अक्सर पत्र लिखकर वे एक-दूसरे का हाल-चाल पूछते रहते थे। पत्र में वे आमोद-प्रमोद की बातें, लतीफ़े और पहेलियाँ भी लिखते थे। पहेलियों का उत्तर सही मिलने पर वे एक-दूसरे को उपहार भी भेजा करते थे।

एक बार फ़ारस के शहंशाह का पत्र अकबर को प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने एक प्रश्न लिखकर प्रेषित किया था। प्रश्न कुछ ऐसा था - आपके राज्य की सड़कों पर कितने मोड़ हैं?

प्रश्न पढ़कर अकबर सोच में पड़ गए। उनका सम्राज्य दूर-दूर तक फैला हुआ था। इतने विस्तृत साम्राज्य में सड़कों की संख्या भी अत्यधिक थी। ऐसे में सभी सड़कों के मोड़ों की गणना कर पाना एक नामुमकिन कार्य था।

लेकिन अकबर फ़ारस के शहंशाह के सामने शर्मिंदा नहीं होना चाहते थे। उन्हें किसी भी सूरत में इस प्रश्न का उत्तर देना ही था। उन्होंने टोडरमल को बुलवाया और कहा, टोडरमल! तुम अभी तुरंत कुछ सैनिकों को लेकर निकल जाओ। तुम्हें हमारे पूरे साम्राज्य की सड़कों के मोड़ों की गणना करनी है। किसी भी सूरत में हमें ये काम पूरा करके दो। टोडरमल कुछ सैनिकों को लेकर तुरंत निकल गया। लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी नहीं लौटा। इधर अकबर को चिंता सताने लगी कि ये कार्य टोडरमल कर पायेगा भी या नहीं?

एक दिन बीरबल ने अकबर को चिंतित देखा, तो पूछ बैठा, जहाँपनाह! क्या बात है? आप बड़े चिंतित लग रहे हैं?

अकबर ने फ़ारस के शहंशाह के पत्र और उसमें पूछे गए प्रश्न के बारे में बीरबल को बताते हुए कहा, बीरबल! हमने टोडरमल को राज्य की सभी सड़कों के मोड़ों की संख्या की गणना के लिए भेजा है। हमें उसकी ही प्रतीक्षा है। साथ ही ये चिंता भी कि वो ये काम पूरा करके लौटेंगा या नहीं।

फ़ारस के शहंशाह के पूछे गए प्रश्न को जानकर बीरबल मुस्कुरा उठा और बोला, जहाँपनाह! इस आसान से प्रश्न के लिए आपको टोडरमल को कहीं भी भेजने की आवश्यकता नहीं थी। मैं तो यही खड़े-खड़े ये बता सकता हूँ कि आपके राज्य की सड़कों पर कितने मोड़ हैं। यहाँ तक कि मैं तो ये भी बता सकता हूँ कि पूरी दुनिया की सड़कों में कितने मोड़ हैं। बीरबल! तुम बिना गणना किये हमारे राज्य और दुनिया की सड़कों के मोड़ों की संख्या बता सकते हो। कैसे? अकबर हैरत में पड़ गए।

जहाँपनाह! क्योंकि इसमें गणना की आवश्यकता ही नहीं है। दुनिया की सारी सड़कों के बस दो ही तो मोड़ होते हैं। एक दांया और दूसरा बांया। बीरबल ने शांतभाव से उत्तर दिया।

ये उत्तर सुनकर अकबर हँस पड़े, अरे, हमने तो ये सोचा ही नहीं और टोडरमल को सड़कों के मोड़ों की गणना के लिए भेज दिया। बीरबल तुम वाकई अक्लमंद हो।

अकबर ने बीरबल को इनाम में सोने का हार दिया और फ़ारस के शहंशाह के प्रश्न का उत्तर उन्हें भिजवा दिया।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, प्रधानमंत्री मोदी ने हिमंत से ली स्थिति की जानकारी

गुवाहाटी : असम में बाढ़ की स्थिति मंगलवार को भी गंभीर बनी रही और 20 से अधिक जिलों में 5.35 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बारिश और बाढ़ के बीच अब तक राज्य में 11 लोग मारे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से बात कर बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली और उन्हें केंद्र सरकार से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। शर्मा ने कछार जिले का दौरा किया, जो मौजूदा बाढ़ से राज्य के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। वहीं मौसम विभाग ने शहर के कई हिस्सों में और अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने भी पूर्वोत्तर में बाढ़ की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से सावधानी बरतने और स्थानीय प्राधिकारियों की ओर से जारी परामर्श का पालन करने की अपील की। मोदी को फोन पर जानकारी देते हुए शर्मा ने बताया कि असम और आसपास के राज्यों में लगातार बारिश के कारण बाढ़ आई है और इससे लोगों पर असर पड़ा है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कुछ समय पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने मुझे असम में मौजूदा बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी लेने के लिए फोन किया।'' शर्मा ने प्रधानमंत्री को राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव अभियान के बारे में भी अवगत कराया। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में लगातार हो रही भारी वर्षा से प्रभावित लोगों के प्रति गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मैंने भाजपा की राज्य इकाइयों और कार्यकर्ताओं को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार हरसंभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। मैं प्रभावित क्षेत्रों में सभी से अत्यक्त सावधानी बरतने, अनावश्यक यात्रा से बचने और स्थानीय अधिकारियों की सलाह का पालन करने का आग्रह करता हूं।'' क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी), गुवाहाटी ने मंगलवार के लिए चार जिलों धुबरी, दक्षिण सलमारा मानकाचर, ग्वालपारा और कोकराझार के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। 'ऑरेंज अलर्ट' का मतलब है 'कार्रवाई के लिए तैयार रहें' और यह तब जारी किया जाता है जब अलग-अलग स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवा के साथ आंधी और बिजली गिरने तथा भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना होती है। गुवाहाटी में, 'बाढ़ मुक्त मिशन' के तहत प्राधिकारियों ने सिलसाको बील नाम के जलाशय के किनारे अतिक्रमण हटाने के लिए सरकारी प्रबंधन संस्थान की इमारत को ध्वस्त कर दिया। अभियान की देखरेख कर रहे आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री जयंत मल्ला बरुआ ने कहा कि प्रशासन शहर में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए अन्य कदम उठाने के अलावा जल निकायों से अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया में है।

मणिपुर में बाढ़ से 1.64 से अधिक लोग प्रभावित, एक व्यक्ति की मौत

मणिपुर में मंगलवार को बाढ़ की स्थिति से हालात और खराब हो गये तथा राज्य में भारी बारिश के बाद कई नदियों के उफान पर होने एवं तटबंधों के टूटने से 1.64 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बाढ़ के पानी में बहे एक व्यक्ति का शव इंफाल पश्चिम जिले में दिन में बरामद किया गया। सोमवार को आई आपदा से 56,000 लोग प्रभावित हुए। मंगलवार को हालांकि इंफाल घाटी के जिलों में बहने वाली नदियों का जलस्तर काफी कम हो गया, लेकिन इंफाल पूर्वी जिले के कई इलाके चौथे दिन भी जलमग्न रहे। बाढ़ से कम से कम 1,64,879 लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 35,143 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 643 इलाके प्रभावित हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर इंफाल पूर्वी जिले में हैं, जबकि 82.79 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र जलमग्न हो गया है।

अरुणाचल: बाढ़ से जान गंवाने वालों की संख्या 11 हुई, 23 जिलों में 938 लोग प्रभावित

अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में दीवार गिरने की घटना में एक मजदूर की मौत हो गई। इससे राज्य में लगातार जारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 11 पर पहुंच गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के बयान के अनुसार, एक जून को भूस्खलन के दौरान दीवार गिरने से 38 वर्षीय भावेन मुर्मू की मौत हो गई, जबकि इस घटना में जीआरईएफ के तीन कर्मचारी घायल हो गए। बयान में कहा गया है कि 23 जिलों के 156 गांवों में बाढ़ से कुल 938 लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें बताया गया है कि लोअर सुबनसिरी जिले में 114 कच्चे मकानों, 45 पक्के घरों और नौ झोपड़ियों के नष्ट होने सहित काफी नुकसान की सूचना है। अधिकारियों के मुताबिक, जिले में 51 सड़कों, 17 बिजली लाइन, 23 जलापूर्ति लाइन और दो स्कूल सहित कई बुनियादी ढांचों को गंभीर नुकसान हुआ है।

न्यूज इन ब्रीफ

नगालैंड: बारिश और भूस्खलन ने मचाई तबाही, राष्ट्रीय राजमार्ग-2 का हिस्सा धंसा

कोहिमा : नगालैंड में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं और कुछ जिलों से फसलें नष्ट होने की खबर है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कोहिमा जिले में किसामा हेरिटेज गांव के पास भूस्खलन की बड़ी घटना घटी, जबकि किम्वेमा-मिमा-चखाबामा सड़क पर भी भूस्खलन की बड़ी घटना हुई। उपमुख्यमंत्री टीआर जेलियांग ने किसामा हेरिटेज गांव के पास फेसमा गांव में सड़क धंसने के मद्देनजर घटना स्थल का दौरा किया, जहां राष्ट्रीय राजमार्ग-2 का 50 मीटर हिस्सा ढह गया। राजमार्ग के इस हिस्से के ढहने से नगालैंड और मणिपुर के बीच संपर्क कट गया है।

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने आतंकवादियों से संबंध को लेकर तीन सरकारी कर्मियों को बर्खास्त किया

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिज्ब-उल-मुजाहिदीन के साथ कथित संलिप्तता के लिए तीन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक पुलिस कांस्टेबल, एक स्कूल शिक्षक और सरकारी मेडिकल कॉलेज में एक जूनियर सहायक को संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत बर्खास्त कर दिया गया, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में बिना जांच के बर्खास्तगी की अनुमति देता है। उन्होंने बताया कि तीनों फिलहाल जेल में बंद हैं। उपराज्यपाल प्रशासन द्वारा आतंकवाद से संबंध रखने वाले अब तक 75 से अधिक सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रशासन द्वारा आतंकवादी ढांचे पर जारी कार्रवाई का हिस्सा है, जिसमें सरकारी संस्थाओं में छिपे हुए ओवरग्राउंड वर्कर्स (आतंकियों के मददगार) और समर्थक शामिल हैं।

सिक्किम में तीस्ता नदी में वाहन गिरने से लापता हुए आठ पर्यटकों की तलाश जारी

गंगटोक : सिक्किम में तीस्ता नदी में कार गिरने के बाद लापता हुए आठ पर्यटकों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और मंगलवार को तलाश अभियान पांचवें दिन में प्रवेश कर गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये आठ पर्यटक उस वाहन में सवार 11 लोगों में शामिल थे, जो 29 मई की रात को मंगन जिले में लाचेन-लाचुंग राजमार्ग पर मुंशीथांग के पास नदी में 1,000 फीट से अधिक नीचे गिर गया था। इस हादसे के बाद दो लोगों को बचा लिया गया था, जबकि एक का शव दुर्घटना के तुरंत बाद बरामद कर लिया गया था। लापता आठ पर्यटकों की तलाश राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं, वन विभाग, पर्यटन विभाग, टीएएएस (सिक्किम ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन) और पुलिस के कर्मियों द्वारा की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि लापता लोगों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

गंभीर बीमारी से पीड़ित महिला के गर्भपात से जुड़े मामले में अस्पताल मेडिकल बोर्ड का गठन करे: अदालत

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने सफदरजंग अस्पताल को निर्देश दिया है कि वह यह पता लगाने के लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करे कि किडनी के गंभीर रोग से पीड़ित महिला अपने 29 सप्ताह के भ्रूण को समाप्त करा सकती है या नहीं। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि यदि मेडिकल बोर्ड की राय है कि गर्भपात उचित है, तो अस्पताल 39 वर्षीय महिला पर प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा। उच्च न्यायालय ने कहा, ''यह निर्देश दिया जाता है कि याचिकाकर्ता की जांच के लिए सफदरजंग अस्पताल में एक मेडिकल बोर्ड का गठन किया जाए ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या वर्तमान मामला 'मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट' (एमटीपी), 1971 के तहत चिकित्सकीय रूप से गर्भपात के लिए योग्य है।'' अदालत ने 29 मई को अपने आदेश में इसे 'मेडिकल इमरजेंसी' का मामला बताया, जिसमें महिला की जान को खतरा था, हालांकि भ्रूण में कोई असामान्यता नहीं पाई गई थी। महिला ने अपने भ्रूण को समाप्त कराने की अनुमति लेने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था जो तब 27 सप्ताह से गर्भवती थी।

दिल्ली: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वायु प्रदूषण शमन योजना शुरू की

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को वायु प्रदूषण शमन योजना 2025 शुरू की, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो स्टेशन पर 2,300 इलेक्ट्रिक ऑटो तैनात किए जाएंगे, वायु प्रदूषण के लिहाज से सबसे ज्यादा संवेदनशील 13 इलाकों में 'मिस्ट स्प्रेयर' लगाए जाएंगे और पीयूसीसी केंद्रों का हर छह महीने में ऑडिट किया जाएगा। 'शुद्ध हवा सबका अधिकार-प्रदूषण पर जोरदार प्रहार' नाम की व्यापक प्रदूषण-रोधी कार्य योजना में हरित पहल, इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल में वृद्धि, यातायात सुधार और वैज्ञानिक नवाचार के जरिये राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के स्तर पर लगाम लगाने का खाका पेश किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छ और स्वस्थ दिल्ली उनकी सरकार का सपना है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य को सीधे प्रभावित करता है। योजना की शुरुआत के बाद मीडिया से मुखातिब गुप्ता ने एक सवाल के जवाब में स्पष्ट किया कि पिछली सरकार की सम-विषम नीति लागू नहीं की जाएगी, क्योंकि इससे लोगों को असुविधा हुई थी।

देवरिया में रिश्वत लेने का वीडियो सामने आने पर लेखपाल निलंबित

देवरिया(उप्र) : देवरिया जिले में बरहज तहसील क्षेत्र में एक लेखपाल का कथित रूप से रिश्वत लेते हुए वीडियो सार्वजनिक होने के बाद मंगलवार को उसे निलंबित कर दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बरहज के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) विपिन द्विवेदी ने बताया कि इस तहसील क्षेत्र में कार्यरत लेखपाल सूरज कुमार सिन्हा को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कथित रूप से कार्य के बदले रिश्वत लेते देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में राजस्व निरीक्षक की जांच रिपोर्ट के आधार पर आज लेखपाल सूरज कुमार सिन्हा को निलंबित कर दिया गया है, साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय जांच की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। एसडीएम ने बताया है कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी तथा दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर: रामबन में आतंकवादी की जमीन कुर्क

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में 'गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम' (यूएपीए) के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से सक्रिय एक आतंकवादी की जमीन मंगलवार को कुर्क की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पीओके में बसे आतंकवादी अली मोहम्मद उर्फ इब्राहिम शेख की धर्मकुंड के सुंबर गांव में डेढ़ 'कनाल' से अधिक कृषि भूमि की कुर्की आतंकवाद से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया, कुर्क की गई संपत्ति को राजस्व अभिलेखों में विधिवत रूप से चिह्नित किया गया है और यूएपीए के तहत इसकी बिक्री या हस्तांतरण पर रोक लगाने वाले नोटिस जारी किए गए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि ये कुर्की पिछले वर्ष तत्कालीन भारतीय दंड संहिता और यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एक मामले से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई क्षेत्र में गैरकानूनी और विध्वंसकारी गतिविधियों की जारी जांच में महत्वपूर्ण उपलब्धि है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरों को बेअसर करने एवं शांति-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस बल के समर्पण को उजागर करती है।

मप्र : 'अज्ञात जानवर' ने सोते हुए 17 लोगों को काटा, छह लोगों की रहस्यमय हालात में मौत

इंदौर : मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले में किसी अज्ञात जानवर के काटने के बाद पिछले 12 दिनों के भीतर छह लोगों की रहस्यमय हालात में मौत हो गई जिसकी गुत्थी सुलझाने के लिए अलग-अलग सरकारी विभागों ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक पहली नजर में संदेह है कि यह जानवर रेबीज वायरस से संक्रमित था, लेकिन फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। विकासखंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. देवेंद्र रोमड़े ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बड़वानी जिले के ग्रामीण क्षेत्र में पांच मई को तड़के अज्ञात जानवर ने 17 लोगों को काटा था जिसकी जानकारी मिलने के बाद उन्हें रेबीज रोधी इंजेक्शन लगाया गया था। उन्होंने बताया कि 23 मई से दो जून तक इनमें से छह लोगों की मौत हो गयी। बड़वानी के वन मंडलाधिकारी (डीएफओ) आशीष बंसोड़ ने बताया, ''अज्ञात जानवर ने करीब तीन घंटे के भीतर 17 लोगों को काटा था। इससे लगता है कि यह जानवर रेबीज वायरस से संक्रमित रहा होगा। हम इस जानवर को लगातार तलाश कर रहे हैं, लेकिन अब तक उसका पता नहीं चल सका है।'' डीएफओ ने बताया कि इस जानवर ने सुबह से पहले जिस लिम्बई गांव में सोते हुए लोगों पर हमला किया, वह वन सीमा से करीब 4.50 किलोमीटर दूर है। उन्होंने बताया, ''ये लोग गर्मी के चलते अपने घरों के बाहर खुले में सो रहे थे। उनका कहना है कि यह जानवर कुत्ते जैसा दिख रहा था, लेकिन फिलहाल इस जीव की पहचान नहीं हो सकी है।'' सवाल उठ रहा है कि अगर अज्ञात जानवर के हमले से पीड़ित सभी 17 लोगों को वक्त पर रेबीज रोधी इंजेक्शन दे दिया गया था, तो इनमें से छह लोगों की मौत कैसे हो गई? इस बारे में पूछे जाने पर बड़वानी की जिलाधिकारी गुंचा सनोबर ने कहा, ''हम मामले की विस्तृत छानबीन के तहत सभी पहलुओं को देख रहे हैं। खंडवा के सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय के विशेषज्ञों के एक दल ने मौके पर पहुंचकर जांच की है। मृतकों का विसरा दिल्ली की एक प्रयोगशाला में भेजा गया है।''

वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और महिलाओं को लाभ मिलेगा: जगदंबिका पाल

नयी दिल्ली : भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने मंगलवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के तहत केंद्रीकृत मंच पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण से पसमांदा मुसलमानों, अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं और बच्चों को लाभ मिलेगा। पाल की टिप्पणी मीडिया में आई उन खबरों की पृष्ठभूमि में आई है जिनमें कहा गया है कि अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय नये कानून के तहत वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए जल्द ही 'उम्मीद' पोर्टल शुरू कर सकता है। पाल संसद की उस संयुक्त समिति के अध्यक्ष थे, जिसने पिछले वर्ष अगस्त में लोकसभा में पेश किए गए विवादास्पद वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार-विमर्श किया था और 30 जनवरी को अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी थी। पोर्टल के शुरू होने के बारे में पूछे जाने पर पाल ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''हमने जो कानून पारित किया है उसका नाम 'उम्मीद 2025' है... अब 'उम्मीद' अधिनियम लॉन्च होने जा रहा है जिसके तहत सभी वक्फ संपत्तियों के दस्तावेज छह महीने के भीतर (उम्मीद पोर्टल पर) अपलोड करने होंगे।'' मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, 'उम्मीद' पोर्टल इसी हफ्ते शुरू हो सकता है। हालांकि, सरकार की तरफ से इसकी तारीख को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पंजाब-हरियाणा के ईंट भट्ठों में धान की पराली आधारित ईंधन का उपयोग एक नवंबर से अनिवार्य: केंद्र

नयी दिल्ली : वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को पंजाब और हरियाणा सरकारों को निर्देश दिया कि वे आगामी सर्दी के मौसम से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बाहर के जिलों में ईंट भट्ठों में ईंधन मिश्रण के हिस्से के रूप में धान की पराली आधारित 'बायोमास पेलेट' का उपयोग अनिवार्य करें। ये 'बायोमास पेलेट' एक प्रकार के ठोस ईंधन हैं। लकड़ी, कृषि अवशेषों और अन्य चीजों को संपीडित करके उन्हें छोटे और बेलनाकार छर्रों का रूप दिया जाता है। इस उपाय का उद्देश्य पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण की समस्या से निपटना है, जो हर सर्दियों में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में खराब वायु गुणवत्ता के लिए प्रमुख योगदानकर्ताओं में से एक है। एक आधिकारिक आदेश में सीएक्यूएम ने कहा कि धान के अवशेषों से बने बायोमास पेलेट का उपयोग कोयले के लिए एक स्वच्छ और व्यावहारिक विकल्प है जिसका उपयोग आमतौर पर ईंट भट्ठों में किया जाता है। सीएक्यूएम ने कहा कि एनसीआर से इतर पंजाब और हरियाणा के जिलों में ईंट भट्ठों को एक नवंबर से चरणबद्ध तरीके से धान की पराली पर आधारित बायोमास पेलेट का उपयोग जलाने के काम में शुरू करना होगा।

सरकार ने लद्दाख के लिए नए आरक्षण, अधिवास नियम घोषित किए

नयी दिल्ली : सरकार ने मंगलवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए नए आरक्षण और अधिवास नियम घोषित किए, जिसमें स्थानीय लोगों के लिए 85 प्रतिशत नौकरियां और लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषदों में कुल सीट में से एक तिहाई सीट महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान है। अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, भोटी और पुरगी भाषा को लद्दाख में आधिकारिक भाषा बनाया गया है। इस कदम का उद्देश्य स्थानीय हितों की रक्षा करना है, जहां पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले अनुच्छेद 370 को 2019 में हटाए जाने के बाद लद्दाख के लोग अपनी भाषा, संस्कृति और भूमि की रक्षा के लिए संवैधानिक सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। सरकार द्वारा जारी की गई कई अधिसूचनाओं के अनुसार, नौकरियों तथा स्वायत्त परिषद में आरक्षण, अधिवास और भाषाओं से संबंधित नीतियों में किए गए इस बदलाव मंगलवार से प्रभावी हो जाएंगे। नए नियमों के तहत, जो लोग केंद्र शासित प्रदेश में 15 साल की अवधि तक निवास कर चुके हैं या सात साल की अवधि तक अध्ययन कर चुके हैं और केंद्र शासित प्रदेश में स्थित किसी शैक्षणिक संस्थान में कक्षा 10वीं या 12वीं की परीक्षा में शामिल हुए हैं, वे केंद्र शासित प्रदेश के तहत किसी भी पद पर या 'कैंटोनमेंट बोर्ड' के अलावा किसी स्थानीय या अन्य प्राधिकरण के तहत नियुक्ति के प्रयोजनों के लिए लद्दाख के मूल निवासी होंगे।

भारत ने पाकिस्तान को 'पारी से हराया': सीडीएस चौहान

पुणे : प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान पर भारत की निर्णायक जीत का वर्णन करने के लिए क्रिकेट की एक आकर्षक उपमा का इस्तेमाल किया और कहा कि भारत ने अपने प्रतिद्वंद्वी को ''पारी से हरा'' दिया। सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित 'भविष्य के युद्ध और संघर्ष' विषय पर अपना भाषण पूरा करने के बाद सीडीएस ने वहां उपस्थित विद्वानों के कुछ प्रश्नों के उत्तर दिए। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को हुए नुकसान के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में जनरल चौहान ने स्पष्ट किया कि यह 'ऑपरेशन' अभी समाप्त नहीं हुआ है और ''शत्रुता में अस्थायी रूप से ठहराव'' आया है। उन्होंने कहा, ''मैं इस पर विस्तृत उत्तर दूंगा।'' सीडीएस ने कहा, ''मान लीजिए कि आप एक फुटबॉल मैच में जाते हैं और 4-2 से जीत जाते हैं; उसने दो गोल किए और आपने चार गोल किए। तो यह एक बराबरी का मैच है।'' उन्होंने इसके तुरंत बाद क्रिकेट के रूपक के जरिए शत्रुता के परिणाम के बारे में स्पष्ट रूप से अंतर बताया। जनरल चौहान ने कहा, ''लेकिन मान लीजिए कि आप क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने जाते हैं और आप 'पारी से हराकर' जीत दर्ज करते हैं, तो इसमें यह सवाल ही नहीं उठता कि आपने कितने विकेट लिए, कितनी गेंदें खेलीं और कितने खिलाड़ी खेले। यह एक पारी की हार है।'' शीर्ष सैन्य कमांडर की टिप्पणी पर उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं, क्योंकि यह उदाहरण भारत की जीत की व्यापक प्रकृति को दर्शाने के लिए था।

फिल्म 'ठग लाइफ' पांच जून को कर्नाटक में रिलीज नहीं की जाएगी : निर्माताओं ने अदालत को बताया

बेंगलुरु : कमल हासन अभिनीत 'ठग लाइफ' के निर्माताओं ने मंगलवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय को सूचित किया कि फिल्म कर्नाटक में पांच जून को रिलीज नहीं की जाएगी, जो इस फिल्म की पूरे भारत में रिलीज की निर्धारित तिथि है। जब मामला न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना के समक्ष सुनवाई के लिए आया तो याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इसमें (बयान में) कोई दुर्भावना नहीं थी और माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक बातचीत के जरिये मुद्दा हल नहीं हो जाता, तब तक कर्नाटक में फिल्म के रिलीज पर जोर नहीं दिया जाएगा। अदालत ने फिल्म निर्माण कंपनी 'राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल' की याचिका पर अगली सुनवाई 10 जून के लिए स्थगित कर दी। याचिका में कर्नाटक में फिल्म की रिलीज के लिए पर्याप्त सुरक्षा का अनुरोध किया गया है। न्यायालय ने अभिनेता और फिल्म निर्माता कमल हासन की हाल ही में की गई टिप्पणी की भी कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ है।'' अदालत ने कहा कि ''एक माफी से स्थिति सुलझ सकती थी।''

पहलगाम हमले के एक महीने बाद कश्मीर में पर्यटन सामान्य होने लगा

गुलमर्ग (जम्मू कश्मीर) : पहलगाम आतंकवादी हमले के उपरांत कश्मीर में लंबे अंतराल के बाद पर्यटन सामान्य होने लगा है। हालांकि अभी घाटी पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या कम है। पर्यटकों के समूह खास तौर पर महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों से गुलमर्ग और पहलगाम के लोकप्रिय पर्यटन रिजॉर्ट पहुंच रहे हैं जिससे इस क्षेत्र में धीरे-धीरे स्थिति सामान्य होने की उम्मीद जगी है। हालांकि, पर्यटकों की संख्या सीमित है लेकिन इस क्षेत्र में कुछ गतिविधियां शुरू हो गई हैं जो पहलगाम के बैसरन मैदान में 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद लगभग पूरी तरह बंद हो गई थीं। इस हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं और घाटी में पर्यटकों में विश्वास बहाल करने के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। मुख्यमंत्री लोकप्रिय पर्यटन स्थलों का दौरा कर रहे हैं, अपने प्रशासन को वहां ले जा रहे हैं, हितधारकों से बातचीत कर रहे हैं और पर्यटकों से भी संवाद कर रहे हैं। घाटी में डर के माहौल को खत्म करने के लिए अब्दुल्ला ने हाल में पहलगाम में मंत्रिपरिषद और गुलमर्ग में वरिष्ठ अधिकारियों की एक के बाद एक बैठकें कीं। पहलगाम हमले के कारण बड़ी संख्या में लोगों ने बुकिंग रद्द करना शुरू कर दिया था। हमले के बाद, पर्यटक घाटी छोड़कर चले गए थे और कश्मीर घूमने में लोगों की रुचि कम हो गई। लेकिन अब डर के बादल छंटने लगे हैं और धीरे- धीरे ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है जो बुकिंग के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं। श्रीनगर, पहलगाम और गुलमर्ग में होटल का संचालन करने वाले कारोबारी आसिफ बुर्जा ने कहा, ''लोग वापस आने लगे हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की बैठकों और यात्राओं (पहलगाम और गुलमर्ग) ने एक सकारात्मक संदेश दिया है कि पर्यटन स्थल खुले हैं। इससे पर्यटन में सुधार हुआ है।''

पहलगाम हमले के बाद खीर भवानी के लिए श्रद्धालुओं का आना अच्छा संकेत: मनोज सिन्हा

संसद के आगामी सत्र में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया जाएगा : सरकारी सूत्र

नयी दिल्ली : सरकार संसद के आगामी सत्र में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी और कथित भ्रष्टाचार के मामले में उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए सर्वदलीय सहमति बनाने का प्रयास करेगी। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू विभिन्न दलों के नेताओं से बात करेंगे, ताकि उन्हें तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित तीन-सदस्यीय समिति की न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ सौंपी गई रिपोर्ट के बाद उनके विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव के लिए राजी किया जा सके। इस वर्ष मार्च में राष्ट्रीय राजधानी स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना हुई थी, जिसके बाद कथित तौर पर जली हुई नकदी बरामद हुई। उस समय न्यायमूर्ति वर्मा दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे। न्यायाधीश वर्मा ने खुद को निर्दोष बताया, लेकिन उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति ने उन्हें दोषी ठहराया। विवाद के दौरान इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किए गए न्यायमूर्ति वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। इसके बाद न्यायमूर्ति खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर महाभियोग प्रस्ताव की संस्तुति की, जो उच्च न्यायपालिका के सदस्यों को सेवा से हटाने की प्रक्रिया है। सूत्रों ने बताया कि संसद का मानसून सत्र जुलाई के तीसरे सप्ताह के आसपास शुरू होने की उम्मीद है, तब सरकार न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी। महाभियोग प्रस्ताव को लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा में भी लाया जाना है और इसे पारित होने के लिए दो-तिहाई सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होगी। राज्यसभा में कम से कम 50 सदस्यों और लोकसभा में 100 सदस्यों को प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने होंगे, तभी इसे सदन के अध्यक्ष द्वारा स्वीकार किया जाएगा।

विराट ने आखिरकार जीती आईपीएल ट्रॉफी

18वें साल में 18 नंबर की जर्सी की किस्मत जागी

जीत तय होते ही भावुक हुए विराट कोहली

अहमदाबाद : पसीने से सराबोर विराट कोहली थोड़े अधीर दिखते हैं। आखिर हो भी क्यों नहीं, उनका और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का पहला आईपीएल खिताब बस एक ओवर दूर था। 11 बजकर 25 मिनट : जोश हेजलवुड ने 20वें ओवर में आरसीबी की जीत सुनिश्चित कर दी।कोहली की आंखें भर आई और आंसू कपालों पर आ गिरे। अपना चेहरा उन्होंने हथेली में छिपा लिया। आरसीबी के खिलाड़ी उन्हें घेरकर कूदने लगे। आखिर 18 नंबर की जर्सी का 18 साल का इंतजार खत्म हुआ। एक महान खिलाड़ी और उस पर अटूट भरोसा करने वाली एक टीम के लिये यह सबसे भावनात्मक पल था। पिछले 18 साल की नाकामियां और निराशा इस पल में पीछे छूट गई। एकमात्र खिताब जो इस पीढ़ी के महानतम क्रिकेटर की झोली में अभी तक नहीं गिरा था, आखिरकार उसे मिला। कोहली और आरसीबी का सफर तभी शुरू हुआ जब आईपीएल ने क्रिकेट की दुनिया में पहला कदम रखा था। अठारह साल पहले बेचैन और युवा कोहली पश्चिम दिल्ली का वह गोल मटोल सा लड़का था जो जीत का जुनून लेकर उतरा था। उस समय आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले और जाक कैलिस हुआ करते थे। आरसीबी ने कोहली पर भरोसा किया और उसके पूर्व मालिक विजय माल्या ने कोहली को अपने अंदाज में खेलने की छूट दी। फिर 2011 में कोहली आरसीबी के कप्तान बने। बाईस साल की उम्र में इतनी बड़ी जिम्मेदारी और इतना दबाव से भरा माहौल भी उन्हें विचलित नहीं कर सका। बारह साल और 143 मैचों तक कप्तान संभालने वाले कोहली डटे रहे। बेंगलुरू के क्रिकेटप्रेमियों से उनका दिल का रिश्ता गहरा होता गया। यह कोहली का करिश्मा ही था कि बेंगलुरू का हर क्रिकेटप्रेमी आरसीबी का वफादार प्रशंसक बन गया। महेंद्र सिंह धोनी जब चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान बने तब विश्व कप विजेता भारत के कप्तान बन चुके थे लेकिन कोहली और आरसीबी का रिश्ता धीरे धीरे गहरा होता गया। चेन्नई ने पांच बार आईपीएल जीता और रोहित शर्मा की मुंबई इंडियंस ने भी। सनराइजर्स हैदराबाद और डेक्कन चार्जर्स ने भी खिताब जीते। कोहली ने लेकिन कभी आरसीबी से नाता तोड़ने की नहीं सोची। दर्शकों का प्यार उनकी प्रेरणा रहा और जुनून भी। एक सपना हमेशा उनकी आंखों में पलता रहा, आरसीबी के लिये आईपीएल जीतने का। इस दशक के क्रिकेट के सबसे बड़े 'शो मैन' को आखिरकार आईपीएल का ताज मिला।

गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन को ऑरेंज कैप, उनकी ही टीम के प्रसिद्ध कृष्णा ने जीती पर्पल कैप

विजेता टीम पर होगी नोटों की बारिश

हर बार की तरह इस बार भी खिताब की विजेता टीम पर नोटों की बारिश हुई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 20 करोड़ रुपये इनाम के तौर पर दिए। वहीं, उपविजेता पंजाब किंग्स को 12.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिली। पंजाब को रनर अप की शील्ड और आईपीएल लिमिटेड एडिशन वॉच भी मिले।

सालुंखे के प्रदर्शन से तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में भारतीय उम्मीदें बढ़ीं

अंताल्या (तुर्की) : पिछले महीने शंघाई विश्व कप में अपने प्रदर्शन से सभी को आकर्षित करने वाले पार्थ सालुंखे बुधवार को यहां जब तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में भारत के लिए अपना अभियान शुरू करेंगे तो उनकी कोशिश फिर से चमकदार प्रदर्शन करने की होगी। महाराष्ट्र के सतारा के 21 वर्षीय तीरंदाज ने शंघाई में दो बड़े नामों को हराकर तीरंदाजी की दुनिया को चौंका दिया था। उन्होंने शुरुआती दौर में शूट-ऑफ में तुर्की के तोक्यो ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज और फिर क्वार्टर फाइनल में दो बार के ओलंपिक टीम स्वर्ण पदक विजेता दक्षिण कोरिया के किम जे-देओक को बिना सेट गंवाए हराकर उलटफेर किया था। पूर्व युवा विश्व चैंपियन सालुंखे ने अपने दूसरे ही विश्व कप में कांस्य पदक जीत लिया जिसमें उन्होंने प्लेऑफ में पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता फ्रांस के बाप्टिस्ट एडिस को मात दी। उनके लिए सबसे अलग चीज सिर्फ उनकी उपलब्धि नहीं थी, बल्कि दक्षिण कोरियाई तीरंदाजों के खिलाफ उनका स्वभाव और परिपक्वता थी जिन्हें लंबे समय से इस खेल में भारत का कट्टर प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। सेमीफाइनल में सर्वकालिक महान खिलाड़ी किम वूजिन के खिलाफ सालुंखे ने 0-4 से पिछड़ने के बाद वापसी कर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। लेकिन पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में निर्णायक सेट में उन्हें मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

फाइनल से पहले आईपीएल समापन समारोह में देशभक्ति से सराबोर स्टेडियम

अहमदाबाद : 'सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी' और 'दुश्मन के छक्के छुड़ा दें , हम इंडिया वाले' जैसे गाने आरसीबी और पंजाब किंग्स के बीच इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल से पहले समापन समारोह में गूंजते रहे जिससे नरेंद्र मोदी स्टेडियम देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम पर सीमारेखा के पास मैच की जानकारी देने और विज्ञापनों के लिये इस्तेमाल होने वाले डिजिटल बोर्ड पर ' भारतीय सशस्त्र बलों का सम्मान', 'सशस्त्र बलों को सलाम' और 'भारतीय सेना को धन्यवाद' जैसे मैसेज चलते रहे। बॉलीवुड गायक शंकर महादेवन ने अपने बेटों सिद्धार्थ और शिवम के साथ दर्शकों का मनोरंजन किया। युद्ध पर बनी फिल्म 'लक्ष्य' का टाइटल गीत ' कंधों से मिलते हैं कंधे' और 'ऐ वतन मेरे आबाद रहे तू' और 'वंदे मातरम' जैसे गीत इस तिकड़ी ने गाये। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और पंजाब किंग्स के बीच दुनिया के सबसे बड़े टी20 टूर्नामेंट के 18वें सत्र के फाइनल से पहले समापन समारोह आयोजित हुआ। आरसीबी टीम पहले वार्मअप के लिये मैदान पर उतरी।

न्यूज अपडेट

ट्रैफिक जाम के कारण इंग्लैंड और वेस्टइंडीज क्रिकेट मैच में विलंब, खिलाड़ी बाइक से पहुंचे

लंदन : लंदन में ट्रैफिक जाम के कारण इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच एक दिवसीय क्रिकेट मैच की शुरुआत में विलंब हो गया चूंकि दोनों टीमों की बसें जाम में फंस गई थी। इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने बस से उतरकर बाइक से स्टेडियम पहुंचने का फैसला किया। इंग्लैंड के खिलाड़ी मैच से पहले वार्मअप के लिये समय पर पहुंच गए लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाड़ी बस में ही रहे और टॉस के निर्धारित समय से दस मिनट बाद पहुंचे। वेस्टइंडीज के कप्तान शाइ होप ने हंसते हुए कहा, 'हमें पैदल चलकर आना चाहिये था।' ब्रिटेन की पीए समाचार एजेंसी के अनुसार वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों का होटल ओवल से पांच किलोमीटर दूर था। टॉस 40 मिनट विलंब से हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया।

सिंधू और सात्विक-चिराग की जोड़ी दूसरे दौर में, सेन और प्रणय इंडोनेशिया ओपन से बाहर

अहमदाबाद : जकार्ता : दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने मंगलवार को यहां इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्रीक्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। सिंधू ने महिला एकल में अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 19 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 22-20, 21-23, 21-15 से हराया। अब राउंड 16 में उनका सामना थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्णपावी चोचुवोंग से होगा। सिंधू ने मैच के बाद कहा, 'पहले दौर में जीत हासिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे निश्चित तौर पर मेरा हौसला बढ़ेगा। मैं पहले दौर में हारती रही हूं, इसलिए इस तरह के मैच जीतना मेरे लिए बहुत उपयोगी और महत्वपूर्ण है।'

ऑस्ट्रेलिया अगले साल सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए कर सकता है पाकिस्तान का दौरा

कराची : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने कहा है कि उन्होंने अगले साल के शुरू में सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने पर सहमति जताई है। ऑनलाइन मीडिया बातचीत के दौरान ग्रीनबर्ग ने कहा कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और अधिक दौरों के लिए पाकिस्तान जाने का इच्छुक है तथा दोनों देशों के बोर्ड के बीच चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा, 'जब भी 'विंडो' उपलब्ध हो, हम पाकिस्तान के साथ लाल गेंद और सफेद गेंद की श्रृंखला का कार्यक्रम बनाने की कोशिश कर रहे हैं।' ग्रीनबर्ग ने कहा कि 2022 में और फिर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का दौरा करने के अनुभव के आधार पर वे चाहते हैं कि ज्यादा दौरे आयोजित किए जाएं। आस्ट्रेलिया ने 2022 में करीब 23 साल बाद पाकिस्तान का दौरा किया था जिसमें एक टेस्ट और सफेद गेंद की श्रृंखला शामिल थी। उन्होंने कहा, 'हम लंबे समय के बाद 2022 में पाकिस्तान गए थे और यह हमारी टीम की मेहमानबाजी और सुरक्षा के हिसाब से अच्छा अनुभव था।'

समाज्ञा व्यापार

न्यूज ब्रीफ

रुपया 22 पैसे टूटकर 85.61 प्रति डॉलर पर

मुंबई : अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 22 पैसे टूटकर 85.61 पर बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रा में मजबूती और शेयर बाजार में बिकवाली दबाव के कारण रुपये की विनिमय दर पर असर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के बीच नकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों को देखते हुए रुपये पर दबाव रहा। निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति घोषणाओं का इंतजार कर रहे हैं। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बुधवार को अपनी द्विमासिक नीति पर विचार-विमर्श शुरू करेगी। मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा छह जून को की जाएगी।

टाटा मोटर्स ने हैरियर का इलेक्ट्रिक मॉडल पेश किया

नयी दिल्ली : टाटा मोटर्स ने मंगलवार को देश में अपनी इलेक्ट्रिक वाहन श्रृंखला का विस्तार करते हुए हैरियर.ईवी (बिजलीचालित वाहन) की पेशकश की। यह एक बैटरी इलेक्ट्रिक एसयूवी है, जिसे एक बार चार्ज करने पर 500 किलोमीटर तक चलाया जा सकेगा। कंपनी को उम्मीद है कि नई इलेक्ट्रिक एसयूवी मुख्यधारा के प्रीमियम एसयूवी खंड के ग्राहकों को आकर्षित करेगी, जिसकी वर्तमान में प्रति माह लगभग 25,000 इकाई की बिक्री होती है। हैरियर.ईवी की शोरूम कीमत 21.49 लाख रुपये से शुरू होती है। इसकी बुकिंग दो जुलाई से शुरू होगी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि इस मॉडल के साथ कंपनी को ग्राहकों के एक नए वर्ग को आकर्षित करने उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'उच्च एसयूवी खंड में, हम जबर्दस्त वृद्धि देख रहे हैं, और हमें यह भी लगा कि इस खंड में एक ऐसा उत्पाद लाने का अवसर है जो प्रदर्शन में उत्साहजनक हो, जिसमें वैकल्पिक क्षमता हो और जो आराम को अगले स्तर पर ले जाए।'

भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर, प्रति हेक्टेयर कृषि आय बढ़ाने की जरूरत : चौहान

पुणे : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को प्रति हेक्टेयर कृषि आय बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि केंद्र अपने 'स्वच्छ पौधा कार्यक्रम' के जरिये बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा दे रहा है। महाराष्ट्र को भी इसके दायरे में लाया जाएगा। चौहान ने जोर देकर कहा कि कृषि मंत्री का काम तब तक पूरा नहीं माना जाता, जब तक वह किसानों के खेतों का दौरा नहीं करता। कृषि और किसान कल्याण मंत्री ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के साथ पुणे में राज्य सरकार द्वारा आयोजित भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय कृषि हैकाथॉन में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा, 'केंद्र सरकार स्वच्छ पौधा कार्यक्रम (सीपीपी) शुरू कर रही है। इस योजना के तहत हम देश भर में नौ संयंत्र स्थापित करेंगे। इनमें से तीन संयंत्र महाराष्ट्र में लगेंगे, जिसके लिए केंद्र 300 करोड़ रुपये खर्च करेगा। महाराष्ट्र में ये संयंत्र पुणे, नागपुर और सोलापुर जिलों में लगेंगे।' सीपीपी का उद्देश्य पूरे देश में फलों की फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम किसानों को उनकी भूमि के आकार की परवाह किए बिना उच्च गुणवत्ता वाली, वायरस मुक्त रोपण सामग्री तक पहुंच प्रदान करके बागवानी में महत्वपूर्ण मसलों को हल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। चौहान ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक विकसित भारत (वर्ष 2047 तक) की कल्पना की है। प्रति हेक्टेयर कृषि आय बढ़ाने की आवश्यकता है। एक

भारत ने गुजरात में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के लिए नॉर्वे से सहयोग मांगा

नयी दिल्ली : पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को कहा कि भारत ने गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के लिए सांस्कृतिक, तकनीकी और शैक्षणिक सहयोग के मकसद से नॉर्वे से सहयोग मांगा है। सोनोवाल ने नॉर्वे के युवराज प्रिंस हाकोन के साथ ओस्लो में नॉर-शिपिंग में इंडिया पैवेलियन का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया, जो एक प्रमुख वैश्विक समुद्री कार्यक्रम है। एक सरकारी बयान के अनुसार, इंडिया पैवेलियन की अपनी यात्रा के दौरान, युवराज प्रिंस हाकोन ने भारत के हालिया आर्थिक प्रदर्शन में गहरी दिलचस्पी दिखाई और देश की वृद्धि की प्रशंसा की। इसमें कहा गया है कि प्रिंस हाकोन ने इस साल के अंत में एक उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की अपनी आगामी यात्रा की पुष्टि की।

भारत निवेश सुविधा पर चीन के प्रस्ताव का समर्थन करे: डब्ल्यूटीओ प्रमुख

पेरिस : विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो-इवेला ने मंगलवार को भारत से विकास के लिए निवेश सुविधा पर चीन की अगुवाई वाले प्रस्ताव के समर्थन का आग्रह करते हुए कहा कि कई विकासशील देश इस पहल का समर्थन कर रहे हैं। डब्ल्यूटीओ की मुखिया ने कहा कि उन्होंने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ डब्ल्यूटीओ में सुधारों और कृषि जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की। गोयल इस समय आधिकारिक यात्रा पर पेरिस आए हुए हैं। इवेला ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'हमें एक नेता के रूप में भारत की जरूरत है। भारत एक अग्रणी देश है और भारत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसलिए, भारत को अन्य विकासशील देशों के लिए रास्ता खोलने की जरूरत है।' उन्होंने कहा, 'उदाहरण के तौर पर, हम विकास के लिए निवेश सुविधा वाले प्रस्ताव पर चाहते हैं कि भारत इसका समर्थन करे।' दरअसल, बहुत सारे विकासशील देश (126 में से 90 सदस्य) इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ना चाहते हैं।' इसी के साथ डब्ल्यूटीओ प्रमुख ने कृषि से संबंधित भारत की चिंताओं को भी सुनने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि उसके समर्थन का प्रयास करना होगा। चीन के नेतृत्व वाला 128 देशों का समूह विकास के लिए निवेश सुविधा (आईएफडी) प्रस्ताव पर जोर दे रहा है। यह प्रस्ताव केवल उन्हीं देशों के लिए बाध्यकारी होगा जो हस्ताक्षर करेंगे। लेकिन भारत इस प्रस्ताव के खिलाफ है और उसने अबू धाबी में आयोजित पिछले 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में इस पहल का विरोध भी किया। भारत का कहना है कि इस तरह के समझौते 166 सदस्यीय संगठन की बहुपक्षीय प्रकृति को कमजोर करेंगे। इस प्रस्ताव को पहली बार वर्ष 2017 में चीन और उसके समर्थक देशों ने पेश किया था। चीनी निवेश पर बहुत अधिक निर्भर देशों के अलावा सरकारी धन निधि वाले देश भी उस समझौते के पक्षकार हैं। प्रमुख देशों में अमेरिका इस समझौते से बाहर है। डब्ल्यूटीओ प्रमुख यहां एक लघु मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए आई हुई हैं।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 636 अंक टूटकर 81,000 से नीचे

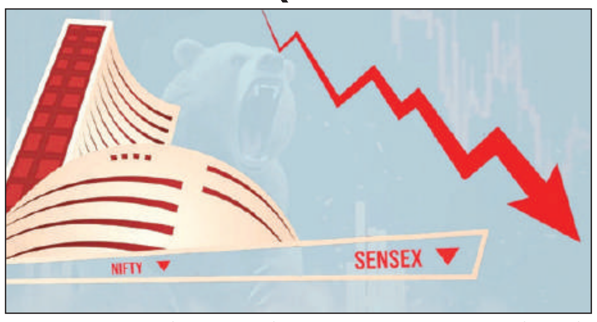

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 636 अंक टूटकर 81,000 अंक के नीचे आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बीच चौतरफा बिकवाली से बाजार नीचे आया। घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही। निवेशकों ने ऊर्जा, वित्त और आईटी शेयरों में बिकवाली की। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 636.24 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,737.51 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 798.66 अंक तक नीचे आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 174.10 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,542.50 अंक पर बंद हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,266 शेयरों में गिरावट आई जबकि 1,731 शेयरों में तेजी रही। 147 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'मिले-जुले वैश्विक संकेतों, वैश्विक स्तर पर तनाव और कमजोर अमेरिकी डॉलर के साथ अस्थिर मुद्रा बाजार के बीच घरेलू बाजार में गिरावट रही।

एस्योर: गुणवत्ता, आधुनिकता और व्यवसायिकता से घरेलू उपकरणों में नई पहचान

Assure Moving the world together

- प्रधानमंत्री की अपील पर देशी उत्पादों को बढ़ावा मिला
- घरेलू उपकरणों की निरंतर बढ़ रही है मांग

सुबोध छाजेड़

कोलकाता, समाज्ञा : रोजमर्रा के जीवन में घरेलू उपकरणों की मांग निरंतर बढ़ रही है। आज का उपभोक्ता आधुनिक कारीगरी से निर्मित गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को किफायती दरों पर खरीदने का पक्षपाती है। संप्रति प्रधानमंत्री ने विदेशी उत्पादों को दरकिनार कर भारत में निर्मित सामग्रियों को प्रमुखता देने की अपील की है। जिससे देशी उत्पादकों में आशा का संचार हुआ है और वे विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादों को टक्कर देने के लिए अपने उत्पादों में गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर पूरा जोर दे रहे हैं। बाजार में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के समानांतर राष्ट्रीय स्तर की कंपनियां भी प्रतिस्पर्धा में आ गई हैं। नामी-गिरामी ब्रांडों के बीच अपनी दमदार उपस्थिति बनाना और उपभोक्ताओं को लुभाना बड़ी चुनौती है। भारतीय उपभोक्ताओं के लिए कीमत सबसे अधिक मायने रखती है। उनका मानना है कि यदि भारतीय निर्माता भी आधुनिक युग के अनुकूल गुणवत्तापूर्ण उत्पाद सबके पहुंच के भीतर बनाएं तो स्थिति में गुणात्मक परिवर्तन आ सकता है। ऐसे में उद्योग विमुख माने जाने वाले पश्चिम बंगाल में अगर कोई उद्यमी अपने ब्रांड को राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बना ले तो इसे उसकी विलक्षण प्रतिभा, उद्यम इच्छाशक्ति और दूरदर्शितापूर्ण व्यवसायिक दृष्टिकोण का परिचायक मान लेना अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं है। एस्योर ब्रांड के स्वप्नदर्शी युवा उद्यमी सुबोध छाजेड़ पश्चिम बंगाल में औद्योगिक विकास की संभावनाओं को लेकर नकारात्मक प्रचारों के बीच सेरामिक, इलेक्ट्रिकल और घरेलू उपयोग की सामग्रियों के उत्पादन में पूरे देश में प्रतिष्ठा हासिल करने में सफल रहे हैं। एस्योर ब्रांड के तहत उनके उत्पादों की मांग पूरे देश में निरंतर बढ़ रही है। हुगली के औद्योगिक क्षेत्र सुगंधा मोर (चुचुड़ा) स्थित उनकी फैक्ट्री में लगातार ऐसे उत्पादों पर अनुसंधान एवं विकास का काम चल रहा है जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मिल्कियत रही है। करीब दो लाख वर्ग फुट में फैला उनका कारखाना दिन-रात उत्पादों के निर्माण में लगा है। बेहतर और टिकाऊ उत्पादों को विकसित करने के लिए अनुसंधान विभाग पूरी तत्परता से काम करता है। श्री छाजेड़ का सपना स्वदेशी उत्पादों को जन-जन तक पहुंचाकर विकसित भारत में अपनी उपयोगिता प्रमाणित करने का है। गुणवत्तापूर्ण, किफायती, आकर्षक, टिकाऊ स्वदेशी उत्पादों के माध्यम से वे उपभोक्ता को ऐसा विकल्प देना चाहते हैं जिस पर गर्व किया जा सके। राष्ट्रीयता की भावना को सर्वोपरि मानते हुए श्री छाजेड़ राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की ऐसी श्रृंखला ला रहे हैं जो किसी भी विदेशी, बहुराष्ट्रीय कंपनी के उत्पाद से बेहतर परिणाम देने में सक्षम है। विगत दो दशकों में अथक प्रयास, नित-नव-नूतन उत्पाद और अभिनव प्रचार कौशल से उन्होंने एक ऐसा उपभोक्ता वर्ग तैयार किया है जिसके दिलो-दिमाग में एस्योर सर्वश्रेष्ठ उत्पाद की गारंटी है। आसन्न पूजा और दीपावली में बड़े पैमाने पर खरीदारी को लक्ष्य करके अभी से श्री छाजेड़ अपने उत्पादों की नई श्रृंखला बाजार में उतार रहे हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि किलर, चैंपियन और प्रिंस सीरीज के मिक्सर ग्राइंडर को बाजार में उतार चुके हैं और इनकी बढ़ती मांग से उत्साहित हैं। स्टेनलेस स्टील जार में भी इन्होंने ट्रिप्लाई स्टील का प्रयोग कर परिवेश बंधु उत्पाद उतारा है। इंडक्शन चूल्हा, कूकर सहित अन्य उत्पादों में भी उनकी प्रगति संतोषजनक है। श्री छाजेड़ कहते हैं कि घरेलू उपकरणों के निर्माण में वे देश का सर्वश्रेष्ठ संयंत्र बनाना चाहते हैं। केंद्र सरकार जिस मेक इन इंडिया को वास्तविक बनाना चाहती है वे उसका सिरमौर बनने के लिए प्रयासरत हैं। एस्योर के उत्पादों में नॉन-स्टिक उपकरण, प्रेशर कुकर, एयर प्यूरीफायर, एयर फ्रायर, इलेक्ट्रिकल सामग्री, इलेक्ट्रिकल केतली(2 लीटर) तक, पंखा, कूलर आदि प्रमुख हैं।

छह कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की हरी झंडी

नयी दिल्ली : बाजार नियामक सेबी ने एचडीएफसी बैंक की अनुषंगी एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, डॉर्फ-केटल केमिकल्स, विक्रम सोलर और तीन अन्य कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी दे दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की तरफ से आईपीओ लाने की मंजूरी पाने वाली अन्य कंपनियों में ए-वन स्टील्स इंडिया, शांति गोल्ड इंटरनेशनल और श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड शामिल हैं। ये छह कंपनियां मिलकर 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाने की योजना बना रही हैं। सेबी की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के मुताबिक, इन कंपनियों ने अक्टूबर, 2024 से जनवरी, 2025 के बीच आईपीओ संबंधी दस्तावेज का मसौदा दाखिल किया था। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का आईपीओ 2,500 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयरों और प्रवर्तक फर्म एचडीएफसी बैंक द्वारा 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश(ओएफएस) का संयोजन होगा। डॉर्फ-केटल केमिकल्स के आईपीओ का आकार 5,000 करोड़ रुपये का होगा। इसमें 1,500 करोड़ रुपये का नया निर्गम और 3,500 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल होगी।

वर्ष 10, पूर्णांक 3256 अंक 066, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in